THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 160 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.13 2082 शुक्रवार, 5 सितंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आतंकी फंडिंग केस में शबीर शाह को राहत नहीं

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कश्मीरी अलगाववादी नेता शबीर अहमद शाह की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। शाह ने आतंकी फंडिंग केस में स्वास्थ्य कारणों से राहत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इसे ठुकरा दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। शाह दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दे रहे हैं जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार किया गया था।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप नाथ की पीठ के सामने वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंसाल्वेस ने शाह की ओर से दलीलें पेश कीं।

आतंकवाद का मुकाबला करना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। हमारा मानना है कि सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है कि वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें। मैं पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों के प्रति व्यक्त की गई संवेदनाओं और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में उनके समर्थन के लिए प्रधानमंत्री वांग और सिंगापुर सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए हुए समझौते से समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को बढ़ावा मिलेगा। भारत अपने बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें सिंगापुर का अनुभव बेहद उपयोगी है। आज हमने सिंगापुर की कंपनी पीएसए इंटरनेशनल की ओर से विकसित भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। इससे हमारी कंटेनर हैंडलिंग क्षमता में और वृद्धि होगी। सिंगापुर हमारी एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और शांति एवं स्थिरता के संयुक्त दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आसियान के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे संबंध कूटनीति से कहीं आगे तक जाते हैं। यह एक उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से निर्देशित है। यह शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए एक साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है। इससे पहले साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, आज दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

पलानीस्वामी को मिली बड़ी राहत

चेन्नई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए एआईएडीएमके के महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पाडी के. पलानीस्वामी को बड़ी राहत दी है। दरअसल, अदालत ने उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उनके महासचिव चुने जाने पर सवाल उठाए गए थे। जुलाई 2022 को एआईएडीएमके की जनरल काउंसिल यानि पार्टी की बड़ी बैठक हुई थी। इस बैठक में कई प्रस्ताव पारित किए गए और पलानीस्वामी को पार्टी का महासचिव घोषित किया गया। लेकिन सूर्यमूर्ति नाम के एक व्यक्ति ने कोर्ट में याचिका डालकर कहा कि यह चुनाव ठीक तरीके से नहीं हुआ है और पास किए गए प्रस्ताव भी अवैध हैं।

कांग्रेस ने साइकिल पर भी टैक्स लिए

हमने अपना वादा पूरा किया : पीएम

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने जीएसटी दरों में कटौती के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने जीएसटी में इस सुधार को देश के विकास के लिए जरूरी बताया है।

जीएसटी में कटौती को लेकर पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दिए गए भाषण का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने जीएसटी के पहले से सरल होने की बात कही। इसमें उन्होंने राज्यों के सहयोग का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू हो जाएंगी। पीएम मोदी ने कांग्रेस की पहले की सरकारों पर टैक्स वसूलने को लेकर भी निशाना साधा। पीएम ने कांग्रेस सरकारों पर साइकिल, टॉफी और सीमेंट पर टैक्स लगाने का जिक्र किया। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के संबोधित करते हुए जीएसटी सुधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि समय पर बदलाव के बिना, हम अपने देश को आज की वैश्विक स्थिति में उसका उचित स्थान नहीं दिला सकते। उन्होंने कहा कि मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार करना बेहद जरूरी है। पीएम ने कहा कि मैंने देशवासियों से यह वादा भी किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों की दोहरी बौछार होगी। आज मैं देशवासियों से फिर कहूंगा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रिफॉर्म्स का ये सिलसिला रुकने वाला नहीं है। भारत के लिए आत्मनिर्भरता ये कोई नारा नहीं है, इस दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। हमारी सरकार का मकसद है कि आम लोगों के जीवन में बचत ज्यादा से ज्यादा कैसे हो, लोगों का जीवन बेहतर बने।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म करना बहुत जरूरी है।

'कांग्रेस अपने समय में जीएसटी लागू करना असंभव मानती थी'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का पलटवार

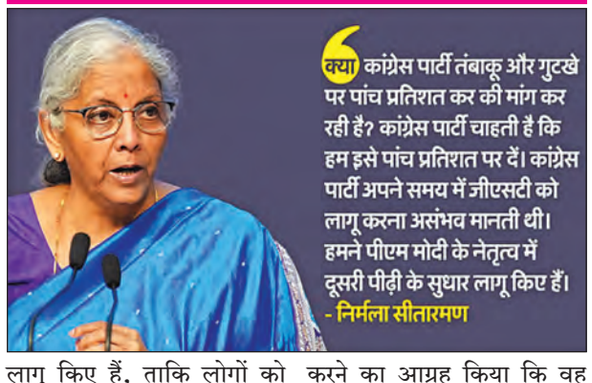

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी सुधार पर कांग्रेस पार्टी के तंज पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक समय जीएसटी को लागू करना असंभव मानती थी, लेकिन मोदी सरकार ने न केवल इसे सफलतापूर्वक लागू किया, बल्कि अब आम लोगों पर बोझ कम करने के लिए दूसरे चरण के सुधारों के साथ इसे आगे बढ़ा रही है।

बीते दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा, क्या कांग्रेस पार्टी तंबाकू और गुटखे पर पांच प्रतिशत कर की मांग कर रही है? कांग्रेस पार्टी चाहती है कि हम इसे पांच प्रतिशत पर दें।

कांग्रेस पार्टी अपने समय में जीएसटी को लागू करना असंभव मानती थी। हमने पीएम मोदी के नेतृत्व में दूसरी पीढ़ी के सुधार लागू किए हैं, ताकि लोगों को अपनी रोजमर्रा की जरूरतों पर राहत मिले। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी सुधार अनुपालन को आसान बनाकर एमएसएमई और श्रम-प्रधान उद्योगों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि वह लोगों को लाभ पहुंचाने वाले उपायों का समर्थन करती है या विरोध। इन सुधारों से एमएसएमई और श्रम-प्रधान इकाइयों को भी राहत मिलेगी, जिससे अनुपालन आसान होगा। कांग्रेस को तय करना चाहिए कि वह लोगों के हित में मुद्दों पर विरोध करना चाहती है या समर्थन। जनता आपको बेनकाब कर देगी।

जीएसटी दरों में व्यापक कटौती की घोषणा :

इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आवश्यक वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, कृषि इनपुट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला पर जीएसटी दरों में व्यापक कटौती की घोषणा की। 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक में 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त करने का फैसला किया गया। बैठक में जीएसटी दरों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में तर्कसंगत बनाने का निर्णय लिया गया। आवश्यक वस्तुओं के मामले में दैनिक घरेलू उपयोग की वस्तुओं की कीमत अब कम होगी।

'हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई से आईं आपदाएं'

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में बाढ़ और बारिश से संबंधित एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बारिश और बाढ़ पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि पहाड़ियों में पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के पानी में पहाड़ियों से बहकर आई बड़ी संख्या में लकड़ियों के लट्ठों के वीडियो का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है। सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न राज्यों में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ पर संज्ञान लिया। मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार, एनडीएमए और अन्य को नोटिस जारी किए हैं।

कोर्ट ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई के कारण आपदाएं आई हैं। कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की, जिसमें पेड़ों की अवैध कटाई को ऐसी आपदाओं का एक प्रमुख कारण बताया गया था। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और पंजाब की सरकारों को भी नोटिस जारी किए।

बच्चों की मौत हादसा नहीं हत्या : राहुल गांधी

एमवाय में 2 दिन में हुई थी 2 बच्चों की मौत, चूहों ने कतरा था

इंदौर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- इंदौर में मध्यप्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से मौत... यह कोई दुर्घटना नहीं, यह सीधी-सीधी हत्या है। यह घटना इतनी भयावह, अमानवीय और असंवेदनशील है कि इसे सुनकर रूह भी कांप जाए। एक मां की गोद से उसका बच्चा छिन गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि सरकार ने अपनी सबसे बुनियादी जिम्मेदारी नहीं निभाई। हेल्थ सेक्टर को जानबूझकर प्राइवेट हाथों में सौंपा गया- जहां इलाज अब सिर्फ अमीरों के लिए रह गया है, और गरीबों के लिए सरकारी अस्पताल अब जीवनदायी नहीं, मौत के अड्डे बन चुके हैं।

सरकार ने गरीबों से स्वास्थ्य का अधिकार छीना :

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- पीएम मोदी और एमपी के मुख्यमंत्री को शर्म से सिर झुका लेना चाहिए। आपकी सरकार ने देश के करोड़ों गरीबों से स्वास्थ्य का अधिकार छीन लिया है। अब मां की गोद से बच्चे तक छिनने लगे हैं। इधर, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरुण राठी इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया और एमवाय अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव समेत अन्य अफसरों के साथ बैठक की।

तरुण राठी ने अस्पताल के पीडियाट्रिक यूनिट का दौरा भी किया। उन्होंने पेस्ट कंट्रोल एजेंसी और कंपनी के दस्तावेज देखें और बारीकी से एक-एक बिंदू की जानकारी ली। इसके साथ ही नवजात के पोस्टमॉर्टम से पहले दिए गए बयान पर भी अनभिज्ञता जताई। पीडियाट्रिक सर्जरी यूनिट के हेड डॉ. बृजेश लाहोटी ने कहा कि चूहे के काटने से बच्चों को इन्फेक्शन नहीं हुआ है। यहां बच्चे क्रिटिकल आते हैं। उधर, कलेक्टर आशीष सिंह और अस्पताल सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव ने बयान दिया है कि जिस बच्चे की मौत बुधवार को हुई, वह देवास की रहने वाली रेहाना का है।

भाजपा चीफ-व्हिप को मार्शलों ने घसीटकर निकाला

> बेहोश हुए, 5 विधायक सस्पेंड > ममता ने सदन में मोदी के विरुद्ध नारे लगाए

कोलकाता, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा विधायक 2 सितंबर को विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के निलंबन का विरोध कर रहे थे। टीएमसी विधायकों ने इन्हें रोकने की कोशिश की। जब विपक्ष के विधायक वेल तक पहुंच गए तो स्पीकर बिमान बनर्जी ने अव्यवस्था फैलाने के आरोप में भाजपा के चीफ व्हिप शंकर घोष को विधानसभा से सस्पेंड कर दिया। घोष के बाहर जाने से इनकार करने पर मार्शलों को बुलाया गया। शंकर घोष को घसीटकर सदन से बाहर निकाला गया। बाहर निकालते समय वो गिरकर बेहोश हो गए, उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। घोष के अलावा चार अन्य भाजपा विधायक अग्निमित्र पॉल, मिहिर गोस्वामी, बंकिम घोष और अशोक डिंडा को भी सदन से निलंबित कर दिया गया है।

वहीं, स्पीच के दौरान सीएम ममता बनर्जी ने मोदी चोर और वोट चोर के नारे लगाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा का तीन दिन का विशेष सत्र 1 सितंबर को शुरू हुआ था। 3 सितंबर को करम पूजा के कारण राजकीय छुट्टी थी। आज सत्र का आखिरी दिन है। बंगाल भाजपा प्रवासियों पर हमलों पर विधानसभा में चर्चा के खिलाफ है, क्योंकि ये घटनाएं भगवा पार्टी शासित राज्यों में हो रही हैं। हम हिंदी या किसी अन्य भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भाजपा बंगाली विरोधी है। भाजपा की तानाशाही और औपनिवेशिक मानसिकता है, वह बंगाल को अपना उपनिवेश बनाना चाहती है। भाजपा ने विदेशी ताकतों के सामने भारत का सम्मान बेच दिया है।

विपक्ष ने फायदा उठाने की कोशिश की, मुद्दा सुलझने पर साध ली चुप्पी : अजित पवार

पुणे, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बृहस्पतिवार को विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के कुछ सदस्यों ने हाल ही में हुए मराठा आरक्षण आंदोलन का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश की, लेकिन सरकार ने मामला सुलझा दिया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उपमुख्यमंत्री पवार पुणे में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

दरअसल, मनोज जरांगे ने 29 अगस्त को मुंबई में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू की थी। सीएम देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने जरांगे की अधिकांश मांगों को मान लिया, जिसके बाद उन्होंने मंगलवार को भूख हड़ताल वापस ले ली। सरकार ने मराठा समुदाय के सदस्यों को उनकी कुनबी विरासत के ऐतिहासिक साक्ष्यों के साथ कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक समिति गठित करने की घोषणा करते हुए एक आदेश भी जारी किया। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि लोगों ने हमें भारी बहुमत देकर सत्ता में बिठाया है। इसलिए हमारा निरंतर प्रयास है कि हम उन्हें सभी लाभ प्रदान करके उनके लिए काम करें। पवार ने कहा कि कभी-कभी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं, लेकिन हम हमेशा उन्हें सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास करते हैं।

भाजपा के बिहार बंद पर राजद अध्यक्ष लालू यादव ने पूछा

पीएम मोदी ने गालीबाजी का आदेश दिया है क्या?

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दरभंगा में राहुल गांधी द्वारा आयोजित वोटर अधिकार यात्रा के मंच से पीएम मोदी की मां पर अशोभनीय टिप्पणी के मामले में एनडीए ने आज बिहार बंद का आह्वान किया था। अब इस मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का बयान सामने आया है। लालू प्रसाद यादव ने कहा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपाइयों को आदेश दिया है कि आज पूरे बिहार और बिहारियों की माताओं-बहनों और बेटियों को गाली दो? गुजराती लोग बिहारियों को इतने हल्के में ना लें? यह बिहार है। बीजेपी के गुंडे-मव्वाली सम्मानित शिक्षिकाओं, राह चलती महिलाओं, छात्राओं, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और पत्रकारों को गालियां दे रहे है, उनके साथ हाथापाई कर दुर्व्यवहार कर रहे है? क्या यह उचित है?

कई जगह विरोध प्रदर्शन :

बिहार बंद के दौरान आज मुजफ्फरपुर में ओबीसी मोर्चा पूर्वी जिलाध्यक्ष कुंदन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का पुतला दहन किया गया। कार्यकर्ताओं ने कल्याणी चौक पर दोनों नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और माफी की मांग पर अड़े रहे। प्रदर्शन के दौरान 'राहुल गांधी मुर्दाबाद, तेजस्वी यादव मुर्दाबाद' के नारे गूंजते रहे।

नागरिक बनने से पहले ही सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट में शामिल?

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली की एक अदालत में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ एक आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। यह मामला भारतीय नागरिकता और वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने से जुड़ा है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक यह शिकायत एक शख्स विकास त्रिपाठी ने राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया के समक्ष लगाई है। इस मामले में अब 10 सितंबर को अगली सुनवाई होगी। विकास त्रिपाठी के वकील का आरोप है कि सोनिया गांधी का नाम भारतीय नागरिक बनने से 3 साल पहले मतदाता सूची में शामिल था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, 1982 में फिर हटा दिया गया।

2023 से पहले बने गाड़ियों के इंजन क्यों हो रहे डैमेज?

पवन खेड़ा ने बताई इथेनॉल के खेल की कहानी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इथेनॉल को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर टारगेट करते हुए कहा कि, उनके मंत्री नितिन गडकरी केंद्र सरकार में नीति बना रहे है, जबकि उनके बेटे इसी से पैसा बना रहे है।

गुरुवार को कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पर निशाना साधा हैं। खेड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा कि, एक तरफ पिता नितिन गडकरी केंद्र सरकार में बैठकर इथेनॉल को लेकर नीति बना रहे हैं। जबकि दूसरी तरफ उनका बेटे इसी नीति का फायदा उठाकर पैसा कमा रहे है। साल 2018 में नितिन गडकरी ने वादा किया था कि 5 इथेनॉल उत्पादक सेंटर तैयार किए जाएंगे। लेकिन, ये सेंटर तैयार नहीं हो पाए। खेड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के दोनों बेटों की कंपनियां इथेनॉल प्रोड्यूस करती हैं। बेटे निखिल गडकरी की कंपनी सियान एग्रो का जून 2024 में रेवेन्यू 18 करोड़ था। जो जून, 2025 में बढ़कर 523 करोड़ हो गया। इनकी शेयर की कीमत जनवरी 2025 में 37.45 पैसे थे। अभी 368 रुपये है। खेड़ा ने कहा कि, पिछले 11 साल के इतिहास में कोई भी स्कीम समय से पूरी नहीं हुई। लेकिन इथेनॉल से जुड़ी स्कीम 2025 की समयसीमा से पहले पूरी हो गई है। हमने समय सीमा से पहले 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण हासिल कर लिया है। आज एक लीटर इथेनॉल बनाने में 3000 लीटर पानी खर्च होता है। इस इथेनॉल को तैयार करने में पर्यावरण को भी भारी नुकसान हो रहा है। नीति आयोग ने भी कहा कि इथेनॉल के चलते गाड़ियों की माइलेज की गिरावट हुई है। 2023 से पहले जितने भी इंजन बने हैं, वो इथेनॉल के साथ मेल नहीं खाते हैं। इससे इंजन डैमेज हो रहे, लोगों की कमाई बर्बाद हो रही है। प्रवक्ता खेड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा कि, रूस से कच्चा सस्ता तेल आता हैं, फिर वह पीएम मोदी के दोस्त की रिफाइनरी में जाता है।

कविता, शर्मिला, प्रियंका, मीसा भारती... राजनीति में उत्तराधिकारी क्यों नहीं बनी बेटियां

कौन-कौन सगे भाइयों से पिछड़ गईं

राजनीतिक घरानों की बेटियों पर बेटा भारी

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को अपनी बेटी के.कविता को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से निकाल दिया। परिवार के बीच अंदरुनी कलह के बीच केसीआर ने इस फैसले से बेटी के.टी. रामाराव को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बना दिया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब बेटियों को राजनीतिक विरासत से बेदखल होना पड़ा है। कई राजनीतिक घरानों की बेटियां पार्टी के भीतर वर्चस्व की लड़ाई भाइयों से पीछे ही रहीं। अपने कंधों पर पार्टी संभाल चुके पिताओं और माता ने बेटियों के बजाय बेटे पर भरोसा किया। मीसा भारती , प्रियंका गांधी और कोनिमोझी भी इस लिस्ट में शामिल हैं। हालांकि सुप्रिया सुले, अनुप्रिया पटेल, श्रुति चौधरी और आरती राव को अपवाद माना जा सकता है, मगर इन बेटियों का परिवार के भीतर मुकाबले के लिए सगा भाई नहीं था।

कविता से पहले शर्मिला छोड़ चुकी हैं पार्टी

दक्षिण भारतीय के राजनीतिक परिवारों में के.कविता दूसरी ऐसी महिला राजनेता हैं, जिन्हें पिता के विरासत की जंग हारनी पड़ी है। इससे पहले आंध्र प्रदेश में वाई. एस. शर्मिला भी अपने पिता वाई. एस. राजशेखर रेड्डी का उत्तराधिकारी नहीं बन सकी और उन्हें कांग्रेस में शामिल होना पड़ा। जगन मोहन रेड्डी अपने पिता की विरासत के निर्विवाद उत्तराधिकारी बन गए। माना जाता है कि महाराष्ट्र में शरद पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले को एनसीपी का उत्तराधिकारी बनाया। इस घरेलू विवाद के बाद परिवार में फूट हुई और भतीजे अजित पवार ने बगावत कर दी।

मीसा से 13 साल छोटे तेजस्वी लालू के वारिस

उत्तर भारत के राजनीतिक परिवारों में भाई-बहन में वर्चस्व की लड़ाई खुलकर नहीं हुई।

धीमे स्वर में दावा करने वाली बहनों को सांसद, विधायक या पार्टी में पद से संतोष करना पड़ा। मीसा भारती और कोनिमोझी सांसद हैं, मगर उन्होंने कभी पार्टी के सर्वोच्च पद के लिए मुंह नहीं खोला। शिक्षा, राजनीतिक अनुभव और उम्र तीनों लिहाज से मीसा भारती ज्यादा योग्य मानी जाती हैं, मगर लालू यादव ने वारिस के तौर पर तेजस्वी यादव को चुना। तेजस्वी अपनी बड़ी बहन मीसा भारती से करीब 13-14 साल छोटे हैं। इसी तरह नॉर्थ-ईस्ट के मेघालय में पी ए संगमा के बेटे उनके कॉनराड संगमा और बेटी अगाथा राजनीति में सक्रिय हैं। नेशनल पीपुल्स पार्टी और सीएम पद की जिम्मेदारी कॉनराड संगमा ने संभाल रखी है। अगाथा तुरा लोकसभा क्षेत्र की सांसद हैं।

राहुल गांधी के इमेज बनने तक चुनाव नहीं लड़ीं प्रियंका

प्रियंका गांधी भी खुले तौर से नहीं, मगर वह भी इस पैतृक वारिसनामे का शिकार रही हैं। वह शुरू से ही अपनी मां सोनिया गांधी के साथ स्टार प्रचारक रहीं। राजीव गांधी के निधन के सात साल बाद 1995 में जब पहली बार सोनिया गांधी अमेठी के मंच पर पहुंची थी, तब प्रियंका उनके साथ थीं। मगर उन्होंने 30 साल बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में वायनाड से चुनावी एंट्री की। पिछले दो दशकों में जब-जब कांग्रेस में परिवर्तन का माहौल बना, तब-तब प्रियंका गांधी के नए रोल के कयास लगते रहे। उनमें इंदिरा गांधी की छवि तलाशी जाती रही। इस तीन दशक में राहुल गांधी 2004 में अमेठी से लगातार सांसद चुने जाते रहे। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार के दौरान पार्टी ने उनका कद बढ़ाने की कोशिश की। वह कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष भी बने और अब पार्टी उन्हें प्रधानमंत्री पद का दावेदार बता रही है।

अब नहीं लगेगा प्रियंका लाओ, देश बचाओ का नारा

प्रियंका उस समय राजनीति में लाई गईं, जब पार्टी के नेता और कार्यकर्ता के दिमाग में यह फिट हो गया कि सोनिया गांधी के बाद अब राहुल गांधी ही कांग्रेस के निर्विवाद सर्वेसर्वा हैं। लोगों के बीच प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम रच-बस गया है। अब प्रियंका लाओ, देश बचाओ का नारा देने वाले पार्टी के नेताओं के पास राहुल गांधी के अलावा कोई विकल्प नहीं है। अब प्रियंका गांधी का कांग्रेस में अब वही रोल रहेगा, जो राष्ट्रीय जनता दल में मीसा भारती का और डीएमके में कोनिमोझी का। गांधी परिवार के ब्रैंड गांधी राहुल ही हैं।

पॉलिटिकल फैमिली में भाइयों के बीच होता है विवाद

क्षेत्रीय दल चूंकि परिवार पर आधारित रहे हैं, इसलिए उत्तराधिकार का विवाद इन पार्टियों में ज्यादा होता है। मगर समाजिक ताने-बाने के कारण, यह विवाद भाई-बहन से ज्यादा भाई-भाई के बीच ज्यादा होता है। हरियाणा की देवीलाल, बंसीलाल, भजनलाल की फैमिली हो या बिहार के लालू यादव की राजनीतिक विरासत का झगड़ा, यह भाइयों के बीच रहा है। ऐसे विवाद से बचने के लिए क्षेत्रीय दलों के मुखिया ने अपनी जिंदगी में वारिस चुना है। देवीलाल ने अपने चार बेटों में से ओम प्रकाश चौटाला को गद्दी सौंपी। बंसीलाल के दोनों बेटे सुरेंद्र सिंह और रणबीर सिंह राजनीति में आए। भजनलाल ने छोटे बेटे कुलदीप बिश्नोई पर दांव लगाया, हालांकि बड़े बेटे चंद्रमोहन भी राजनीति में सक्रिय थे। लालू यादव ने डिप्टी सीएम की कुर्सी तेजस्वी यादव को सौंपकर इस विवाद पर लगाम लगाने की कोशिश की।

साउथ इंडिया में बेटे का मोह कम नहीं है

दक्षिण भारत में करुणानिधि के बेटों के बीच विरासत को लेकर विवाद हुआ, मगर उन्होंने पहले ही स्टालिन को बड़ी जिम्मेदारी देकर वारिस चुन लिया। यूपी में अखिलेश यादव ने सीएम पद की शपथ लेकर मुलायम सिंह यादव के राजनीतिक विरासत को संभाला। उनके भाई प्रतीक यादव रेस में शामिल ही नहीं हो सके। कर्नाटक में येदियुरप्पा के दो बेटे हैं, बी. वाई विजयेंद्र और बी. वाई.राघवेंद्र। उत्तराधिकारी के तौर पर विजयेंद्र ही देखे जा रहे हैं। मध्यप्रदेश के सिंधिया परिवार की यशोधरा राजे, वसुंधरा राजे राजनीति में सक्रिय हैं। इसके बाद भी परिवार की राजनीतिक विरासत माधवराव सिंधिया, ज्योतिरादित्य सिंधिया के बाद महाआर्यमन सिंधिया में तलाशी जा रही है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान की अचानक तबीयत बिगड़ी

अरविंद केजरीवाल ने जाना हाल

चंडीगढ़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की आज सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। खराब तबीयत की जानकारी मिलने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल उनका हालचाल जानने उनके घर पहुंचे। मुख्यमंत्री मान पंजाब में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए लगातार प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे थे। सीएम ने मंगलवार को फिरोजपुर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया था। उन्होंने 3 सितंबर को लोगों से पंजाब की मदद की अपील की।

भगवंत मान ने एक्स पर लिखा, "पंजाब हर मुश्किल घड़ी में हमेशा हर किसी के साथ खड़ा रहा है। आज हम सभी को इस प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे पंजाब के साथ खड़े होने की ज़रूरत है। आइए एक-दूसरे का सहारा बनें।" उन्होंने कहा, "बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए चल रहे राहत कार्यों में अपना योगदान दें। आप इसके लिए तस्वीर में दिए गए मुख्यमंत्री राहत कोष के क्यूआर कोड को स्कैन करके या फिर दिए गए बैंक खाते में राशि भेज सकते हैं।

समय कठिन ज़रूर है, लेकिन एक-दूसरे के साथ से यह भी बीत जाएगा।" मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पंजाब बहुत बार गिरा है, पंजाब उठा भी है। हर मुसीबत पंजाब ने झेली है, पंजाब में ऐसा हुआ है तो हम झेल लेंगे। पंजाबी ने तुर्किए में आई आपदा में भी लंगर लगाई है। ट्रॉली, राशन लेकर लोग चल पड़े हैं। लोग मदद कर रहे हैं। पानी काफी आ रहा है।

विस्फोटक फैक्टरी में विस्फोट एक व्यक्ति की मौत, सात घायल

नागपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में गुरुवार आधी रात के बाद एक विस्फोटक फैक्टरी में हुए विस्फोट में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। धमाके के बाद सात अन्य लोगों के घायल होने की खबर मिली है। पुलिस ने बताया कि जिले के बाजारगांव स्थित सोलर एक्सप्लोसिव्स की आरडीएक्स इकाई में रात करीब 12:30 बजे विस्फोट हुआ। हादसे में 25 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर है। राकांपा (सपा) नेता और राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की।

'हम आदिवासी हैं, हिंदू नहीं', मैं यह गर्व से कहता हूं

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का बड़ा बयान

छिंदवाड़ा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक उमंग सिंघार ने छिंदवाड़ा में बड़ा दिया। जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद की बैठक और सम्मान समारोह में सिंघार ने कहा- 'मैं गर्व से कहता हूं कि हम आदिवासी हैं, हिंदू नहीं। यह बात मैं कई साल से कहता आ रहा हूं'। कांग्रेस नेता सिंघार ने आदिवासी समाज की पहचान पर जोर देते हुए पौराणिक कथा का भी हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि जिन शबरी ने भगवान राम को जूठे बेर खिलाए थे, वह भी आदिवासी थीं। जो आदिकाल से इस धरती पर वास कर रहे हैं, वही आदिवासी हैं। आदिवासी समाज को अपनी अलग पहचान स्थापित करने की आवश्यकता है, किसी भी सरकार को उनके मान-सम्मान की रक्षा करनी चाहिए। सिंघार के इस बयान का वीडियो भी सामने आया है जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

कुछ लोग इसे आदिवासी अस्मिता को मजबूती देने वाला बयान बता रहे हैं तो वहीं कुछ इसे राजनीतिक स्टंट बता रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बयान पर कांग्रेस के आदिवासी कार्यकर्ता रामू टेकाम ने कहा कि उमंगजी ने हमारी भावनाओं को आवाज दी है। हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व है। हालांकि, कुछ लोगों ने कहा कि इस तरह के बयान समाज में विभाजन पैदा कर सकते हैं।

पति घर लाता तलाकशुदा महिलाएं, कमरे में करता रेप और पत्नी बनाती एमएमएस

भोपाल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल में पुलिस ने शातिर युवक को गिरफ्तार किया है। युवक पर शादी का झांसा देकर रेप, ब्लैकमेलिंग और पैसे ऐंठने के आरोप लगे हैं। शिकायतकर्ता दो महिलाएं हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी ने एक मैट्रीमोनियल साइट पर खुद को तलाकशुदा बताकर दोनों से अलग-अलग मुलाकात की। उन्हें अपनी पत्नी से मिलवाया, लेकिन बताया कि वो उसकी मां है। फिर कमरे में जाकर संबंध बनाए, जिसके वीडियो आरोपी की पत्नी ने बनाए। बाद में आरोपी ने कहा- मुझे बिजनेस के लिए पैसों की जरूरत है।

महिलाओं ने भी उस पर यकीन करके पैसे दे दिए। जब उन्हें ठगी का अहसास हुआ तो उन्होंने कहा कि हम पुलिस के पास तहरीर देंगीं। मगर दंपति ने उन्हें ये कहकर धमकाया कि अगर किसी को भी कुछ बताया तो तुम्हारे एमएमएस लीक कर देंगे। बिजनेस करने के नाम पर आरोपी ने दोनों महिलाओं से 85 लाख रुपए ऐंठे। एक पीड़िता ने तो सुसाइड की कोशिश की। परिजनों ने उसकी काउंसिलिंग करावाई। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

लापता भाई को तलाश रहीं दो बहनें: 3 हजार से ज्यादा पोस्टर लगाए

जबलपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मेरे भाई! तुम जहां, कहीं भी हो। अगर मेरी आवाज तुम तक पहुंच रही है, तो घर वापस लौट जाओ। हमें तुम्हारी बहुत याद आती है। ये अपील वे दो बहनें कर रही हैं जो इस रक्षाबंधन पर अपने इकलौते भाई को राखी नहीं बांध सकीं। अपने लापता भाई को ढूंढने के लिए दोनों बहनें दिन-रात एक कर रही हैं। यह कहानी जबलपुर के नयागांव में रहने वाले 27 वर्षीय उज्जवल चौधरी की है। उज्जवल 20 जुलाई को अचानक लापता हो गया था। उज्जवल के माता-पिता ने पुलिस में भी रिपोर्ट लिखवाई, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद दोनों बहनों ने अपने भाई को ढूंढने का बीड़ा उठाया और हर जगह उसकी गुमशुदगी के पोस्टर चिपकाना और बांटना शुरू कर दिया। बहन शिवानी और रागनी जबलपुर, नरसिंहपुर, कटनी, मंडला, भोपाल सहित अन्य जिलों में 3 हजार से ज्यादा पोस्टर चिपका चुकी हैं, लेकिन उज्जवल का अब तक कोई पता नहीं चला।

8 साल की बच्ची को मिली एमपी पुलिस की नौकरी

मिलेगी इतनी सैलरी, 15 हजार 113 रुपए वेतन मिलेगा

उज्जैन, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में चौथी कक्षा की छात्रा की पुलिस विभाग में नौकरी लगी है। बच्ची की उम्र अभी महज 8 साल है। दरअसल, बच्ची के पिता की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। वो पुलिस विभाग में नौकरी करते थे। उनकी जगह बेटी ने नौकरी के लिए आवेदन किया था। एसपी ने भी बिटिया का आवेदन महज 25 मिनट में स्वीकार कर लिया। यही नहीं उसे नौकरी का ज्वाइनिंग लेटर भी दे दिया। थाना महाकाल में पदस्थ प्रधान आरक्षक क्रमांक 988 देवेंद्र सिंह रघुवंशी की 17 मई 2025 को हार्ट अटैक आने के कारण अचानक मौत हो गई थी।

प्रधान आरक्षक की मौत के बाद उनका परिवार एसपी प्रदीप शर्मा से मिलने पहुंचा था। उन्होंने प्रधान आरक्षक देवेंद्र सिंह रघुवंशी की 8 वर्षीय बिटिया ईच्छा रघुवंशी को बाल आरक्षक बनाने के लिए आवेदन दिया था। उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने भी आवेदन को महज 25 मिनट में ही स्वीकार करके इच्छा को बाल आरक्षक बना दिया।

जीएसटी स्लैब में हुए बदलाव पर प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं

'अब समय आ गया है कि जीएसटी वास्तव में भारत और भारतीयों के लिए काम करे

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। 3 सितंबर से शुरू हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में बड़े फैसले लिए गए हैं। इस फैसले के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। कहीं विपक्ष इसमें अब भी खामियां निकाल रहे हैं तो वहीं शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस सुधार का स्वागत किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, जीएसटी स्लैब में लंबे समय से लंबित सुधार की मांग अब की जा रही है।

अब समय आ गया है कि जीएसटी वास्तव में भारत और भारतीयों के लिए काम करे। काउंसिल ने 12% और 28% के जीएसटी स्लैब को खत्म कर दिया है और टैक्स सिस्टम को सरल बनाते हुए केवल 5% और 18% के स्लैब को मंजूरी दी गई। वहीं, लग्जरी और सिन गुड्स के लिए 40% का स्पेशल स्लैब भी रखा गया है। इस फैसले से आम लोगों और छोटे कारोबारियों को राहत मिलने की उम्मीद है। यह बदलाव 22 सितंबर से लागू होगा। माना जा रहा है कि अब जीएसटी नियमों का पालन और कारोबार करना आसान होगा। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एएनआई को दिए बयान में कहा कि पहले चार स्लैब (5%, 12%, 18% और 28%) थे, जिससे काफी भ्रम की स्थिति बनती थी। दो स्लैब रखने से न केवल टैक्स संरचना सरल होगी बल्कि आम आदमी, छोटे व्यापारी और एमएसएमई सेक्टर को भी राहत मिलेगी। सरकार का मानना है कि इससे व्यापार करना आसान होगा और उपभोक्ताओं को वस्तुओं की कीमतों में सीधा फायदा मिलेगा। इस फैसले का असर रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं पर पड़ेगा। खाने-पीने और घरेलू सामान की कीमतें कम होने से आम लोगों के बजट पर सकारात्मक असर होगा।

वहीं, लग्जरी सामान और सिन गुड्स पर टैक्स बढ़ने से इनकी खपत पर नियंत्रण की उम्मीद है। कुल मिलाकर, यह बदलाव टैक्स व्यवस्था को आसान बनाने और अर्थव्यवस्था को संतुलित दिशा देने की कोशिश की गई है।

उज्जैन में मंदिर, रतलाम में रेलवे स्टेशन डूबा

भोपाल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में गुरुवार को भी बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इंदौर में लगातार हो रही बारिश की वजह से कान्ह नदी का जलस्तर बढ़ गया है। कृष्णपुरा पुल के पास दो लोग फंस गए थे, जिन्हें नगर निगम और पुलिस की टीम ने रेस्क्यू किया। उज्जैन में क्षिप्रा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे के मंदिर डूब गए हैं।

उनके गुंबद तक पानी आ गया है। प्रशासन ने लोगों को घाटों से दूर रहने की चेतावनी दी है। रतलाम में रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 4 पानी में डूबा है। जनता कॉलोनी, पीएंडटी कॉलोनी, जवाहर नगर समेत कई रिहायशी इलाकों में भी पानी भर गया है। गृहस्थी का सामान डूब गया। पलसोड़ा गांव पूरी तरह पानी में डूबा है। महू के पास कालाकुंड में तेज बहाव से बह रही चोरल नदी में एक युवक ने छलांग लगा दी। नदी के तेज बहाव में उसकी तलाश जारी है।

एससी: पुलिस थानों में सीसीटीवी की कमी की रिपोर्ट पर कोर्ट सख्त

कश्मीरी अलगाववादी नेता की याचिका पर एनआईए को नोटिस

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार इस साल राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुईं। एक अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की उस याचिका पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जवाब मांगा। याचिका में उन्होंने आतंकवाद के वित्तपोषण के एक मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से उन्हें जमानत देने से इनकार करने के आदेश को चुनौती दी है। हालांकि, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने अंतरिम जमानत की मांग करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता बहुत बीमार है। पीठ ने उच्च न्यायालय के इस साल 12 जून के आदेश को चुनौती देने वाली शाह की याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी किया। पीठ ने मामले की सुनवाई दो हफ्ते बाद तय की। हाईकोर्ट ने इस मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था, यह देखते हुए कि उनकी ओर से इसी तरह की गैरकानूनी गतिविधियां करने और गवाहों को प्रभावित करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। शाह को एनआईए ने 4 जून, 2019 को गिरफ्तार किया था। एनआईए ने 2017 में 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिन पर पथराव, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचकर अशांति फैलाने के लिए धन जुटाने और इकट्ठा करने की साजिश रचने का आरोप था। शीर्ष न्यायालय ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। गुरुवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा,'। हम 'पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी' शीर्षक से एक स्वतः संज्ञान जनहित याचिका दर्ज करने का निर्देश दे रहे हैं, क्योंकि ऐसी खबरें आई हैं कि इस साल पिछले सात-आठ महीनों में पुलिस हिरासत में लगभग 11 मौतें हुई हैं।' दिसंबर 2020 में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। इसने कहा था कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक पुलिस स्टेशन, सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं, मुख्य द्वार, लॉक-अप, गलियारों, लॉबी और रिसेप्शन के साथ-साथ लॉक-अप रूम के बाहर के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि कोई भी हिस्सा खुला न रहे।

शौच करने जा रहे बच्चे को पकड़कर पिलाई बीयर मना करने पर पीटा

भुवनेश्वर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने लोगों को हैरान और नाराज कर दिया है। जिले के कुजंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बालपाटा गांव में एक नाबालिग लड़के को दो युवकों ने जबरन शराब पिलाई। शराब नहीं पीने पर आरोपी युवक उसे पीट भी रहे थे। पूरी घटना का वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह घटना उस वक्त हुई जब नाबालिग लड़का अपने गांव के पास खेत में शौच के लिए गया था। तभी कंकरडिया गांव के रहने वाले मनोरंजन सामंतराय उर्फ मनुरी और उसका एक साथी, नाबालिग लड़के को बुलाकर एक सुनसान घर में ले गए, जहां वे दोनों शराब पी रहे थे।

पीड़ित लड़के के पिता जगबन्धु स्वाईं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि आरोपी युवकों ने उनके बेटे को कमरे में बंद करके जबरदस्ती बीयर पिलाई और उसका मजाक उड़ाते रहे। इस घिनौनी हरकत का वीडियो भी बनाया गया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। वीडियो के सामने आने के बाद पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया और लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पोमेरेनियन डॉग जैसा व्यवहार

महिला एसपी पर कर्नाटक बीजेपी विधायक की कैसी टिप्पणी, अब तक हुआ एक्शन?

बेंगलूरू, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में बीजेपी विधायक बीपी हरीश इस समय सुर्खियों में बने हुए हैं। दरअसल, हाल ही में उन्होंने एक कार्यक्रम में एक महिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। इसी को लेकर उनकी आलोचना की जा रही है। विधायक ने महिला एसपी को लेकर कहा, वो दावणगेरे जिले में कांग्रेस नेताओं के पालतू कुत्ते की तरह व्यवहार कर रही हैं। बीजेपी विधायक बीपी हरीश ने बुधवार को दावणगेरे शहर में रिपोर्टर्स गिल्ड की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में आईपीएस अधिकारी उमा प्रशांत को लेकर कहा, मैं एक विधायक हूं, लेकिन जब एसपी मुझे किसी समारोह में देखती हैं, तो मुंह फेर लेती हैं। साथ ही, वो शमनूर परिवार के सदस्यों का गेट पर इंतजार करती हैं और उनके घर के पॉमेरियन कुत्ते की तरह व्यवहार करती हैं। शमनूर परिवार का दावणगेरे क्षेत्र में अच्छा-खासा राजनीतिक दबदबा है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा विधायक हैं, उनके बेटे एसएस मल्लिकार्जुन सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार में खान, भूविज्ञान और बागवानी मंत्री हैं, उनकी बहू प्रभा मल्लिकार्जुन सांसद हैं। हालांकि, बीजेपी विधायक की तरफ से महिला एसपी के लिए की गई टिप्पणी के बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

पंजाब यूनिवर्सिटी में चुनाव के बाद बवाल

हॉस्टल के बाहर आपस में भिड़े दो गुटों में जमकर हुई पत्थरबाजी

चंडीगढ़, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव सम्पन्न होने के बाद रात यूनिवर्सिटी का माहौल अचानक बिगड़ गया। बताया जा रहा है कि स्वामी विवेकानंद हाल (बॉयज हॉस्टल नंबर-7) के बाहर सड़क पर दो छात्र गुट आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और मामला पत्थरबाजी तक पहुंच गया। अचानक हुई पत्थरबाज़ी से सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों और आसपास मौजूद छात्रों में दहशत फैल गई। इस झड़प में कई गाड़ियों के शीशे टूट गए और सड़क पर चारों ओर हंगामा मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस की भारी फोर्स मौके पर पहुंची और दोनों गुटों को तितर-बितर किया। पुलिस ने स्थिति पर काबू पाने के लिए कई युवकों को हिरासत में लिया। फिलहाल माहौल को देखते हुए यूनिवर्सिटी परिसर और हॉस्टल के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि देर रात हुई इस घटना की जाँच की जा रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 5 सितंबर, 2025 3

सुविचार: प्रेम के आँसू दुःख नहीं पहुँचाते, वे तो मोती बन जाते हैं

जीएसटी स्लैब को सरल बनाना ऐतिहासिक निर्णय : रामचंदर राव

> मोदी सरकार एक राष्ट्र-एक कर, एक राष्ट्र-एक कानून जैसे सुधार लेकर आई है

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने प्रदेश कार्यालय में मीडिया सम्मेलन में कहा कि नई दिल्ली में आयोजित 56 वीं वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक में, देश भर के आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग और युवाओं को सीधी आर्थिक राहत प्रदान करने के लिए जीएसटी स्लैब को सरल बनाकर ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद ने देश भर के करोड़ों लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए जीएसटी कर में कमी करके ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं।

12% और 28% कर स्लैब को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। 12% स्लैब के समाप्त होने से, उस दायरे में आने वाली कई आवश्यक वस्तुएँ अब 5% स्लैब में आ जाएँगी। कुछ अन्य वस्तुओं पर जीएसटी प्रतिशत शून्य कर दिया गया है। राव ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व वाली नरेंद्र मोदी सरकार जीएसटी दरों में कमी करके आम आदमी, किसानों, छात्रों, मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं को सीधी आर्थिक राहत प्रदान कर रही है। यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। भाजपा की तेलंगाना राज्य इकाई, विनायक चतुर्थी, बतुकम्मा और दशहरा के त्योहारों के दौरान गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए आवश्यक वस्तुओं पर करों में कटौती के मोदी सरकार के फैसले का स्वागत करती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करती है। जीएसटी दरों में कमी और आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं को सीधे लाभ पहुँचाने वाले सुधार लाए गए हैं। मोदी सरकार एक राष्ट्र-एक कर, एक राष्ट्र-एक कानून जैसे सुधार लेकर आई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अब तक लागू ब्रिटिश कानूनों की जगह नए कानून लेकर आई है। ब्रिटिश काल में भारत में विभिन्न कर लगाए जाते थे और गरीबों पर बोझ डाला जाता था। मोदी सरकार एक राष्ट्र-एक कर लेकर आई है। जीएसटी के माध्यम से, केवल वैट और उत्पाद शुल्क जैसे मामलों को राज्य सरकारों के अधीन छोड़ दिया गया है और पूरे देश में एक सरल कर प्रणाली लागू की गई है। वे भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के निमंत्रण पर मोजमजही बाज़ार में जुलूस में शामिल होंगे और कुछ विकास कार्यक्रमों का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ करेंगे। भारत अमेरिका और रूस जैसे देशों पर निर्भर रहने वाला देश नहीं है। दुनिया भले ही अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से डरती हो, लेकिन भारत ने मेड इन इंडिया और मेक इन इंडिया की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए जीएसटी की दरों में कमी की है। इसका सीधा लाभ गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को हुआ है।

पुलिस आयुक्त ने गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर दिए कई निर्देश

सीपी ने सुरक्षा और आकस्मिक योजनाओं की समीक्षा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस की

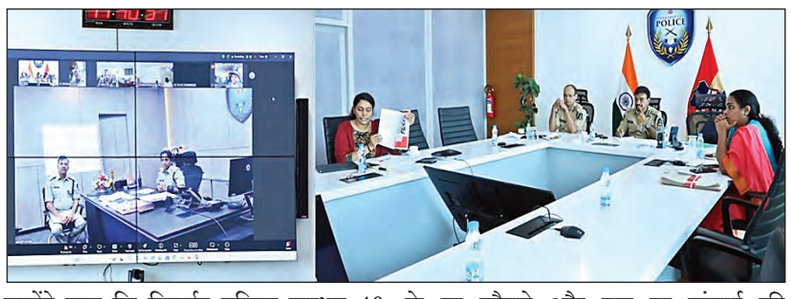

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश प्रतिमा विसर्जन और मिलाद-उन-नबी उत्सव समारोह के लिए, हैदराबाद के पुलिस महानिदेशक एवं आयुक्त सी.वी. आनंद, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध पी. विश्वप्रसाद, संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात डी. जोएल डेविस, डीसीपी विशेष शाखा के. अपूर्वा राव, डीसीपी आईटी सेल पुष्पा और अन्य क्षेत्रीय पुलिस उपायुक्तों सहित अन्य अधिकारियों ने सुरक्षा और आकस्मिक योजनाओं की समीक्षा के लिए एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की।

सम्मेलन में बोलते हुए सी.वी. आनंद ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए योजनाएं बनाई गई हैं कि 4 सितंबर (मिलाद-उन-नबी) की रात के समारोह और गणेश प्रतिमाओं की आवाजाही में कोई समस्या न आए। उन्होंने कहा कि पैगंबर मुहम्मद का जन्मदिन 5 तारीख (शुक्रवार)को पड़ता है, इसलिए विसर्जन की अंतिम समय में व्यवस्था की जाएगी। मुख्य गणेश विसर्जन 6 तारीख को होगा, जिसमें खैरताबाद गणेश प्रतिमा की आवाजाही और विसर्जन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। केंद्रीय मंत्री एमजे मार्केट में एक रैली में भाग ले रहे हैं, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विसर्जन प्रक्रिया लगभग 40 घंटे तक चलने की उम्मीद है और सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं। ब्लू कोल्ट्स और गश्ती दलों को पूरे हैदराबाद में निगरानी बढ़ाने का आदेश दिया गया है। विसर्जन जुलूस के दौरान, बशीर बाग और एमजे मार्केट जैसे प्रमुख चौराहों पर यातायात प्रबंधन को मजबूत किया जाएगा।

पुलिस ने मंडप आयोजकों से बिना किसी देरी के अपनी मूर्तियों का विसर्जन करने को कहा है और अधिकारियों को उन्हें सभी आवश्यक रसद सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। पुलिस के बीच किसी भी तरह की संवादहीनता को रोकने के लिए उन्हें अतिरिक्त वीएचएफ सेट उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया है। अधिकारियों को जुलूस मार्ग के हर चौराहे और पुल पर ऊंचाई की जानकारी वाले बैनर लगाने और जुलूस में शामिल प्रत्येक वाहन के चालकों के बारे में जानकारी एकत्र करने का भी निर्देश दिया गया है। पुलिस अधिकारियों को जीएचएमसी अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए कहा गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जुलूस मार्ग में कोई बाधा न आए। उन्हें यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि स्वागत मंच पूरी तरह से सड़क पर न लगें और जुलूस में बाधा न डालें। अंत में, उन्हें यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि मूर्तियां रास्ते में तारों या पेड़ों की शाखाओं के कारण फंस न जाएं। और अन्य जोनल डीसीपी ने भी इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में वर्चुअल रूप से भाग लिया।

सीएम रेवंत रेड्डी के दौरे से पहले बीआरएस नेताओं को नजरबंद

कामारेड्डी के बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे को लेकर पुलिस ने बरती सतर्कता

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे से पहले पुलिस ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को नजरबंद कर दिया। जिन नेताओं को नजरबंद किया गया है, उनमें गम्पा गोवर्धन और पूर्व विधायक जजुला सुरेंद्र भी शामिल हैं। कई मंडल स्तर के नेताओं को भी घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई। पुलिस का कहना है कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किसी भी अनहोनी या विरोध की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। वहीं, बीआरएस नेताओं ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि कामारेड्डी जिले में बाढ़ आए एक हफ्ते से ज्यादा समय हो गया है और मुख्यमंत्री अब जाकर दौरा कर रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री ने सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी और अन्य मंत्रियों के साथ हवाई सर्वेक्षण किया था, लेकिन खराब मौसम और बारिश के कारण वे जमीनी स्तर पर बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा नहीं कर पाए थे।

रिटेनिंग वॉल और नया पुल अब भी अधर में

बाढ़ग्रस्त इलाकों के निवासियों की बढ़ी परेशानी

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल ज़िला मुख्यालय के निचले इलाकों को हर साल होने वाली बाढ़ से राहत दिलाने के लिए प्रस्तावित रिटेनिंग वॉल और नया पुल अब भी कागजों से बाहर नहीं निकल पाए हैं।

एनटीआर नगर, एलआईसी कॉलोनी, बालाजी नगर और ओल्ड मंचेरियल जैसे इलाकों में भारी बारिश के दौरान रल्लावागु और गोदावरी का बैकवॉटर घुस जाता है, जिससे लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हो जाते हैं।

नलगोंडा में नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 22 साल की सजा

अदालत ने लगाया जुर्माना और पीड़िता को 10 लाख मुआवजे का आदेश

नलगोंडा, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के धोनीपामुल गांव में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अदालत ने एक आरोपी को दोषी करार देते हुए 22 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 35,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। साथ ही, अदालत ने पीड़िता के पुनर्वास और स्वास्थ्य लाभ के लिए 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत अतिरिक्त दो वर्ष के कारावास की सजा भी सुनाई गई है। यह मामला 2018 में दर्ज हुआ था। जांच चंदूर पुलिस ने की और पर्याप्त सबूत जुटाने के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया, जिसके आधार पर यह सजा सुनाई गई।

7 सितंबर को आसमान में दिखेगा 'ब्लड मून'

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस सप्ताहांत शहरवासी एक अद्भुत खगोलीय नज़ारे के गवाह बनेंगे। 7 सितंबर की रात आसमान में 'ब्लड मून' दिखाई देगा, जब पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान चांद गहरे लाल रंग का हो जाएगा। यह दृश्य शौकिया खगोलविदों और आम जनता के लिए एक खास अवसर लेकर आ रहा है। जानकारी के अनुसार, ग्रहण रविवार रात 8:58 बजे शुरू होगा और सोमवार सुबह 2:25 बजे तक चलेगा। इस दौरान चांद का रंग धीरे-धीरे चांदी जैसे सफेद से बदलकर लाल-नारंगी हो जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार पूर्ण चंद्रग्रहण पूरे भारत से साफ तौर पर दिखाई देगा। 'ब्लड मून' का चरण करीब 80 मिनट तक चलेगा, बशर्ते आसमान साफ और मौसम अनुकूल रहे। पहले कई लोग आंशिक ग्रहण के कारण ऐसे नज़ारे देखने से वंचित रह जाते थे, लेकिन इस बार यह घटना पूरे देश के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी।

कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध

मंत्री ने कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक चेक और नए राशन कार्ड का वितरण किया

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने संगारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र में कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक और नए राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

मंत्री ने कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत, संगारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र के संगारेड्डी (15), सदाशिव पेटा (75), कोंडापुर (17) और कंडी (6) मंडलों के कुल 113 लाभार्थियों और शादी मुबारक योजना के अंतर्गत (46), सदाशिव पेटा (64), कोंडापुर (9), कंडी (4) मंडलों के कुल 123 लाभार्थियों को चेक वितरित किए। कार्यक्रम में विधायक प्रभाकर, मेडक के सांसद शेट्टाकर, सांसद संजीव रेड्डी और अन्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, गरीबों को ऋण सहायता, अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति निगमों के माध्यम से सब्सिडी प्रदान करने और ब्याज मुक्त ऋण जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीबों के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि अब तक ज़िले में लगभग 39 हज़ार नए राशन कार्ड जारी किए जा चुके हैं और 68 हज़ार से ज़्यादा आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लोगों को लाभ मिले, इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने संगारेड्डी के मुख्य केंद्र में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना और 500 बिस्तरों वाले एक नए अस्पताल की आधारशिला रखने जैसे विकास कार्यों की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि गरीबों को आवास आवंटन में भी जल्द ही तेज़ी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा गरीबों के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने संगारेड्डी जिला मुख्यालय में 23.75 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक और 186 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक मेडिकल कॉलेज एवं छात्रावास का उद्घाटन किया। उन्होंने 273.4 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 500 बिस्तरों की क्षमता वाले नए भवन की आधारशिला भी रखी। बाद में, कॉलेज सभागार में मेडिकल कॉलेज के छात्रों के साथ बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में विधायक प्रभाकर, डॉ. संजीव रेड्डी, माणिक राव, सांसद रघुनंदन राव, सुरेश शेतकर, स्वास्थ्य सचिव डॉ. क्रिस्टीना, चिकित्सा अधिकारी और छात्र शामिल हुए।

हैदराबाद में महिला की जान सुपारी के टुकड़े से अटकी

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक 57 वर्षीय महिला की जिंदगी सुपारी का एक छोटा सा टुकड़ा निगलने से खतरे में पड़ गई थी। लेकिन, कामिनेनी अस्पताल के डॉक्टरों ने समय रहते सफल इलाज कर उनकी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, महिला ने मुंह में सुपारी का टुकड़ा रखा और सो गई। इसी दौरान सुपारी गलती से श्वासनली में चली गई, जिससे उन्हें तेज खांसी, सांस लेने में दिक्कत और असहनीय तकलीफ होने लगी। परिजनों ने उन्हें तुरंत एलबी नगर स्थित कामिनेनी अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में भर्ती कराया। वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ.ई. रविंदर रेड्डी और डॉ. भरत जनपति ने बताया कि महिला को गंभीर श्वसन संकट था और सांस लेने में असमर्थ होने पर उन्हें आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया।

जांच में सामने आया कि बाएं फेफड़े में पूरी तरह से रुकावट हो चुकी थी, जिससे वह सिकुड़ गया था। डॉक्टरों ने एनेस्थीसिया टीम की मदद से ब्रोंकोस्कोपी कर कसकर फंसे हुए सुपारी के टुकड़े को बाहर निकाला। महिला का उच्च रक्तचाप, थायरॉइड और एंजियो प्लास्टी का इतिहास होने के कारण यह प्रक्रिया और भी चुनौतीपूर्ण थी। फिलहाल, इलाज के बाद महिला की स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

नलगोंडा जिला मत्स्य अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

एसीबी ने 20,000 रुपये लेते पकड़ा, अदालत में पेश

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को नलगोंडा जिला मत्स्य अधिकारी एम. चरिथा रेड्डी को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी अधिकारी ने एक मत्स्य सहकारी समिति में नए सदस्यों को शामिल करने की मंजूरी देने के लिए एक व्यक्ति से यह रकम मांगी थी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने जाल बिछाया और अधिकारी को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। गिरफ्तार चरिथा रेड्डी को हैदराबाद की एक अदालत में पेश किया गया। फिलहाल, मामले की आगे की जांच जारी है।

हैदराबाद के फतेहनगर डिवीजन में आल्वेन सोसाइटी गणेश यूथ एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में टीपीसीसी प्रोटोकॉल सचिव सूरज तिवारी ने के. राजू जी, डिवीजन वर्किंग प्रेसिडेंट एम. रामू, के. क्रांति के साथ श्री गणेश की विशेष पूजा अर्चना की।

मेदक सांसद ने सड़क ऊपरी पुल के निर्माण की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक सांसद एम. रघुनंदन राव ने गुरुवार को वाडियारम और मसाईपेट रेलवे स्टेशनों के बीच चेगुंटा में लेवल क्रॉसिंग संख्या 228 के स्थान पर सड़क ऊपरी पुल (आरओबी) और सीमित ऊंचाई वाले सबवे (एलएचएस) के निर्माण की आधारशिला रखी। हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, रघुनंदन राव ने प्रसन्नता व्यक्त की कि चेगुंटा के लोगों का लंबे समय से संजोया हुआ सपना पूरा हो गया है। उन्होंने चेगुंटा में सड़क ऊपरी पुल और एलएचएस के निर्माण को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को 48.77 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है और इसका पूरा खर्च रेलवे द्वारा वहन किया जाएगा। माननीय सांसद ने रेलवे अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे सड़क यात्रियों की सुविधा के लिए परियोजना को समय पर पूरा करें। इसके अलावा, सांसद ने कार्यस्थल पर आने-जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए चेगुंटा में रायलसीमा और देवगिरी एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव का अनुरोध किया। उन्होंने चेगुंटा रेलवे स्टेशन पर दूसरे प्लेटफार्म के निर्माण का भी अनुरोध किया। सांसद ने वाडियारम रेलवे स्टेशन पर यात्री आरक्षण काउंटर स्थापित करने की माँग रखी, जिसके लिए हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ने आरक्षण काउंटर सुविधा स्थापित करने का आश्वासन दिया है, जिससे रेल यात्रियों को लाभ होगा। इससे पहले, हैदराबाद के मंडल रेल प्रबंधक, संतोष कुमार वर्मा ने स्वागत भाषण दिया और परियोजना के विवरण से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि स्थान और यातायात के महत्व को ध्यान में रखते हुए, समपार संख्या 228 के स्थान पर सड़क ऊपरी पुल और बाईं ओर के ऊपरी स्तर (एलएचएस) के निर्माण की परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिससे वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी और सड़क यात्रियों की सुरक्षा में वृद्धि होगी। उन्होंने आगे कहा कि इससे सड़क यातायात की गति भी तेज होगी और ट्रेन संचालन की गति क्षमता और दक्षता में और वृद्धि होगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Prem Gogoi, Mother of JC 772409K, Sub, Bhargob Jyoti Gogoi, R/o, Dist: Sivasagar, Assam, changed my name from Prem Gogoi to Premolata Gogoi vide Affidavit dt 03.09.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, Shubhangi S Patil, W/o, Hav, Patil Sadashiv Vishnu, R/o, Kolhapur Dist, Maharashtra, changed my name from Shubhangi S Patil to Shubhangi Sadashiv Patil, vide Affidavit dt 04.09.2025.

I, SURISETTY KIRAN R/O: HOUSE NO.7-23,GATTUVARIPALLI, 81 UPPARAPALLI SOMALA, NANAJAMPETA @ CHANDAMBYLU, SOMALA, CHITTOOR, ANDHRA PRADESH – 517257, have changed my Daughter's name from SURISETTY NITYASREE to SURISETTY NITHYASREE vide Affidavit dt.04-09-2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं. : CAT-PnU-00054

लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-VSKP-Toi-35-24-1 (Pay and Use - Toilets)

विवरण : विशाखपट्टणम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-1 पर सामान्य श्रेणी प्रतीक्षालय।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 10.09.2025 को 1100 बजे

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 10.09.2025 को 1130 बजे

ट्रिप/दिन: 1096, न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति: हाफ्ट कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-556/Q/25-26

केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान

संतोषनगर, सैदाबाद, हैदराबाद-500059

विज्ञापन सं. 16/2025/एफएएसएल

साक्षात्कार के माध्यम से दि.16-09-2025 के 10.00 बजे, सीनियर रीसर्च फेलो (1 पद) के अस्थायी पद को भरा जा रहा है। अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

प्रशासकीय अधिकारी

केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान

संतोषनगर, सैदाबाद, हैदराबाद-500059

विज्ञापन सं. 17/2025/एफएएसएल

साक्षात्कार के माध्यम से दि.16-09-2025 के 10.00 बजे, रीसर्च एसोसिएट (2 पद) तथा यंग प्रोफेशनल-।। (1 पद) के अस्थायी पदों को भरा जा रहा है। अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

प्रशासकीय अधिकारी

अखिल दुबे की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने लगाई रोक

प्रयागराज, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कानपुर नगर निवासी अखिल दुबे की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और याचिका की अगली सुनवाई की तिथि 14अक्टूबर नियत की है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा तथा न्यायमूर्ति पी के श्रीवास्तव की खंडपीठ ने दिया है। सहायक पुलिस कमिश्नर आशुतोष कुमार ने अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल के मार्फत कहा कि इस याची को विवेचना अधिकारी के समक्ष पेश होने की जरूरत नहीं है।

वह एफआईआर में भी नामित नहीं है तो कोर्ट ने राहत दी है। याची क्रमांक एक डा। अखिलेश दुबे के खिलाफ सात अगस्त 2025 को किदवई नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है और उसकी गिरफ्तारी हो चुकी है। याचिका में दर्ज एफआईआर रद करने व याचियों की गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई है। याची दो अखिल दुबे एफआईआर में नामित नहीं है,फिर भी पुलिस बुला रही है। वर्ष 2021 की घटना को लेकर 2025 में एफआईआर दर्ज की गई है।

चिड़ियाघर में बढ़ी लकड़बग्घों की संख्या

गोरखपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में वन्यजीवों की संख्या और विविधता बढ़ाने की दिशा में प्रयास तेज हो गए हैं। बर्ड फ्लू की घटना के बाद जहां सुरक्षा और निगरानी पर जोर दिया गया, वहीं अब चिड़ियाघर में नए वन्यजीव लाकर आकर्षण बढ़ाने की तैयारी चल रही है। इसी क्रम में कानपुर चिड़ियाघर से लकड़बग्घों (हायना) की एक जोड़ी गोरखपुर लाई गई है। चिड़ियाघर में पहले से एक लकड़बग्घा मौजूद था। नई जोड़ी के आने से अब इनकी संख्या तीन हो गई है। कानपुर से विशेष टीम द्वारा लाए गए इन हायनाओं को क्वारंटीन में रखा गया है। निर्धारित समय पूरा होने के बाद इन्हें दर्शकों के लिए बाड़े में छोड़ा जाएगा। चिड़ियाघर प्रशासन के मुताबिक, वन्यजीवों की विविधता बढ़ाने की यह पहल पर्यावरणीय संतुलन के साथ-साथ शोध और संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

पति ने गोली मारकर की पत्नी की हत्या

गोरखपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में पति ने बीच बाजार अपनी पत्नी को गोली मार दी। खून से लथपथ हालत में पत्नी को लोगों ने प्राइवेट हॉस्पिटल में पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पति हेलमेट में पिस्टल रख लाया था। पत्नी को गोली मारने के बाद पति करीब 25 मिनट तक वहीं खड़ा रहा। इस बीच वह कहता रहा- मैं इससे बहुत परेशान हो गया था। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया। वारदात शाहपुर इलाके जेल रोड की है।

स्टेशन पर गाड़ी का इंतजार कर रही महिला से गैंगरेप

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। फतुहा रेलवे स्टेशन के पास गाड़ी का इंतजार कर रही महिला पर पिस्टल तान सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधियों ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए छोड़ दिया। घटना रात साढ़े 11 बजे की है। पीड़िता ने फतुहा थाने की गश्ती पुलिस को आपबीती बताई। पीड़िता की निशानदेही पर पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान फतुहा रेलवे कालोनी निवासी सोनू कुमार उर्फ सोनू सन्नाटा और फतुहा के दोस्त मोहम्मदपुर निवासी निरंजन के रूप में हुई।

सड़क हादसे में 5 कारोबारियों की मौत

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पटना में सड़क हादसे में 5 कारोबारियों की मौत हुई है। 1 बजे कारोबारियों की कार चलते ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसा परसा बाजार थाना के महोली फ्लाई ओवर के नीचे हुआ है। हादसा इतना भीषण था कि कार ट्रक के अंदर घुस गई। ट्रक के ड्राइवर को इसका पता भी नहीं चला। वह कार को घसीटते हुए 25 मीटर तक दूर तक चला गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। गैस कटर से कार को काटकर सभी शवों को निकाला गया। मरने वालों में गोपालपुर के 50 साल के राजेश कुमार, 38 साल के संजय कुमार, सिपारा के 38 साल के कमल किशोर, 35 साल के प्रकाश चौरसिया और मुजफ्फरपुर के 30 साल के सुनील कुमार शामिल हैं।

बरेली में 3 साल की बच्ची का अपहरण

बरेली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में रेलवे स्टेशन से लापता 3 साल की बच्ची को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। बच्ची का अपहरण करने वाले दंपती गिरफ्तार हुए हैं। इस दौरान आरोपी महिला फूट-फूटकर रोने लगी। वह जमीन पर बैठ गई। पुलिसकर्मियों ने उसे जबरन जीप में बिठाया और जेल भेज दिया। दरअसल, हरिद्वार का एक युवक अपनी पत्नी और बच्ची के साथ बरेली दवा लेने आया था। रेलवे स्टेशन पर दोनों को छोड़कर पत्नी चली गई। थोड़ी देर बाद युवक को नींद आ गई। वो सो गया। जब जागा तो बच्ची गायब थी। उसने आसपास तलाश की, तो कुछ नहीं पता चला। इसकी शिकायत जीआरपी में की। जीआरपी ने स्टेशन का सीसीटीवी चेक किया। उसमें एक महिला बच्ची को गोद में लेकर जाती दिखी। सीओ जीआरपी अनिल कुमार वर्मा ने 5 टीमों का गठन किया। सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज की मदद से बच्ची ने बरामद कर लिया। अपहरण करने वाले दंपती को पकड़ लिया।

पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी मामले में फिर एफआईआर

बिहारशरीफ कोर्ट में राहुल-तेजस्वी सहित 100 पर केस दर्ज

नालंदा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा जिले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और उनके 100 से अधिक समर्थकों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है। यह केस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां पर कथित तौर पर विवादित और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में बिहारशरीफ कोर्ट में दायर किया गया है। अधिवक्ता रामकिशोर प्रसाद ने यह मामला दर्ज कराया है, जिस पर सुनवाई की अगली तारीख 09 सितंबर तय की गई है।

अधिवक्ता रामकिशोर प्रसाद का आरोप है कि यह घटना 27 अगस्त को उस समय हुई जब 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल राहुल गांधी, प्रियंका गांधी,

तेजस्वी यादव और अन्य विपक्षी नेताओं का काफिला सिमरी थाना क्षेत्र के बिठौली चौक से गुजर रहा था। आरोप के अनुसार, वहां एक होटल पर बनाए गए मंच से प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। इस घटना के बाद से ही राजनीतिक गलियारों में हलचल मची हुई है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने इस टिप्पणी को लेकर कड़ा विरोध जताया है और इसे देश की सभी माताओं का अपमान करार दिया है।

राजग के नेताओं ने इस मुद्दे पर जमकर बयानबाजी की है और जनता से इस तरह की भाषा का विरोध करने की अपील भी की है। वहीं, दूसरी ओर, विपक्षी दल इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बता रहे हैं। उनका कहना है कि यह मामला उन्हें आगामी चुनावों से पहले बदनाम करने की कोशिश है। हालांकि, इस मामले के दर्ज होने के बाद राजनीतिक माहौल और भी गरम हो गया है।

अधिवक्ता रामकिशोर प्रसाद ने अपनी याचिका में कहा है कि इस तरह की टिप्पणी से न केवल प्रधानमंत्री के पद की गरिमा को ठेस पहुंची है, बल्कि उनकी मां का भी अपमान हुआ है, जो भारतीय संस्कृति में एक पूजनीय स्थान रखती हैं। इस मामले में पुलिस ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, और सबकी निगाहें 09 सितंबर को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं,

शहर के नजदीक पहुंचा तेंदुआ

लोगों ने वीडियो बनाकर किया वायरल, वन विभाग की टीम अलर्ट

सीतापुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सीतापुर जिले के रामकोट थाना क्षेत्र के लोधौरा गांव में रात एक तेंदुआ ग्रामीणों के कैमरे में कैद हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार तेंदुआ धनईखेड़ा सहित आसपास के कई गांव में विचरण कर रहा है। लोधौरा स्थित मुनींद्र अवस्थी के मिल के पास वाले बाग में तेंदुआ देखा गया है।

ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाकर वीडियो बनाया। काफी देर तक तेंदुआ इस क्षेत्र में घूमता रहा। शहर के पास तेंदुए की आमद से वन विभाग अलर्ट हुआ है। टीम काम्बिंग के लिए जा रही है।

ऑनर किलिंग: दिव्यांग भाई ने की बहन की हत्या

हरदोई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हरदोई में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। परिवार की मर्जी के खिलाफ अंतर्जातीय लव मैरिज करने पर दिव्यांग भाई ने अपनी 24 वर्षीय बहन की कनपटी पर सटाकर गोली मारकर हत्या कर दी। गोली उसके भेजे को पार कर गई। हत्या के बाद आरोपी और उसकी मां ने मिलकर इसे सुसाइड बनाने का प्रयास किया।

हत्या में इस्तेमाल किए गए तमंचे को पीड़िता के दायें हाथ में थमा दिया। पर पुलिस ने पाया कि गोली युवती की कनपटी के बायें हिस्से में लगी थी। घटना रविवार सुबह 7 बजे की है। पूछताछ के दौरान पता चला कि भाई, अपनी बहन के अंतर्जातीय प्रेम विवाह से काफी नाराज था। मृतका के पति ने भी परिवार के खिलाफ ऑनर किलिंग की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

युवती ने 7 जनवरी 2025 को ही अपने प्रेमी से आर्य समाज मंदिर में प्रेम विवाह किया था। उसका पति बरेली के राजकीय इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य पद पर तैनात है। लड़की ब्राह्मण और लड़का कुर्मी समाज का है।

क्या प्रिया सरोज और रागिनी सोनकर में छिड़ गई है सियासी लड़ाई

अंदरखाने का मामला समझ लीजिए

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की दो युवा महिला नेता रागिनी सोनकर (मछलीशहर की विधायक) और प्रिया सरोज (मछलीशहर की सांसद) अभी सुर्खियों में हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि दोनों ने हाल में अलग-अलग इंटरव्यू में एक-दूसरे के क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। इन बयानों के बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या इनके बीच वास्तव में कोई राजनीतिक विवाद है या यह केवल बयानबाजी भर है। हालांकि दोनों ने अपने इंटरव्यू में स्पष्ट कहा है कि पार्टी का फैसला सर्वोपरि रहेगा और जनता का विश्वास प्राथमिकता होगी। प्रिया सरोज ने अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि मछलीशहर से जनता की सेवा करने की बात दोहराई है, वहीं रागिनी सोनकर ने भी क्षेत्र के प्रति नजदीकी और पार्टी की इच्छा को अहम बताया है।

श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में बिना मान्यता के दाखिले और लाठीचार्ज प्रकरण को लेकर आखिरकार प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। विश्वविद्यालय के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। यह कार्रवाई उच्च शिक्षा परिषद के अपर सचिव डॉ. दिनेश कुमार की तहरीर पर की गई। आरोप है कि विश्वविद्यालय ने पिछले तीन वर्षों में बिना मान्यता के एलएलबी और बीबीए जैसे विधि पाठ्यक्रमों में छात्रों का प्रवेश लिया। वर्ष 2025-26 के लिए छात्रों का पंजीकरण भी नियमावली के विपरीत पाया गया। इतना ही नहीं, 2023-24 और 2024-25 सत्र में प्रवेश लेकर परीक्षाएं भी कराई गईं।

सीएम योगी ने फरियाद सुन अधिकारियों को दिए निर्देश

बोले- हर पात्र को दिलाएं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

गोरखपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। जरूरतमंदों के इलाज से लेकर आवास तक की व्यवस्था के लिए सरकार की योजनाओं का लाभ बड़े पैमाने पर दिया जा रहा है। पर, किन्हीं कारणों से यदि कोई व्यक्ति इन योजनाओं के दायरे में अभी नहीं आ पाया हो तो उसे भी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रभावी कार्यवाही की जाए। सीएम योगी ने ये

निर्देश गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने उसके आवास निर्माण के दौरान कुछ लोगों द्वारा लिंटर डालने में बाधा उत्पन्न करने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की मदद की जाए और यदि कोई विधि विरुद्ध बाधा है कर रहा हो तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसी तरह जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो।

हाथ-पैर ठंडे पड़ गये हैं, और चेहरे 'पीले'

ओपी राजभर के घर हमले पर बोले अखिलेश यादव

लखनऊ, 4 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने बीजेपी को 'बेवफा' करार देते हुए कहा कि यह पार्टी अपने सहयोगियों के साथ भी वफादारी नहीं निभाती। यह बयान तब आया जब बीजेपी की छात्र इकाई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के लखनऊ स्थित घर के बाहर प्रदर्शन किया। राजभर ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं को 'गुंडा' कह दिया था, जिसके बाद यह हंगामा शुरू हुआ। हाल ही में ओम प्रकाश राजभर ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं को 'गुंडा' कहकर निशाना साधा था। उन्होंने यह बयान श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में लॉ कोर्स की मान्यता को लेकर हुए विरोध के बाद दिया था। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन किया था, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। एबीवीपी का आरोप है कि राजभर ने इस लाठीचार्ज का समर्थन किया और उन्हें अपमानित किया। नाराज कार्यकर्ताओं ने लखनऊ के हजरतगंज इलाके में राजभर के घर के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पथराव किया और राजभर का पुतला भी जलाया। अखिलेश यादव ने इस घटना को लेकर बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा, 'बीजेपी किसी की सगी नहीं। कल तक इसकी अपनी 'परिषद' और 'वाहिनी' आपस में लड़ रही थीं, और अब यह अपने तथाकथित सहयोगियों के घरों पर प्रदर्शन करवा रही है।' उन्होंने एक ट्वीट में बीजेपी पर 'बांटने वाली सोच' का आरोप लगाया और कहा कि यह पार्टी पहले अपने संगठनों में फूट डालती है और फिर अपने सहयोगियों को ठगती है। अखिलेश ने बिना एसबीएसपी का नाम लिए तंज कसा, 'बीजेपी ने अपने तथाकथित सहयोगियों को ऐसी बदहाली में डाल दिया है कि वे अपने ही समाज में मुंह दिखाने लायक नहीं रहे।'

'उनका चेहरा पीला पड़ गया है'

अखिलेश ने राजभर पर तंज कसते हुए आगे कहा, 'उनकी सियासी ज़िंदगी बर्बाद हो चुकी है। उनके हाथ-पैर ठंडे पड़ गए हैं और चेहरा 'पीला' पड़ गया है।' अखिलेश का इशारा पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की तरफ था क्योंकि वे पीले रंग का गमछा पहनते हैं और उनका झंडा भी पीले रंग का है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के 'पैसे के भूखे' सहयोगी अब समझ रहे हैं कि यह पार्टी उनकी आर्थिक हालत तो सुधार सकती है, लेकिन इज्जत कभी नहीं देगी। अखिलेश ने आरोप लगाया, 'बीजेपी की रणनीति है कि पहले इस्तेमाल करो और फिर फेंक दो।'

अपने समाज तक सिमित नहीं रहना चाहते सन आफ मल्लाह

मुकेश सहनी ने बताया अगड़ी जातियों से दुखी होने का कारण

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी आजकल अगड़ी जातियों से नाराज चल रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी पार्टी को लोग एक जाति की पार्टी मान कर अलग-थलग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब वो केवल अपने समाज तक सीमित रहना नहीं चाहते हैं। वो अपनी पार्टी में समाज के हर वर्ग के लोगों की भागीदारी और हिस्सेदारी सुनिश्चित करना चाहते हैं, लेकिन अगड़ी जाति के लोग उनके साथ काम करना चाहते हैं।

पटना में पत्रकारों से बात करते हुए वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने कहा, " अगर अगड़ी और पिछड़ी जातियों के लोग लड़ते हैं तो वोटों का नुकसान होगा। हमें जीत सुनिश्चित करना है, तो ऐसी अवस्था में जहां जिस घटक दल के नेता की तैयारी पहले से है, उस आधार पर हम सहमत हो जाते हैं और टिकट बांटने पर फैसला लिया जाता है।" मुकेश सहनी ने कहा कि इस चुनाव में वे केवल अपने समाज के लोगों को विधायकी का टिकट नहीं देंगे,

क्योंकि वे अभी सक्षम नहीं हैं। पहले छोटे स्तर पर चुनाव लड़वाएंगे, उसके बाद धीरे-धीरे बड़े स्तर पर आएंगे। मुकेश सहनी निषाद समाज से आते हैं, जो कि बिहार में गरीब-दलित वर्गों में गिने जाते हैं। वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की रणनीति का खुलासा किया। मुकेश सहनी का ये भी कहना है कि अगर वे सिर्फ अपनी ही जाति को टिकट देंगे, तो उन पर जातिवाद का आरोप लगेगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, "हमारे जनसंख्या के आधार पर हमारे लोगों को टिकट दिया जाएगा। अति पिछड़ा वर्ग को हम लोग 37% टिकट देंगे।" उम्मीदवारी के सवाल पर उन्होंने ये नहीं बताया कि वे खुद किस सीट से चुनाव लड़ेंगे,

38 जिलों में आठ सितंबर तक बारिश के आसार

पटना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में मानसून थोड़ा कमजोर जरूर पड़ गया है लेकिन सभी जिलों में बारिश के आसार आज से लेकर आठ सितंबर तक हैं। उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य, उत्तर-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम बिहार, दक्षिण-मध्य, दक्षिण-पूर्व बिहार में एक या दो स्थानों पर बारिश के आसार हैं। पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद समेत पूरे बिहार में बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है।

इधर, लगातार बारिश के कारण गंगा और कोसी उफान पर है। नेपाल में हुई लगातार भारी बारिश का असर बिहार की कोसी नदी पर साफ दिखने लगा है। जलग्रहण क्षेत्रों में मूसलधार बारिश के बाद रविवार शाम से कोसी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा। नेपाल प्रभाग के बराहक्षेत्र से भी पानी का डिस्चार्ज लगातार बढ़ता घटता रहा। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, खगड़िया के डुमरी और बलतारा, भागलपुर के विजय घाट पुल और कटिहार के कुरसेला में कोसी का बहाव पहले ही खतरे के निशान को पार कर चुका है। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य की तैयारी तेज कर दी है।

छह जिलों में 22 लाख से ज्यादा डुप्लीकेट वोटर, एआई ने पकड़े

कानपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला सुर्खियों में है। इस बीच उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से कराई गई जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। बुंदेलखंड और कानपुर के आसपास के जिलों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के डुप्लीकेट नाम पाए गए हैं।

इसमें सबसे ज्यादा 13 लाख डुप्लीकेट नाम हरदोई में हैं। सिर्फ छह जिलों में 20 लाख से ज्यादा डुप्लीकेट वोटर हैं। बांदा में डुप्लीकेट मतदाताओं की संख्या एक लाख से ज्यादा बताई जा रही है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से भेजी गई सूची में इनके नामों का खुलासा हुआ है। जिला निर्वाचन अधिकारियों के आदेश पर डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची सत्यापन कराने के लिए बीएलओ को सौंप दी गई है। अब बीएलओ घर-घर जाकर इन मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और नई मतदाता सूची तैयार करेंगे। यह सूची एआई की मदद से तैयार की गई है।

फर्जी कॉल सेंटर, मुंह छिपाते रहे 32 लड़के-लड़कियां पुलिस ने एक घंटे तक फर्श पर बैठाए रखा

वाराणसी, 4 सितंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा गया है। 32 युवक-युवतियों को हिरासत में लिया गया है। गुरुवार रात 12 बजे पुलिस की 5 गाड़ियां पहुंचीं तो हड़कंप मच गया। आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। पुलिस ने कॉल सेंटर को घेर लिया। अंदर गई तो नजारा ही अलग था। पूरे हॉल में युवक और युवतियां कॉलिंग में जुटे थे। पुलिस ने सभी से कॉल काटने को कहा, फिर सभी को कंप्यूटर से दूर हटाकर एक जगह इकट्ठा किया। करीब एक घंटे तक फर्श पर बैठाए रखा। इस दौरान सभी रुमाल और हाथ में मुंह छिपाए नजर आए। पुलिस जांच में सामने आया कि साइबर ठगी के लिए कॉल सेंटर का इस्तेमाल हो रहा था। लोगों को निवेश, लोन, पार्सल और विभिन्न स्कीम के जरिए ठगा जाता था।

विदेश तक लोगों को फेक कॉल किए जा रहे थे। कई लोगों के अकाउंट डिटेल भी मिले हैं। विदेश तक के खातों में रुपयों का ट्रांसफर किया गया। कॉल सेंटर रोहनियां थाना क्षेत्र के अखरी में है। पुलिस हवाला से जुड़े इस सेंटर का नेटवर्क खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक, 35 से अधिक डेस्कटॉप, लैपटॉप और मोबाइल बरामद हुए हैं। शहर के रहने वाले कॉल सेंटर के दो मैनेजरों के इशारे पर ठगी का काम चल रहा था। पुलिस दोनों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

तीन मुस्लिम पति और एक लिव-इन पार्टनर

फिर हिंदू दूल्हे से कर ली शादी, सुहागरात के दो दिन बाद शातिर दुल्हन का ऐसे खुला राज

मथुरा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में पुलिस ने शातिर दुल्हन को गिरफ्तार किया है। इस दुल्हन पर धोखाधड़ी का आरोप लगा है। इसने तीन मुस्लिम पतियों को निकाह के बाद छोड़ दिया। फिर लिव-इन रिलेशन में एक युवक के साथ रहने लगी। इस दौरान उसने एक हिंदू युवक से भी शादी कर ली। वो भी अपनी सच्चाई छिपाकर। मगर सुहागरात के दो दिन बाद जब वो अचानक गायब हो गई तो पति उसे ढूंढने लगा। फिर उसे दुल्हन के राज का पता चला। मामला मांट थानाक्षेत्र के एक गांव का है।

यहां ढकू गांव में रहने वाले वीरेंद्र की शादी नहीं हो रही थी। तब गांव की ही एक महिला सुखवीर और प्रवीण ने वीरेंद्र के परिजनों से कहा- हमारी नजर में एक युवती है। वो वीरेंद्र से शादी कर लेगी। मगर परिवार गरीब है, इसलिए उन्हें दो लाख रुपये देने होंगे। फिर उन्होंने एक युवती से वीरेंद्र की मुलाकात करवाई। दुल्हन बोली- इसके बाद मैं अलीगढ़ के भुजपुरा निवासी जावेद संग रिलेशन में आई। हम दोनों लिव-रिलेशन में रहते हैं। हमने पैसों की खातिर वीरेंद्र को फंसाया। दो लाख रुपये लेकर मैं वापस जावेद के पास आ गई थी। मगर पकड़ी गई। पुलिस ने आरोपी महिला और जावेद को गिरफ्तार कर लिया है। इनके बाकी के साथियों की तलाश जारी है। साथ ही लूट का सारा सामान भी बरामद कर लिया गया है। फिलहाल आरोपियों के खिलाफ आगामी कार्रवाई जारी है।

नौ साल से फरार नक्सली को एसएसबी ने किया गिरफ्तार

कर्मा पर्व मनाने आया था घर

जमुई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। चरकापत्थर थाना क्षेत्र में पुलिस और एसएसबी को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई में 9 साल से फरार चल रहा कुख्यात नक्सली बुध्दन सोरेन दबोच लिया गया। बुध्दन सोरेन के खिलाफ चरकापत्थर थाना में कांड संख्या 108/16 दर्ज है। वर्ष 2016 में उसने अपने गिरोह के साथ मिलकर चरैया-नैनीपत्थर सड़क निर्माण कार्य को रोक दिया था और मौके पर खड़े जेसीबी व ट्रैक्टर में आगजनी की थी। घटना के बाद से ही वह लगातार फरारी काट रहा था। पुलिस के अनुसार, सोरेन नक्सली सरगना चिराग दा का दाहिना हाथ रह चुका है। एसएसबी को सूचना मिली कि फरार नक्सली अपने घर चरकापत्थर थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव में कर्मा पर्व मनाने आएगा।

इसी आधार पर 16वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट अनिल कुमार पठानिया के निर्देश पर कंपनी कमांडर राजीव नयन कुमार और थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। सर्च अभियान के दौरान संदिग्ध को हिरासत में लिया गया और पूछताछ में उसकी पहचान बुध्दन सोरेन के रूप में हुई। बाद में उसे चरकापत्थर कैंप लाकर पूछताछ के बाद स्थानीय थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

पीएम मोदी को गाली देने वाले मामले पर

एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान, बिहार चुनाव में मिलेगा जवाब

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 'देश की मां का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगा। पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करना गलत है' एकनाथ शिंदे ने कहा, भारत संस्कृति प्रधान देश है। राहुल गांधी ने हमारे पीएम के खिलाफ भला-बुरा बोला, लेकिन पीएम मोदी ने कभी उसका जिक्र नहीं किया।

पीएम मोदी देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करते हैं। उनका 2047 तक विकसित भारत पर फोकस है। वे देश की अर्थव्यवस्था को तीसरे नंबर पर लाने में जुटे हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा कि 2014 से पहले हर मीडिया में सिर्फ घोटाले की खबरें आती थीं। चारा घोटाला, 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला और कोलगेट घोटाला हुआ। 2014 के बाद विपक्ष को मोदी सरकार पर करप्शन का आरोप लगाने की हिम्मत नहीं है, क्योंकि विपक्ष 'करप्शन फर्स्ट' की नीति पर चलता है और पीएम मोदी 'नेशन फर्स्ट' नीति पर चलते हैं।

उन्होंने कहा कि देश और देश के बाहर जाकर ऐसे बेदाग प्रधानमंत्री पर बार-बार आरोप लगाना, ये भारत नहीं पाकिस्तान का प्रेम है। डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि पीएम मोदी के मां का संबंध किसी राजनीति नहीं है और मोदी पर उनका आशीर्वाद था। उन्होंने कभी नहीं जताया कि उनका बेटा प्रधानमंत्री है। पीएम मोदी ने एक दिन भी छुट्टी नहीं ली, उनके खिलाफ आरोप लगाना गलत है और देश की जनता इसका करारा जवाब देगी। बिहार की जनता भी आने वाले विधानसभा चुनाव में ऐसे लोगों को मुंहतोड़ जवाब देगी।

विपक्ष की ओर से वोट चोरी के मुद्दे को लेकर डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि जब ये लोग जीत जाते हैं, तो ईवीएम ठीक है और हार जाते हैं, तो वोट चोरी का आरोप लगाते हैं। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वे अनाप-शनाप बोलते हैं। महाराष्ट्र की जनता ने विधानसभा चुनाव में उनको करारा जवाब दिया है और अब बिहार की जनता भी मुंहतोड़ जवाब देगी।

भारी बारिश से 6 एनएच सहित 1286 सड़कें बंद

शिमला, 4 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा से अभी राहत मिलने के आसार नहीं हैं। मौसम विशेषज्ञों की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार आज नौ जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है। कंगड़ा, ऊना व हमीरपुर को छोड़ बाकी जिलों में भारी वर्षा का आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कल कुछ एक स्थान पर बारिश होगी। शनिवार को बारिश से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा के कारण भारी तबाही हो रही है। जगह-जगह भू-स्खलन और जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। भारी वर्षा और जल भराव के कारण फसलों का नुकसान हुआ है। सड़कों के बंद होने के कारण लदानी सेब नहीं खरीद रहे हैं जिसका कारण भेजने में दिक्कत आ रही है।

लगातार हो रही वर्षा से वीरवार सुबह तक 1286 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं, इनमें 6 राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-03, एनएच-05, एनएच - 21, एनएच-205, एनएच-505 और एनएच-305 शामिल हैं। सबसे ज्यादा सड़कें मंडी (293), कुल्लू (225) और शिमला (216) जिलों में बंद हैं। उधर भारी वर्षा और सडकों के बंद होने के कारण शिक्षण संस्थानों को बंद किया गया है।

पौंग डैम से छोड़ा जाएगा और पानी

उधर, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) ने पौंग डैम से पानी की निकासी बढ़ाने का फैसला किया है। अब डैम से एक लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा, जबकि पहले 80 हजार क्यूसेक छोड़ा जा रहा था। कांगड़ा जिले में फतेहपुर, इंदौरा और देहरा उपमंडल प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। निचले इलाकों के लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है।

एकतरफा मोहब्बत में हुई ऐसी जलन

सब्जी बेचने वाले सनकी आशिक ने युवती को मार दी गोली

अहमदाबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। एकतरफा इश्क में कभी-कभी ऐसा लोग ऐसा कुछ कर बैठते हैं, जो उन्हें सलाखों के पीछे भेज देता है। गुजरात के अहमदाबाद से ऐसा ही एक मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में अरबाज खान ने एकतरफा मोहब्बत में 20 साल की युवती को गोली मार दी। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि युवती की शादी कहीं और तय हो गई थी। जब से युवक ने युवती की सगाई की खबर सुनी थी वो तभी से गुस्से में था। युवक ने 28000 रुपये की पिस्टल खरीदी। फिर भिंड से अहमदाबाद आया। यहां उसने युवती को गोली मार दी। युवती का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। नारोल पुलिस ने उस पर हत्या की कोशिश, घर में जबरन घुसने और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

आप विधायक अरोड़ा कोर्ट में पेश:करप्शन केस के बाद अब जबरन वसूली की एफआईआर, 3 दिन का मिला रिमांड

जालंधर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में आम आदमी पार्टी के विधायक रमन अरोड़ा करप्शन केस की साजिश में जेल में बंद थे। उन्हें हाईकोर्ट से रेगुलर बेल मिल गई, लेकिन अब विधायक अरोड़ा पर थाना रामा मंडी की पुलिस ने जबरन वसूली की धाराएं लगाई हैं। अरोड़ा को आज कोर्ट में पेश किया गया और 3 दिनों का पुलिस को मिला है। इस केस में पीड़ित ने आरोप लगाया कि विधायक ने डरा-धमका कर उनसे वसूली की थी। बता दें कि विधायक अरोड़ा की थाना रामा मंडी में अच्छी पकड़ रही है। अरोड़ा के जेल जाने के बाद पार्टी ने सेंट्रल हल्के का इंचार्ज उद्योगपति नितिन कोहली को लगाया था, जिसके बाद चर्चा थी कि सेंट्रल हलके में उप-चुनाव हो सकते है लेकिन अरोड़ा ने अपने विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया था। इसके बाद अब अगस्त महीने के आखिर में विधायक के खिलाफ नई शिकायत आने पर पुलिस ने जांच दौरान मामला दर्ज कर दिया है। विधायक अरोड़ा नाभा जेल में बंद थे। आज विधायक अरोड़ा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट में पेश किया गया है। पुलिस ने पूछताछ की दलीलें देकर अरोड़ा का 3 दिन का रिमांड अदालत से हासिल किया है। विधायक रमन अरोड़ा के वकील नवीन चड्ढा ने कहा कि 23 अगस्त को 253 नंबर एफआईआर दर्ज की गई है। हमने पिछले केस में कल हाईकोर्ट से जमानत ले ली थी। अब रमेश नाम के ठेकेदार की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। रमेश ने आरोप लगाया है कि वह विधायक अरोड़ा को 30 हजार रुपए देता रहा। यदि अरोड़ा ने पैसे लिए है तो उसी समय शिकायतकर्ता रमेश पुलिस को शिकायत देता। ये ठेकेदार पार्किंग ठेकेदारी का काम करता है। अरोड़ा जेल से बाहर ना आ सके इस कारण उन पर इस तरह के केस दर्ज किए जा रहे है। बता दें कि आज एटीपी को विजिलेंस ने 14 मई को पकड़ा था, जबकि विधायक को 23 मई को उनके अशोक नगर घर से गिरफ्तार किया था। अरोड़ा के खुलासे के बाद साजिश में उनके बेटे राजन अरोड़ा, समधी राजू मदान, हरप्रीत कौर और मखीजा को आरोपी बनाया था।

ओबीसी कार्यकर्ताओं और फडणवीस सरकार में बनी बात

आश्वासन के बाद नागपुर में खत्म हुआ आंदोलन

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में आरक्षण को लेकर घमासान मचा हुआ है। मनोज जरांगे के आंदोलन से तो सरकार जूझ ही रही थी कि उसी बीच ओबीसी आरक्षण को लेकर भी संग्राम शुरू हो गया था। हालांकि नागपुर में छह दिनों से जारी ओबीसी समुदाय का आंदोलन आखिरकार गुरुवार को समाप्त हो गया। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि मराठा आरक्षण को लेकर लिए गए फैसले से ओबीसी आरक्षण पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

ओबीसी कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करने के लिए राज्य के ओबीसी कल्याण मंत्री अतुल सावे खुद आंदोलन स्थल पहुंचे और कहा कि ओबीसी कोटे को बिल्कुल भी नहीं छुएगा। अतुल सावे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्रियों की ओर से प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि सरकार ओबीसी समुदाय के मौजूदा आरक्षण की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सरकार ने मराठा आरक्षण पर सहमति बना ली है और यह फैसला ओबीसी कोटे को प्रभावित किए बिना लागू किया जाएगा। राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ ने 30 अगस्त को नागपुर के संविधान चौक पर भूख हड़ताल शुरू की थी। यह आंदोलन तब शुरू हुआ जब मराठा आरक्षण की मांग को लेकर कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन उपवास शुरू किया। सरकार ने जरांगे की कई मांगें मान लीं, जिसमें योग्य मराठाओं को कुंभी जाति का प्रमाणपत्र जारी करना भी शामिल है। ओबीसी संगठन मराठा समुदाय को ओबीसी श्रेणी में शामिल करने का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि सभी मराठाओं को एक साथ कुंभी प्रमाणपत्र देना उचित नहीं होगा। महासंघ ने सरकार के सामने 14 मांगें रखी थीं, जिनमें मराठाओं की ओबीसी में एंट्री रोकना और बिना ऐतिहासिक सबूत के कुंभी प्रमाणपत्र न देना प्रमुख था।

मंत्री सावे ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि उनकी 14 में से 12 मांगें सरकार मानने के लिए तैयार है। बाकी दो मुद्दों पर अगले हफ्ते मुंबई में होने वाली बैठक में चर्चा होगी। उन्होंने यह भी बताया कि ओबीसी उद्यमियों को आर्थिक मदद दिलाने के लिए बैंकों से सीआईबीआईएल स्कोर में राहत की बात होगी और गारंटर की संख्या दो से घटाकर एक कर दी गई है।

मोदी सरकार का दिवाली गिफ्ट, जानें क्या बोलीं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के द्वारा गुड्स एंड सर्विस टैक्स काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद बीते दिन यानी बुधवार को जीएसटी से जुड़े कई बड़े बदलाव सामने आए। जिसके बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जीएसटी को लेकर कहा कि मैं प्रधानमंत्री का धन्यवाद करना चाहती हूं, उन्होंने देश के आम नागरिक को बहुत बड़ा तोहफा दिया है। इतनी बड़ी राहत जिससे न सिर्फ आम आदमी को फायदा होगा बल्कि कई क्षेत्रों में दी गई राहत के लिए जनता प्रधानमंत्री का धन्यवाद करती है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी में किए गए बदलाव, जैसे दो स्लैब (5% और 18%) और आवश्यक वस्तुओं पर शून्य कर, आम नागरिकों, स्वास्थ्य, बीमा, इलेक्ट्रॉनिक्स, शिक्षा और व्यवसायों के लिए बड़ी राहत लाएंगे। यह कदम छोटे और बड़े व्यवसायों को स्थिरता प्रदान करेगा और एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

बाथरूम में घुसी महिला नहीं निकली बाहर

गेट तोड़ा तो परिजनों के उड़ गए होश

इंदौर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के खुड़ैल क्षेत्र में एक महिला ने आत्महत्या कर ली। महिला की शादी को सिर्फ दस महीने हुए थे और अब उसने खौफनाक कदम उठा लिया। शादी के बाद महिला अपने ससुराल में रहने इंदौर आई थी। आरोप है कि ससुराल वाले उसे ताने मारते थे, प्रताड़ित करते थे। भाई और भाभी से बात भी नहीं करने देते थे। पति भी आए दिन उससे विवाद करता था। इस सब से परेशान होकर नवविवाहिता कोमल शुक्ला ने फांसी लगा ली। कोमल शुक्ला के परिजनों का आरोप है कि पति बीरबल मिश्रा और जेठ उनकी बेटी को लगातार परेशान करते थे। उसने इस बात का जिक्र कई बार अपनी भाभी से कॉल पर बात करते हुए किया था।

इस पर उसके भाई ने कोमल के पति और जेठ से बात कर उसे परेशान नहीं करने का आग्रह किया था। इसके बाद भी उन्होंने कोमल को प्रताड़ित करना जारी रखा। भाई ने बताया कि कोमल की आत्महत्या की खबर भी उन्हें देर से दी गई। सुबह करीब 5 बजे कोमल ने फांसी लगाई थी, लेकिन हमें इसकी जानकारी सुबह 11 बजे कॉल कर दी गई। इसके बाद लखनऊ से भाई और अन्य रिश्तेदार इंदौर पहुंचे।

कुत्ते ने भौंका तो भड़क उठा शख्स, बाइक के पीछे बांधा और बेरहमी से घसीटा

नासिक, 4 सितंबर (एजेंसियां)। देश के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त आवारा कुत्तों को लेकर विवाद मचा हुआ है। कहीं पर आवारा कुत्ते लोगों को दौड़ाते और काटते हुए दिखाई देते हैं तो वहीं, कई बार आम लोग भी कुत्तों पर जुल्म ढ़ाते नजर आते हैं। ऐसा ही एक दर्दनाक मामला महाराष्ट्र के नासिक से सामने आया है। एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक शख्स अपनी बाइक से एक कुत्ते को बांधकर घसीटता नजर आ रहा है। आइए जानते हैं इस पूरी घटना के बारे में। दरअसल, कुत्ते के साथ बेरहमी की ये परेशान करने वाली घटना महाराष्ट्र के नासिक जिले के सतपुर इलाके से सामने आई है। वायरल हो रहे एक वीडियो में एक शख्स कुत्ते को बाइक से बांधकर घसीटता नजर आ रहा है। जानकारी के मुताबिक, शख्स कुत्ते के भौंकने पर नाराज था। इस कारण उसने ये कदम उठाया। जब इस पूरी घटना का परेशान करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो इसके बाद पशु प्रेमियों ने इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई।

दो से तीन लाख रुपए देने होंगे

बालाघाट डीएफओ ने कांग्रेस विधायक पर लगाए आरोप, मची खलबली

बालाघाट, 4 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में वन विभाग की डीएफओ नेहा श्रीवास्तव और कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे के बीच रिश्वत के आरोपों ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। डीएफओ ने इसे लेकर वन विभाग को पत्र लिखा है। इसके बाद जांच बिठा दी गई है। बालाघाट की डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) नेहा श्रीवास्तव ने कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। डीएफओ ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) को लिखे पत्र में दावा किया कि 16 अगस्त को विधायक ने उन्हें वन विश्राम गृह में बुलाकर 2 से 3 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। मना करने पर विधायक ने कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और उन्हें जिले से हटवाने की धमकी दी। डीएफओ के मुताबिक, यह घटना वन विश्राम गृह के बरामदे में हुई, जहां अन्य विभागीय कर्मचारी भी मौजूद थे। नेहा श्रीवास्तव ने अपने पत्र में यह भी कहा कि विधायक ने बालाघाट के सभी भारतीय वन सेवा (भारतीय विदेश सेवा) अधिकारियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं। साथ ही, उन्होंने विधायक पर सरकारी काम में बाधा डालने और जबरदस्ती करने का आरोप लगाया। यह शिकायत अब वन विभाग के गलियारों में चर्चा का विषय बन चुकी है। कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे डीएफओ की 'हल्की मानसिकता' का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह सब डीएफओ के पति अधर गुप्ता, जो दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट में पदस्थ हैं को बचाने की साजिश है। विधायक के अनुसार, लालबर्रा के सोनेवानी में एक मादा बाघ की मौत के मामले में अधर गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए थी। मुंजारे ने डीएफओ पर पलटवार करते हुए कहा कि यह पूरा विवाद बाघ की मौत के मामले से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

उन्होंने चेतावनी दी कि वह इन 'बेबुनियाद' आरोपों के खिलाफ मानहानि का दावा करेंगी और जरूरत पड़ी तो आमरण अनशन पर बैठेंगी। इस विवाद ने मध्यप्रदेश के वन विभाग को त्वरित कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया है। सरकार ने मामले की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसमें अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कमलिका मोहन्ता (1997 बैच) और वन संरक्षक अंजना सुचिता तिर्की (2010 बैच) शामिल हैं। समिति को दो सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। यह जांच इस मामले की सच्चाई को उजागर करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

'इतनी हिम्मत तुम्हारी?' महिला आईपीएस अधिकारी और अजित पवार के बीच तीखी बहस

सोलापुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सोलापुर में करमाला की महिला आईपीएस अधिकारी डीएसपी अंजली कृष्णा और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच फोन और वीडियो कॉल पर गरमागरम बहस हो गई। दरअसल, माढा तालुका के कुर्डू गांव में सड़क निर्माण के लिए अवैध मुरुम उत्खनन की शिकायत पर डीएसपी अंजली कृष्णा कार्रवाई करने पहुंची थीं। मौके पर गांव वालों और अधिकारी के बीच बहस छिड़ गई। इसी दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता बाबा जगताप ने सीधे उप मुख्यमंत्री अजित पवार को फोन लगाया और वह कॉल डीएसपी अंजली कृष्णा को थमा दिया।

फोन पर अजित पवार ने खुद को 'डीसीएम अजित पवार' बताते हुए कार्रवाई रोकने का आदेश दिया, लेकिन अधिकारी ने उन्हें पहचानने से इनकार कर दिया और कहा कि वह सीधे उनके फोन पर कॉल करें। इस पर अजित पवार नाराज़ हो गए और बोले– "तुम पर कार्रवाई करूंगा, इतनी हिम्मत है तुम्हारी? मेरा चेहरा तो पहचानोगी ना!" इसके बाद अजित पवार ने सीधा वीडियो कॉल किया। वीडियो कॉल के दौरान अजित पवार ने अधिकारी को कार्रवाई रोकने और तहसीलदार से बात करने का निर्देश दिया। यह पूरा घटनाक्रम करीब 3.00 घंटे तक चला और अब दोनों के बीच की बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ग्रामस्थों का कहना था कि उत्खनन ग्राम पंचायत की अनुमति से हो रहा था, लेकिन कोई आधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं किया जा सका। ऐसे में महिला आईपीएस अधिकारी ने कार्रवाई शुरू कर दी थी। बताया जा रहा है कि कार्यकर्ताओं ने अजित पवार को फोन लगाकर ही यह टकराव खड़ा कर दिया।

फिलहाल, इस मामले में पुलिस के पास कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। वहीं, इस घटना पर डीएसपी अंजली कृष्णा, तहसीलदार और प्रांताधिकारी ने कोई बयान नहीं दिया है और केवल इतना कहा है कि मामले की जांच की जा रही है।

"पानी में गए पैसे" डाकघर में घुसा पानी, नकदी-बचत प्रमाणपत्र और दस्तावेज सब भीगकर बर्बाद

भुवनेश्वर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पानी में पैसे जाने की कहावत आज ओडिशा के बालेश्वर के लोगों के लिए एक कड़वी सच्चाई बनकर सामने आई, जब लगातार हो रही भारी बारिश के कारण शहर के डाकघर मुख्यालय में पानी घुस गया और वहां रखे हजारों रुपये नकद और निवेश से जुड़े दस्तावेज भीगकर खराब हो गए। डाकघर जैसी संस्था, जिसे आमतौर पर सबसे सुरक्षित माना जाता है, वहां इस तरह की लापरवाही और संकट ने लोगों को चौंका दिया है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को हुई मूसलधार बारिश के बाद शहर के कई हिस्से

जलमग्न हो गए। सबसे अधिक नुकसान डाक अधीक्षक कार्यालय को हुआ, जहां पानी घुसने से नकदी से लेकर बचत प्रमाणपत्र और निवेश रजिस्टर तक सब कुछ पानी में भीग गया। कर्मचारियों को खुले में गीले नोट और दस्तावेज सुखाते देखा गया। यह एक ऐसा दृश्य था जो किसी सरकारी तंत्र की असफलता को उजागर करता है। बताया जा रहा है कि बारिश मंगलवार रात से ही शुरू हो गई थी और बुधवार दोपहर तक शहर की अधिकांश सड़कें और सरकारी कार्यालय जलभराव की चपेट में आ गए थे। लेकिन डाकघर जैसे अहम स्थान पर पानी का घुस जाना, यह सवाल उठाता है कि आखिर प्रशासन ने भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद कोई ठोस तैयारी क्यों नहीं की? जानकारी के अनुसार, सबसे ज्यादा नुकसान उन दस्तावेजों को हुआ है जो जमीन के पास रखे गए थे। कई निवेशकों ने चिंता जताई है कि उनके बचत खाते, मनी ऑर्डर, पेंशन योजनाओं से जुड़े दस्तावेज़ और जमा धन की स्थायी हानि न हो जाए। फिलहाल, कर्मचारी अपने स्तर पर नुकसान को संभालने की कोशिश कर रहे हैं और क्षतिग्रस्त फाइलों को सुखाकर सुरक्षित करने का प्रयास जारी है। यह पहली बार नहीं है जब बालेश्वर शहर बारिश में डूबा है। हर साल इसी तरह जलभराव होता है, क्योंकि नालियों की समय पर सफाई नहीं होती और अवैध निर्माण जल निकासी के रास्ते रोक देते हैं। इस बार इस लापरवाही की कीमत आम जनता को अपने पैसों और भरोसे से चुकानी पड़ रही है। हालांकि, डाकघर प्रशासन ने लोगों को आश्वासन दिया है कि सभी दस्तावेजों और रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन एक सवाल अभी भी बाकी है- क्या अगली बार भी ऐसा ही होगा या प्रशासन अब भी चेतावनी को गंभीरता से लेना शुरू करेगा? आज बालेश्वर के लोगों ने सचमुच देखा कि जब व्यवस्था विफल होती है, तो "पानी में पैसे जाना" केवल कहावत नहीं, एक त्रासदी बन जाती है।

रेप पीड़िता को अधिकारियों ने भेज दिया 'दुष्कर्मी' के घर; दोबारा हुई वही वारदात

पन्ना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पन्ना से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक रेप की पीड़िता के साथ दोबारा बलात्कार किया गया। बताया जा रहा है कि पन्ना स्थित स्टाप सेंटर में रखी गई दुष्कर्म की पीड़िता नाबालिग को बाल विकास विभाग और कल्याण समिति ने बिना किसी जांच के रिश्तेदार महिला के सुपुर्द कर दिया। रिश्तेदार के यहां ही दुष्कर्म के आरोपी ने एक बार फिर से नाबालिग के साथ दोबारा रेप की घटना को अंजाम दिया। जैसे ही ये मामला प्रकाश में आया, छतरपुर की जुझारनगर पुलिस ने बाल कल्याण समिति पन्ना के अध्यक्ष, समिति के पांच सदस्य, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, वन स्टाप सेंटर के तीन कर्मचारी और एक अन्य महिला के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। बता दें कि इस मामले में समिति के सदस्य आशीष बास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

अभी तक की प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के पवई क्षेत्र में एक गांव की नाबालिग इसी साल जनवरी में स्कूल से निकलने के बाद घर नहीं पहुंची। इसके बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने नाबालिग को 17 फरवरी को गुरुग्राम (हरियाणा) से बरामद किया था। इस पूरे मामले में बारीगढ़ छतरपुर निवासी राम प्रसाद कुशवाहा को गिरफ्तार किया गया।

मुझे एनकाउंटर में मार डालेगी पंजाब पुलिस

फरार आप विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने जताया डर, वीडियो आया सामने

पटियाला, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में आम आदमी पार्टी विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा फरार हैं। पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) आप विधायक की तलाश में जुटी है। वहीं फरार हरमीत सिंह पठानमाजरा ने एक वीडियो जारी किया है। उनका यह वीडियो एक अज्ञात स्थान से जारी हुआ है। इस वीडियो में उन्होंने बयान जारी कर कहा है कि उन्हें डर है कि उनका एनकाउंटर हो सकता है। हरियाणा के करनाल जिले में एक रिश्तेदार के घर पर उन्हें गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमले का आरोप उनके ऊपर लगा है। उन्होंने इस बात से इनकार किया है। विधायक हरमीर सिंह पठानमाजरा ने कहा कि पुलिस झूठ बोल रही है। वह अपनी जान बचाकर वहां से डर के भागे थे। वीडियो में, सनौर से पहली बार विधायक बने पठानमाजरा ने कहा कि पुलिस में मेरे सूत्रों ने मुझे बताया कि पुलिस ने मेरा फेक एनकाउंटर प्लान किया है। हरमीत ने सवाल उठाए कि आठ एसपी, आठ डीएसपी,

पांच एसएचओ और एनकाउंटर स्पेशलिस्ट बिक्रम बराड़ समेत सैकड़ों पुलिसकर्मी एक विधायक को पकड़ने पहुंचे। मैं पुलिस का सम्मान करता हूं, लेकिन पुलिस के झूठे दावों से निराश हूं। पटियाला रेंज के डीआईजी कुलदीप चहल ने कहा कि विधायक फरार है और पुलिस टीमें उसे पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही हैं। डीआईजी ने पठानमाजरा के आरोपों का जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि करते हुए उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए पटियाला के एसएसपी से संपर्क करें। पटियाला के एसएसपी वरुण शर्मा ने बार-बार किए गए कॉल और संदेशों का कोई जवाब नहीं दिया। मंगलवार को, पटियाला क्राइम जांच एजेंसी (सीआईए) के प्रभारी प्रदीप बाजवा ने कहा था कि हमने पठानमाजरा के रिश्तेदार के हरियाणा स्थित घर पर छापा मारा। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन ग्रामीणों और कुछ उपद्रवियों के एक समूह ने पुलिस टीम पर पथराव किया और गोलियां चलाईं। विधायक फरार हो गए। वहीं हरमीत सिंह ने किसी भी तरह की गोली चलाने या पुलिस पर हमला करने की बात से इनकार किया। करनाल सदर पुलिस स्टेशन के जांच अधिकारी एसआई श्री भगवान ने कहा कि पटियाला पुलिस टीम ने हमें डाबरी में छापेमारी की सूचना नहीं दी थी। हमने जांच की और पाया कि कोई गोलीबारी या पथराव नहीं हुआ। ग्रामीणों और पुलिस के बीच कोई टकराव नहीं हुआ। पटियाला सिविल लाइंस एसएचओ की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है, लेकिन हत्या के प्रयास जैसा कोई आरोप नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 5 सितंबर- 2025

मोदी सरकार का दिवाली गिफ्ट

क्या किसी ने कुछ दिन पहले तक कभी सोचा भी था कि मोदी सरकार दिवाली से पहले देशवासियों को बड़ा तोहफा देते हुए जीएसटी नियमों में भारी बदलाव कर देगी। लेकिन मोदी सरकार की जीएसटी काउंसिल ने प्रतिदन काम आने वाली वस्तुओं में जिस तरह से जीएसटी दरें घटाई है उससे लोगों को उम्मीद जगी है कि अब उनकी जेब में रुपया टिक सकेगा। सबसे खास यह है कि हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी दर बिलकुल खत्म कर दिया गया है। बता दें कि बुधवार को जीएसटी काउंसिल ने आठ साल पुराने जीएसटी रिजीम में कई वस्तुओं पर बड़े बदलावों को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार नए जीएसटी रेट नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू कर दिए जाएंगे। जीएसटी में अब केवल दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत ही रह गए हैं। इसके साथ ही 12 और 28 प्रतिशत के स्लैब को खत्म कर दिया गया है, जबकि 40 प्रतिशत का एक नया स्लैब बनाया गया है। इस भारी भरकम टैक्स में पान मसाला, गुटखा, 350 सीसी से अधिक क्षमता वाली बाइकों को शामिल किया गया है। राहत भरी बात यह है कि कृषि, हेल्थ और रोजमर्रा से जुड़ी चीजों पर जीएसटी में भारी कटौती की गई है। इससे महंगाई से त्रस्त लोगों को भारी राहत मिलेगी। आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन, शैंपू के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे। दूध, रोटी, पिज्जा ब्रेड, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी फ्री होंगे। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी। लग्जरी आइटम्स पर अब 28% की जगह 40% जीएसटी लगाया जाएगा। मध्यम और बड़ी कारें, 350सीसी से ज्यादा इंजन वाली मोटरसाइकिलें इस स्लैब में आएंगे। जाहिर है इन बदलावों का मकसद आम आदमी को राहत देना है, छोटे व्यवसायों को सपोर्ट करना और हानिकारक उत्पादों जैसे तंबाकू पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को कम करना है। जीएसटी 2.0 का मकसद टैक्स ढांचे को सरल बनाना, आम लोगों पर टैक्स का बोझ कम करना, और छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना है। अगर आप ग्रोसरी पर हर महीने करीब 20 हजार रुपए खर्च करते हैं, तो आपको हर महीने करीब 1 हजार रुपए की बचत होगी। क्योंकि ग्रोसरी के ज्यादातर आइटम्स पर टैक्स 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है। इसके अलावा 12 हजार का मोबाइल अब 10,800 रुपए में मिलेगा, यानी 1200 रुपए की बचत, क्योंकि कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया है। 32 इंच से ज्यादा बड़ी स्क्रीन वाली टीवी खरीदने पर भी 2500 से 3500 रुपए बच सकते हैं, क्योंकि इस पर भी जीएसटी दरें 28% से घटाकर 18% की गई हैं। सरकार ने सीमेंट और अन्य कंस्ट्रक्शन के सामान पर जीएसटी घटाया है, इससे 20 लाख का घर बनवाने पर करीब 50 हजार तक की बचत हो सकती है।

जीवन जीने का सलीका सिखाते हैं शिक्षक

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में लगभग सभी महापुरूषों ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा दी है। गुरू रूपी इन्हीं शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। यह एकमात्र ऐसा दिन है, जब छात्र अपने शिक्षकों अर्थात् गुरुओं को उपहार देते हैं। पहले जहां गुरूकुल परम्परा हुआ करती थी और उस समय जीवन की व्यावहारिक शिक्षाएं इन्हीं गुरूकुल में गुरु दिया करते थे, आज नए जमाने में गुरूओं का वही अहम कार्य शिक्षक पूरा कर रहे हैं, जो छात्रों के सच्चे मार्गदर्शक बनकर उन्हें स्कूल से लेकर कॉलेज तक वह शिक्षा देते हैं, जो उन्हें जीवन में बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक बनती है। आज भले ही शिक्षा प्राप्त करने या ज्ञानोपार्जन के लिए अनेक तकनीकी साधन सुलभ हैं किन्तु एक अच्छे शिक्षक की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। जिस प्रकार एक अच्छा शिल्पकार किसी भी पत्थर को तराशकर उसे खूबसूरत रूप दे सकता है और एक कुम्हार गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर सही आकार के खूबसूरत बर्तन बनाता है, समाज में वही भूमिका एक शिक्षक अदा करता है, इसीलिए शिक्षक को समाज के असली शिल्पकार का भी दर्जा दिया जाता है। इतिहास ऐसे शिक्षकों के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने अपनी शिक्षा से अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल दी।भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 13 मई 1962 को राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने और उसी वर्ष उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास गए तो उन्होंने उन छात्रों को परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितम्बर 1962 से ही देश में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 5 सितम्बर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डा. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी, कलकत्ता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया और लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। 1931 में किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की किन्तु उन्होंने देश की आजादी के बाद अपने नाम के साथ 'सर' लगाना बंद कर दिया। राधाकृष्णन 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे और 1954 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1962 में ब्रिटिश अकादमी का सदस्य बनने पर उन्हें गोल्डन स्पर, इंग्लैंड के 'ऑर्डर ऑफ मैरिट' तथा 1975 में मरणोपरांत अमेरिकी सरकार द्वारा 'टेम्पलटन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डा. राधाकृष्णन एक महान् दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने के साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे। दर्शन शास्त्र जैसे गंभीर विषय को भी डा. राधाकृष्णन अपनी अद्भुत शैली से बेहद सरल और रोचक बना देते थे। जिस विषय का वे अध्यापन करते थे, पहले स्वयं उसका गहन अध्ययन करते थे। डा. राधाकृष्णन अपने व्याख्यानों के साथ-साथ विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को उच्च नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में समाहित करने के लिए प्रेरित कर उनका बेहतर मार्गदर्शन भी करते थे। उनका कहना था कि हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि शिक्षक के बिना इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक ही हैं, जो देश के भविष्य के वास्तविक आकृतिकार हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। राधाकृष्णन का कहना था कि हमें मानवता को उन नैतिक जड़ों तक वापस ले जाना चाहिए, जहां से अनुशासन और स्वतंत्रता दोनों का उद्गम हो। उनका कथन स्पष्ट था कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा और शिक्षा को एक मिशन के रूप में नहीं अपनाएगा, तब तक अच्छी और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती।

यूपी की राजनीति में आपराधिक गठजोड़ की पोल खोलते योगी

सुरेश गांधी

फिरहाल, उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से तीखे आरोप-प्रत्यारोपों और विचारधारात्मक टकरावों से भरी रही है. लेकिन मौजूदा विधानसभा सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विपक्ष पर प्रहार साधारण राजनीतिक बयानबाज़ी नहीं था, बल्कि बीते दो दशकों के घटनाक्रमों का गहरा निचोड़ था। मुख्यमंत्री योगी का बयान विपक्ष के लिए चेतावनी है। बेशक, यूपी विधानसभा का मानसून सत्र इस बार गवाह बना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तीखे तेवरों का। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर सीधा वार करते हुए कहा, "विदेश में ऐसे ही कोई थोड़ी न होटल खरीद लिया जाता है, ये प्रदेश को लूटकर खरीदा गया है।" यह वाक्य महज़ एक आरोप नहीं था, बल्कि बीते एक दशक में प्रदेश की राजनीति, विकास और अपराध के गठजोड़ की पोल खोलने वाला बयान था। यह वक्तव्य सिर्फ़ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक चेतावनी नहीं, बल्कि बीते शासनकालों के अंधेरे चेहरों का पर्दाफाश भी था। यह बात केवल विपक्ष पर आरोप नहीं थी, बल्कि पिछले ढाई दशकों की जातिवादी और माफियावादी राजनीति पर कठोर टिप्पणी थी। यह वाक्य विपक्ष के लिए तीर की तरह था। सवाल साफ था कि आखिर प्रदेश की जनता की गाढ़ी कमाई कहां गई? क्यों लखनऊ और नोएडा में अवैध कोठियों का साम्राज्य खड़ा हुआ? क्यों अपराधी माफिया सत्ता के साझेदार बने? और क्यों जनता भय और असुरक्षा के साये में जीने को मजबूर रही? जब उन्होंने कहा कि विदेश में होटल खरीदना प्रदेश की जनता को लूटे बिना संभव नहीं, तो यह कटाक्ष महज़ विदेशों की संपत्तियों पर नहीं था, बल्कि लखनऊ की उन हवेलियों और फार्महाउसों पर भी था जो जनता के टैक्स के पैसों से खड़े किए गए। योगी का इशारा साफ था, यूपी की जनता ने जिन नेताओं को सामाजिक न्याय और विकास का मसीहा मानकर सत्ता सौंपी, उन्होंने जनता का विश्वास तोड़ा। प्रदेश की गाढ़ी कमाई से न केवल विदेशों में होटल और प्रॉपर्टी खरीदी गईं, बल्कि लखनऊ, नोएडा और गाजियाबाद जैसे शहरों में भी अवैध महल खड़े किए गए। योगी ने स्पष्ट कर दिया कि जनता को जाति और धर्म के नाम पर ठगने वाले नेता दरअसल भ्रष्टाचार की जड़ रहे हैं। यही कारण है कि लखनऊ से लेकर विदेश तक आलीशान महलों और होटलों का मालिकाना हक उन नेताओं और उनके परिवारों के पास है, जिन्होंने क भी गरीब-पिछड़ों की राजनीति का ढोल पीटा। जबकि हकीकत यह है कि जहां अखिलेश सरकार जातीय समीकरणों और लैपटॉप वितरण तक सीमित रही, वहीं योगी सरकार ने बड़े-बड़े विकास कार्यों से यूपी की तस्वीर बदल दी। यही वजह है कि सपा के हौसलाबुलंद अपराधियों के कहर का शिकार बनी जनता के हवाले से मुख्यमंत्री योगी पूछ रहे है, क्या अखिलेश यादव विदेशों और लखनऊ की अवैध संपत्तियों का हिसाब देंगे? क्या माफियाओं से उनके रिश्तों को जनता भूल जाएगी? क्या जाति और अल्पसंख्यकों को भाजपा का भय दिखाकर सत्ता पाने वालों की असलियत अब छिपी रह पाएगी? क्या "माफिया-राज को टिकट देने वाले का सुशासन पर सवाल उठाना लाजिमी हैं?" पीड़ित पूछ रहे है, विदेशी होटल और लखनऊ की हवेलियां किसकी कमाई से खड़ी हुईं? अपराधियों से रिश्तों का हिसाब कौन देगा?" यूपी की जनता अब जाग चुकी है। आज प्रदेश बुलडोज़र, विकास और सुशासन की पहचान बन चुका है। यही है योगी मॉडल, जिसने सपा की विरासत को ध्वस्त कर दिया। राजधानी लखनऊ और नोएडा-गाजियाबाद में नेताओं के नाम पर आलीशान कोठियां, फार्महाउस और कमर्शियल बिल्डिंग खड़ी हुईं। यह सब उस दौर में हुआ जब गरीबों के लिए योजनाएं केवल कागज़ों में सीमित थीं। रियल एस्टेट में नेताओं की हिस्सेदारी, सरकारी जमीनों पर कब्जे, बड़े-बड़े बिल्डरों के साथ सांठगांठ ये विपक्ष का असली चेहरा था। जातीय समीकरण के नाम पर अपराधियों और माफियाओं को वैधानिक सुरक्षा दी गई। सूबे में अपराधियों का आतंक अखिलेश काल की सबसे काली सच्चाई रही। 2012 से 2017 तक अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा की सरकार रही। यह कार्यकाल प्रदेश की राजनीति का सबसे काला दौर माना जाता है। यह वह समय था जब अपराधियों और माफियाओं को सत्ता से संरक्षण मिला और जनता की सुरक्षा ठेंगा हो गई। मुख्तार अंसारी, हत्या, अपहरण और रंगदारी में कुख्यात, सपा सरकार में विधानसभा तक पहुंचा। अतीक अहमद, प्रयागराज का बाहुबली, सैकड़ों मुकदमों के बावजूद सत्ता का करीबी। विजय मिश्रा, भदोही का खनन माफिया, ठेकों और अवैध कारोबार का संरक्षक। ये नाम केवल अपराधी नहीं थे, बल्कि सत्ता के भीतर बैठे साझेदार थे। चुनावों में टिकट, विधानसभा में बेजोड़ ताकत और पुलिस-प्रशासन पर दबदबा, सब कुछ इनके हिस्से आया। उस दौर में लखनऊ और नोएडा जैसे शहरों में नेताओं और उनके रिश्तेदारों के नाम पर अवैध कोठियां, फार्महाउस और कमर्शियल प्लॉट खड़े हुए। जांच एजेंसियों की फाइलों में अखिलेश सरकार के मंत्रियों और करीबियों की संपत्तियों का ब्यौरा दर्ज है। जमीनों की खरीद-फरोख्त में दलालों और गुर्गों को सरकारी संरक्षण दिया गया। कई नामी बिल्डरों ने सरकारी नीतियों का फायदा उठाकर नेताओं को हिस्सेदारी दी। उस कार्यकाल को आज भी लोग अपराधों और माफिया संरक्षण के दौर के रूप में याद करते हैं। आंकड़े बताते हैं कि उस दौरान हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार और महिला अपराधों में लगातार इज़ाफा हुआ। यही वह कालखंड था जब प्रदेश में अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और विजय मिश्रा जैसे माफियाओं का राजनीतिक रसूख अपने चरम पर था। उनके गढ़ों में पुलिस जाने से डरती थी और अदालतों में गवाह पलट जाते थे। यह सब इसलिए संभव हुआ क्योंकि सत्ता की कुर्सी से उन्हें सीधा संरक्षण मिलता था। डॉन अतीक अहमद का प्रयागराज से लेकर लखनऊ तक खौफ का पर्याय था। अखिलेश शासन में प्रयागराज की गलियां अतीक अहमद के खौफ में थीं। यह बाहुबली भी सपा सरकार में 'अस्पृश्य' माना जाता था। उस पर हत्या, अपहरण, जबरन कब्जा और वसूली के दर्जनों मुकदमे थे, लेकिन सत्ता की मेहरबानी से कानून उसके सामने बौना साबित हुआ। रंगदारी से लेकर अपहरण तक, हर घटना में उसका नाम आता। कोर्ट के आदेश तक बेमानी हो जाते। व्यापारी दिन-दहाड़े अपहरण का शिकार होते और पुलिस मूकदर्शक बनती। सत्ता संरक्षण के कारण कानून से बचता रहा। वह सपा का करीबी माना जाता था। अपहरण, हत्या, जमीन कब्जा और रंगदारी के मामलों में उसके खिलाफ दर्जनों केस होने के बावजूद वह विधानसभा और संसद तक पहुंचा। मुख्तार अंसारी का पूर्वांचल के ठेकों, खनन और वसूली का साम्राज्य था। वो पूर्वांचल में अस्पतालों, ठेकों और कोयला-खनन से लेकर सियासत तक का खेल खेलता रहा। मऊ और आसपास का इलाका मुख्तार अंसारी के खौफ से कांपता था। चुनावी टिकट से लेकर सरकारी ठेकों तक, सब कुछ उसकी मर्जी से चलता। हत्या, कब्जा और धमकी उसकी पहचान थी। अखिलेश सरकार में उसका रसूख इतना था कि प्रशासनिक अफसर तक उसके दरबार में हाजिरी देते। अवैध वसूली, रंगदारी और हत्या जैसे गंभीर अपराधों के बावजूद उसे खुली छूट मिली। भदोही का विजय मिश्रा खनन और ठेकों के खेल का बड़ा खिलाड़ी था। भदोही से लेकर सोनभद्र तक का खनन और ठेकेदारी विजय मिश्रा का साम्राज्य था। सपा की छत्रछाया में उसने सैकड़ों करोड़ का कारोबार खड़ा किया। लेकिन राजनीतिक संरक्षण ने उसे फलने-फूलने का मौका दिया। उसकी दहशत इतनी थी कि कोई खुलकर गवाही देने की हिम्मत नहीं करता। उसके खिलाफ गंभीर मामले लंबित रहे, लेकिन राजनीतिक रिश्तों ने उसे फलने-फूलने दिया। उसका आतंक इस कदर था कि भदोही के बड़े से बडे नेता जनपद छोड़कर भाग खड़े हुए थे, लूट-बलात्कार की घटनाओं से आहत लोगों की रपट तक नहीं लिखी जाती रही, आज वो अपने कुकर्मो का सजा भुगत रहा है। जो कल तक मुकदमा दर्ज कराने से घबराते थे, वो आज गवाही दे रहे है, उसी का परिणाम है उसे सजा हुई।

मोदी का नहले पे दहला : राहुल और तेजस्वी होंगे पस्त

अशोक भाटिया

पिछले 2 हफ्तों से देश में राहुल गांधी की वोटर्स अधिकार यात्रा को लेकर को लेकर बहुत चर्चे थे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार विधानसभा चुनावों की दिशा ही मोड़ दी है। मोदी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस द्वारा अपनी स्वर्गीय मां हीराबेन मोदी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों को एक शक्तिशाली भावनात्मक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का संकेत दे दिया है। मां की गाली के नैरेटिव को बिहार की सांस्कृतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए मातृ-सम्मान से जोड़कर मोदी ने मतदाताओं को प्रभावित करने की रणनीति अपनाई है। आइये देखते हैं कि मोदी का यह भावनात्मक दांव बिहार विधानसभा चुनावों में कितना कारगर हो सकता है? दरअसल 27 अगस्त 2025 को दरभंगा के जाले में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस के एक स्थानीय नेता मो. नौशाद ने कथित तौर पर मंच से मोदी और उनकी मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। इस वायरल वीडियो को भाजपा ने मां की गाली बताया था । भाजपा का कहना था कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव इस मंच पर मौजूद थे, पर इस टिप्पणी को रोकने की कोशिश नहीं की। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में, राजद और कांग्रेस भाजपा, मोदी और नीतीश कुमार के गठबंधन के खिलाफ खड़े हैं। राहुल गांधी अपने पास मौजूद सभी रणनीति आजमा रहे हैं और इसलिए चुनाव जीतने के लिए दृढ़ हैं। राहुल संवैधानिक मानसिकता के साथ बोलते हैं और महसूस करते हैं कि जितना अधिक वह मोदी की आलोचना करते हैं, उतना ही लोग इसे बर्दाश्त करते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। लोगों को राजनीतिक विरोधियों की आलोचना करने का अधिकार है लेकिन किसी को भी व्यक्तियों और किसी की मां और परिवार की आलोचना करने का अधिकार नहीं है।

मोदी ने अपने भाषण में तुरही बजाई, लेकिन राहुल को दोष क्यों दें? उनकी मां सोनिया गांधी ने भी मोदी की आलोचना की है, इसलिए राहुल और विपक्ष के लिए मोदी की दिवंगत मां की आलोचना करने का रिवाज है। कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करते ही वह और भी आक्रामक हो गई है, क्योंकि कांग्रेसियों ने सोचा था कि यह देश उनका है और उन्होंने इसे हमेशा के लिए उन्हें सौंप दिया है। लेकिन मोदी ने कांग्रेस के इन विचारों को तोड़ना शुरू कर दिया और तभी से कांग्रेस की हथेलियों की आग सिर पर जाने लगी। भाजपा जो विपक्ष में भी थी, सरकार के कामकाज की आलोचना करती थी। लेकिन वह इतने निचले स्तर पर कभी नहीं गई। यहां तक कि नेहरू के समय में जब भारत चीन से हार गया था, राम मनोहर लोहिया नेहरू के बहुत आलोचक थे, लेकिन जनसंघ चुप रहा। एक स्थानीय कांग्रेस समर्थक मोहम्मद रिजवी ने मोदी की दिवंगत मां की आलोचना की और फिर मोदी का गुस्सा बढ़ गया। एक विपक्षी दल के रूप में, उनकी नीतियों की आलोचना करना ठीक है, लेकिन किसी के लिए भी उनकी दिवंगत मां की आलोचना करना उचित नहीं है। लेकिन कांग्रेस की ओर से किसी ने भी इसके लिए माफी नहीं मांगी है। यह राजनीतिक अहंकार है और यह राहुल है बल्कि पूरा गांधी परिवार भी है। राहुल ने बिहार विधानसभा चुनावों में बोलना बंद कर दिया है।

उन्होंने कई बार आयोग की आलोचना की है और हर बार उन्हें आयोग द्वारा फटकार लगाई गई है। लेकिन वे इससे सीखेंगे। तो वीर सावरकर की आलोचना के दौरान भी ऐसा ही हुआ। राहुल खुद को राजकुमार मानता है और इसलिए वह सोचता है कि सभी लोग उसके गुलाम हैं। लेकिन 55 वर्षीय नेता अभी तक देश के किसी भी राज्य में शानदार सफलता हासिल नहीं कर पाए हैं। फिर भी, कांग्रेस के लोगों को लगता है कि राहुल कांग्रेस को अतीत की सफलता की ओर ले जाएंगे। लेकिन राहुल इस मामले में विफल रहे हैं। राजद हो या अखिलेश की समाजवादी पार्टी, ये सभी जानते तक नहीं हैं कि राजनीति में न्यूनतम नैतिकता बनाए रखनी है।

राहुल ने हाल ही में बिहार में वोट चोरी के खिलाफ यात्रा निकाली, लेकिन उसे ठंडी प्रतिक्रिया मिली। राहुल को अपनी आलोचना के नतीजों को जानना चाहिए। विपक्ष ने ऐसे बात करना शुरू कर दिया है जैसे कोई संतुलन ही नहीं है, इसलिए जनता इन विपक्षी दलों खासकर राहुल और तेजस्वी को सबक नहीं सिखा पाएगी। हमारी संस्कृति में कहा गया है कि मां सबसे ऊपर है। लेकिन राहुल, जिसे किसी भी भारतीय मूल्यों की चिंता नहीं है, मां के महत्व को क्या जानना चाहिए। राहुल, जो इतालवी संस्कृति में पले-बढ़े हैं, अपनी मां के महत्व को जानते हैं। राहुल सत्ता खोने से परेशान हैं और इसलिए वह इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। वह हर उस राज्य में हार गए जहां उन्होंने यात्रा की। कांग्रेस को अब इन पराजयों के बारे में पता नहीं है। उन्होंने कहा, 'राहुल को माफी मांगनी चाहिए। अब भी राहुल उसी सामंती मानसिकता के साथ मोदी पर आरोप लगा रहे हैं। उन्हें चौकीदार कहा जाना चाहिए और कभी-कभी राफेल जेट पर मोदी द्वारा उनकी आलोचना की जानी चाहिए, लेकिन यह जनत थे जिन्होंने उन्हें नकार दिया। राहुल और तेजस्वी बिहार विधानसभा चुनाव में हार का सामना कर रहे हैं, इसलिए वे मोदी की आलोचना कर रहे हैं और उनकी दिवंगत मां की आलोचना कर रहे हैं। लेकिन इसने विपक्ष को और भी उजागर कर दिया है। सभी को इस पर एक छाप रखनी चाहिए। क्योंकि चुनाव आते हैं और जाते हैं लेकिन शब्द बने रहते हैं।

बहरहाल बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा के लिए यह दांव नरेटिव सेट करने में कितना कारगर होगा, यह बिहार के मतदाता समीकरण, एनडीए की एकता, और विपक्ष की कमजोरियों पर निर्भर करता है। बिहार में मातृ-सम्मान गहरा सांस्कृतिक मूल्य है, खासकर छठ पूजा जैसे त्योहारों के संदर्भ में। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद ने मेरी मां को गाली दी, जो हर बिहारी मां का अपमान है। इसे छठी मैया से जोड़कर उन्होंने ग्रामीण और महिला मतदाताओं को लक्षित किया। सोशल मीडिया पर जनता का गुस्सा दिख रहा है। लोग इसे बिहार की संस्कृति का अपमान बता रहे हैं। यह नरेटिव ओबीसी, ईबीसी, और दलित समुदायों, जो एनडीए के वोट बैंक हैं, में सहानुभूति जगा सकता है। कांग्रेस की रक्षात्मक प्रतिक्रिया जैसे सुप्रिया श्रीनेत का कहना कि वीडियो नहीं देखा है या तेजस्वी की चुप्पी ने भाजपा को नरेटिव सेट करने में बढ़त दे सकती है। मोदी का यह दांव न केवल मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश है, बल्कि एनडीए के सहयोगी दलों जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) , और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा को एकजुट करने का भी प्रयास है। पिछले दिनों कई बार देखा गया कि एनडीए के सहयोगी दल आपस में सिर फुटौव्वल के लिए तैयार थे। चिराग पासवान , जेडीयू और हम के बीच खींचतान दिख रही थी। अभी सीटों बंटवारे को लेकर भी ठन सकती है। पर इन सब मुद्दों पर मोदी की मां को गाली भारी पड़ गई है। यह नरेटिव जेडीयू को भाजपा के साथ मजबूती से जोड़ता है। चिराग ने इसे बिहार की अस्मिता पर हमला बताया, जो पासवान और ईबीसी समुदायों को प्रभावित करता है। उनकी युवा अपील और मोदी के साथ नजदीकी ने इस नरेटिव को ईबीसी और दलित वोटरों तक पहुंचाया।

तुम मेरा प्रेम पत्र पढ़कर..

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

प्रशासनिक-शैक्षणिक परिषद के उस छोटे से प्रकोष्ठ में, जिसे आम भाषा में 'अध्यापिका का केबिन' कहा जाता है, दोपहर की उदास रोशनी में एक अजीब सा सन्नाटा पसरा हुआ था। दीवारों पर लगी गणित की मेजें और सूत्र इस बात के गवाह थे कि यहाँ हर बात का एक निश्चित हल होता है, पर आज सामने बैठी श्रीमती सुषमा शर्मा के चेहरे पर एक ऐसा प्रश्न था, जिसका हल उनके गणित के ज्ञान से बाहर था। उनके सामने नौवीं कक्षा का एक छात्र, समीर, ऐसे खड़ा था मानो वह कोई अपराधी नहीं, बल्कि एक कवि हो, जिसने अपने अपराध को खुद ही कागज पर उतार दिया हो। उसकी शक्ल देखकर कोई भी कह सकता था कि वह दंड की नहीं, बल्कि अपनी ही रचना की समीक्षा कर रहा है। श्रीमती शर्मा ने अपने चश्मे को ठीक किया और मेज पर रखे साढ़े तीन पन्नों के उस ऐतिहासिक दस्तावेज को घूरकर देखा। यह कोई साधारण कागज नहीं था। यह उस सभ्यता का नमूना था, जहाँ कच्चे दिमाग अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए भाषा के उलटे-सीधे अस्त्रों का सहारा लेते हैं। उन्होंने अपनी आवाज़ में, जो सामान्यतः कक्षा में समीकरण समझाते समय सख्त हो जाती थी, एक थकी हुई नाटकीयता भरते हुए कहा, समीर, यहाँ खड़े हो जाओ। समीर आज्ञा मानकर खड़ा हो गया, जैसे कोई सिपाही अपने सेनापति के सामने युद्ध के बाद अपनी हार स्वीकारने आया हो। तुम्हें पता है ना तुम्हें क्यों बुलाया गया है? सवाल ऐसा था, मानो वे किसी प्रमेय का हल पूछ रही हों, जिसका उत्तर सिर्फ समीर को ही पता हो। समीर ने बस सिर हिलाया। वह जानता था, लेकिन वह यह नहीं जानता था कि क्यों। उसके लिए, यह एक स्वाभाविक काम था। वह तो केवल उस बेचैनी को कागज पर उतार रहा था जो पिछले कई हफ्तों से उसके भीतर थी। यह बेचैनी गणित के सवालों से कहीं ज्यादा जटिल थी।तुम क्या सोच रहे थे? सुषमा जी की वाणी में अब एक प्रकार का शैक्षणिक उपहास था। टीचर को लव लेटर लिखकर बहुत अच्छा काम किया है तुमने? नौवीं कक्षा में हो तुम। 'नौवीं कक्षा' पर उनका जोर ऐसा था, मानो यह कोई कानूनी धारा हो। ये सब लिखना कौन सिखाता है तुम्हें? यह सवाल नहीं था, बल्कि एक आरोप था, जिसका निशाना समीर नहीं, बल्कि वह अदृश्य समाज था जो ऐसी 'शरारतें' सिखाता है। समीर को लगा कि उसकी कला का अपमान किया जा रहा है। जिस प्रेम पत्र को उसने तीन दिनों की मेहनत और दोस्तों से मिली प्रेरणा से लिखा था, उसे एक बेकार का कागज समझा जा रहा था। उसे एक पल के लिए लगा, 'क्या शेक्सपियर ने भी किसी और से पूछकर लिखा होगा?' पर ये विचार उसके मन से बाहर नहीं निकल पाए। सुषमा जी ने पत्र का एक टुकड़ा पढ़ाः हमारे बीच उम्र का अंतर है, लेकिन मैं तुम्हारा ध्यान रखूँगा। इस पर वे इस प्रकार रुकीं, मानो यह कोई भयानक भविष्यवाणी हो। उन्होंने समीर को ऐसे देखा जैसे वह कोई अविकसित प्राणी हो। तुम, तुम मेरा ध्यान कैसे रखोगे, समीर? बताओ।

आधुनिक तकनीक के बीच शिक्षकों की प्रासंगिकता

नृपेंद्र अभिषेक 'नृप'

शिक्षा मानव सभ्यता की वह आधारशिला है, जिस पर ज्ञान, मूल्य और संस्कृति की भव्य इमारत खड़ी होती है। इस इमारत को गढ़ने वाला शिल्पी शिक्षक ही होता है। समय के साथ-साथ शिक्षा की पद्धति, माध्यम और तकनीक में परिवर्तन होते रहे हैं, परंतु शिक्षक का महत्व कभी कम नहीं हुआ। बदलते युग में जब समाज तकनीकी क्रांति के दौर से गुजर रहा है, तब शिक्षक की भूमिका और भी अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है। आज का युग डिजिटल युग है, जहाँ सूचना के प्रवाह की गति प्रकाश की गति के समान हो गई है। ज्ञान अब पुस्तकालयों की अलमारियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इंटरनेट के महासागर में लहरों की भाँति उपलब्ध है। डिजिटल युग में शिक्षा अब केवल कक्षा-कक्ष की चारदीवारी तक सीमित नहीं रही। ऑनलाइन शिक्षा, ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म, वर्चुअल क्लासरूम, स्मार्ट बोर्ड, इंटरैक्टिव कंटेंट, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों ने शिक्षा की परिभाषा ही बदल दी है। जहाँ एक समय में शिक्षक ही ज्ञान का एकमात्र स्रोत हुआ करता था, वहीं आज विद्यार्थी गूगल, यूट्यूब, और अन्य डिजिटल माध्यमों से जानकारी के अंबार तक पहुँच सकते हैं। परंतु यहाँ यह प्रश्न उठता है कि क्या इतनी सहज उपलब्धता के बावजूद शिक्षक की आवश्यकता कम हो गई है? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से 'नहीं' है। ज्ञान का संचयन और उसका सही उपयोग दो अलग-अलग बातें हैं। जानकारी उपलब्ध कराना मशीनों का कार्य हो सकता है, परंतु जानकारी को विवेकपूर्ण ज्ञान में परिवर्तित करना केवल शिक्षक ही कर सकता है। शिक्षक की भूमिका अब केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे विद्यार्थियों को जीवन के विविध पहलुओं के लिए तैयार करना है। शिक्षक अब मात्र ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक, परामर्शदाता, प्रेरक और चिंतनशील समाज के निर्माता की भूमिका में हैं। आज का शिक्षक विद्यार्थियों को केवल तथ्यों से अवगत नहीं कराता, बल्कि उन्हें समालोचनात्मक चिंतन, समस्या समाधान, रचनात्मकता और नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाता है। डिजिटल युग में जब सूचनाओं का अतिरेक हो गया है, तब शिक्षक का दायित्व है कि वह विद्यार्थियों को सही और गलत की परख करना सिखाए, उन्हें सूचना के महासागर में डूबने से बचाए और सार्थक ज्ञान का चुनाव करने में सहायता करे। आधुनिक तकनीक ने जहाँ शिक्षा को सरल और सुलभ बनाया है, वहीं शिक्षक के सामने अनेक चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं। सबसे बड़ी चुनौती है तकनीकी अनुकूलन (टे क नो लॉ जि क ल एडप्शन)। आज शिक्षक को केवल अपनी विषयवस्तु का ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे डिजिटल टूल्स, वर्चुअल प्लेटफ़ॉर्म, और नवीन शिक्षण पद्धतियों में निपुण होना आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों के लिए यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ संसाधनों की कमी और तकनीकी अवसंरचना का अभाव है। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन शिक्षा के दौर में विद्यार्थियों के ध्यान को केंद्रित रखना और उनमें अनुशासन बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती है। शिक्षक को अब केवल विषय पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि एक डिजिटल फसिलिटेटर के रूप में स्वयं को ढालना पड़ रहा है।

कोविड-19 महामारी के समय पूरी दुनिया ने ऑनलाइन शिक्षा का महत्व अनुभव किया। उस समय यह स्पष्ट हुआ कि तकनीक चाहे जितनी भी उन्नत हो जाए, शिक्षक की भूमिका को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा उपलब्ध कराना तो संभव है, परंतु विद्यार्थियों की मानसिकता को समझना, उनकी समस्याओं को पहचानना और व्यक्तिगत मार्गदर्शन देना केवल शिक्षक ही कर सकता है। शिक्षक एक संवेदनशील व्यक्तित्व है, जो केवल ज्ञान ही नहीं बाँटता, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और मानवीय मूल्यों को भी विद्यार्थियों में रोपित करता है। मशीनें ज्ञान दे सकती हैं, परंतु प्रेरणा नहीं; डेटा दे सकती हैं, परंतु दृष्टि नहीं। यही कारण है कि डिजिटल युग में भी शिक्षक की भूमिका अपरिहार्य बनी हुई है। आज यह धारणा बनती जा रही है कि जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) इतनी विकसित हो रही है कि वह भाषा सीखाने, समस्याएँ हल करने और यहाँ तक कि शोध-पत्र लिखने में सक्षम है, तो फिर शिक्षक की आवश्यकता क्यों? इसका उत्तर है- तकनीक केवल उपकरण है, जबकि शिक्षक वह शक्ति है जो उपकरण के उपयोग की दिशा और उद्देश्य तय करता है। एआई विद्यार्थियों को जानकारी दे सकता है, परंतु उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास नहीं कर सकता। शिक्षक का कार्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का संवर्धन करना है। तकनीक कभी भी मानवीय संवेदनाओं, सहानुभूति और प्रेरणा की जगह नहीं ले सकती। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। स्मार्ट क्लासरूम, चैटबॉट्स, पर्सनलाइज्ड लर्निंग, और ऑटोमैटिक असेसमेंट जैसे प्रयोगों ने शिक्षा को नए आयाम दिए हैं। एआई विद्यार्थियों की सीखने की शैली का विश्लेषण कर उन्हें अनुकूल सामग्री उपलब्ध करा सकता है।

कौन होगी टीवी की अगली 'नागिन'? इन अभिनेत्रियों को देखना चाहते हैं फैंस

एकता कपूर का मशहूर शो 'नागिन 7' दर्शकों के बीच पहले से ही चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल ही में इसका प्रोमो जारी किया गया, लेकिन मेकर्स ने फिर से नागिन का चेहरा दर्शकों से छिपा कर ही रखा। अब दर्शकों में यह सवाल है कि आखिर इस बार नागिन का किरदार कौन निभाने वाली हैं। सोशल मीडिया पर कई टीवी अभिनेत्रियों के नाम चर्चा में हैं, जिन्हें दर्शक नागिन के लुक में देखना चाहते हैं।

प्रियंका चाहर चौधरी

'बिग बॉस 16' के बाद से प्रियंका चाहर चौधरी टीवी की सबसे चर्चित चेहरों में शामिल हो गई हैं। उनकी लोकप्रियता और फैन बेस काफी मजबूत है। फैंस का मानना है कि उनकी पर्सनैलिटी नागिन जैसे दमदार और रहस्यमयी किरदार के लिए एकदम फिट बैठती है। हालांकि प्रियंका खुद कई बार साफ कर चुकी हैं कि वो नागिन नहीं कर रही हैं।

चाहत पांडे

चाहत पांडे ने अपने शोज में हमेशा ही सशक्त अभिनय से पहचान बनाई है। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और एक्सप्रेशंस दर्शकों को काफी प्रभावित करते हैं। यही कारण है कि उनका नाम भी नागिन के लिए चर्चाओं में शामिल हो गया है। बिग बॉस 18 के बाद से ही फैंस लगातार नागिन के लिए चाहल का नाम ले रहे हैं।

जेनिफर विंगेट

जेनिफर विंगेट टीवी इंडस्ट्री का जाना-पहचाना नाम हैं। 'बेहद' और 'बेपनाह' जैसी सीरियल्स से उन्होंने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। उनकी अदाकारी में रहस्यमयी आकर्षण देखने को मिलता है, जो नागिन जैसी भूमिका के लिए बिल्कुल सही माना जा रहा है।

ईशा मालवीय

शो 'उडारियां' और 'बिग बॉस 17' में अपनी पहचान बनाने वाली ईशा मालवीय भी इस रेस में पीछे नहीं हैं। उनकी मासूमियत और साथ ही स्क्रीन पर गहराई से निभाया गया किरदार, उन्हें नागिन जैसे रोल के लिए दिलचस्प विकल्प बनाता है। कुल मिलाकर 'नागिन 7' का चेहरा अभी तक रहस्य ही बना हुआ है। लेकिन इन नामों को लेकर जो चर्चाएं हो रही हैं, उनसे साफ है कि इस बार भी शो दर्शकों को चौंकाने और मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

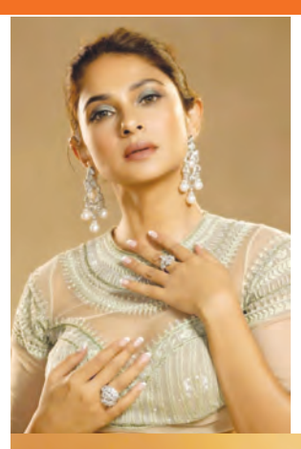

क्रिस्टल डिसूजा

क्रिस्टल डिसूजा ने कई शोज में ग्लैमरस और दमदार किरदार निभाए हैं। उनका फैशन सेंस और ऑन-स्क्रीन अपील उन्हें बाकी अभिनेत्रियों से अलग बनाता है। अगर वो नागिन बनती हैं तो शो को एक नया ग्लैम टच मिल सकता है। क्रिस्टल के फैंस उन्हें शो में पिछले काफी समय से देखना चाहते हैं।

प्रभास ने अनुष्का शेट्टी को बताया स्वीटी फिल्म 'घाटी' के लिए दीं शुभकामनाएं

अनुष्का शेट्टी अपनी आगामी फिल्म 'घाटी' से सिनेमाघरों में वापसी को तैयार हैं। 5 सितंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म को लेकर शुरू से ही क्रेज बना हुआ है। फैंस एक बार फिर अनुष्का शेट्टी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं। अब फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले अभिनेता प्रभास ने अनुष्का शेट्टी को फिल्म के लिए शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही फिल्म के ट्रेलर की तारीफ भी की है।

प्रभास ने की तारीफ

प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इसमें उन्होंने घाटी के रिलीज ट्रेलर का लिंक भी मेंशन किया है। साथ ही फिल्म की तारीफ करते हुए अनुष्का शेट्टी को शुभकामनाएं भी भेजी हैं। प्रभास ने अपनी स्टोरी में लिखा, 'घाटी का रिलीज ट्रेलर काफी शानदार और प्रभावी लग रहा है। तुमको इस दमदार किरदार में देखने के लिए उत्सुक हूं स्वीटी। 'घाटी' की पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं।'

एक्शन-थ्रिलर फिल्म है 'घाटी'

'घाटी' पिछले काफी वक्त से टल रही है। अब अंततः फिल्म रिलीज होने जा रही है। कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित 'घाटी' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अनुष्का शेट्टी एक दमदार अंदाज में नजर आ रही हैं। फिल्म के ट्रेलर में कुछ एक जगह वो जहां, काफी सीधी-साधी नजर आती हैं, तो वहीं कई जगह वो जबरदस्त एक्शन करते भी दिखती हैं।

दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अनुष्का

'घाटी' से अनुष्का शेट्टी लगभग दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अनुष्का आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी' में नजर आई थीं। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म थी, जिसे पसंद किया गया था। अब अनुष्का इस बहुप्रतीक्षित फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

'बाहुबली' के बाद प्रभास और अनुष्का के अफेयर की थीं चर्चाएं

अनुष्का शेट्टी और प्रभास एसएस राजामौली की 'बाहुबली' में एक साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं भी शुरू हुई थीं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते पर कोई बात नहीं की। लेकिन समय-समय पर अक्सर ही दोनों के रिश्ते में होने की खबरें आती रहीं। हालांकि, इस बीच प्रभास का नाम कभी कृति सेनन से भी जुड़ा। अब अनुष्का शेट्टी को स्वीटी कहकर संबोधित करने पर एक बार फिर दोनों के अफेयर की चर्चाएं उड़ने लगी हैं।

आलिया भट्ट ने की 'लोका' की तारीफ फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया पर जताई खुशी

हालिया मलयालम फिल्म 'लोकाः चैप्टर 1' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों की ओर से सराहा जा रहा है। यही नहीं धीरे-धीरे अब सेलेब्स भी इस फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। इसी क्रम में अब अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी 'लोका' की तारीफ की है।

आलिया ने जमकर की तारीफ

आलिया ने 'लोका' की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में आलिया ने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'पौराणिक लोककथाओं और रहस्य का शानदार ताजा मिश्रण है 'लोका'। फिल्म को मिल रहे प्यार को देखकर काफी खुश हूं। मैं हमेशा से ऐसी फिल्मों और सिनेमा की तारीफ करने और उनका समर्थन करने को बेकरार रहती हूं।' आलिया ने फिल्म की कास्ट और क्रू को मेंशन करते हुए फिल्म के अब हिंदी में भी उपलब्ध होने पर खुशी जताई है।

अक्षय ने की कल्याणी प्रियदर्शन की तारीफ

आलिया से पहले अभिनेता अक्षय कुमार ने भी 'लोका' का समर्थन करते हुए फिल्म की मुख्य अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन की तारीफ की थी। अक्षय ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म की तारीफ करते हुए एक पोस्ट किया था। इस पोस्ट में अक्षय ने लिखा, 'प्रतिभा तो परिवार में ही होती है, सुना था, अब देख भी लिया। प्रियदर्शन सर की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन के शानदार अभिनय के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनने को मिल रही हैं। उन्हें और लोका की पूरी टीम को उनके हिंदी संस्करण के रिलीज होने पर मेरी शुभकामनाएं।'

सुपर नेचुरल एक्शन-थ्रिलर है 'लोका'

'लोकाः चैप्टर 1' एक सुपर नेचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। डोमिनिक अरुण द्वारा निर्देशित 'लोका' में कल्याणी प्रियदर्शन प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। 'लोका' महिला केंद्रित सुपरहीरो वाली पहली मलयालम फिल्म है। इस फिल्म को दुलकर सलमान ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की जमकर तारीफ हो रही है और बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म शानदार कमाई कर रही है। फिल्म को लगातार मिल रही प्रशंसा के बाद ही मेकर्स ने इसे मलयालम में रिलीज के एक हफ्ते बाद हिंदी में भी रिलीज किया है।

मजनू भाई की गधे वाली पेंटिंग के साथ विजय वर्मा ने साझा की तस्वीर, बोले- आज फिर सब 'वेलकम' देखेंगे

बॉलीवुड एक्टर विजय वर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'गुस्ताख इश्क' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच आज उन्होंने 2007 में रिलीज हुई निर्देशक अनीस बज्मी की फिल्म 'वेलकम' की सबसे चर्चित पेंटिंग को शेयर किया है।

विजय वर्मा का पोस्ट

विजय वर्मा ने फिल्म 'वेलकम' के मजनू भाई की प्रसिद्ध पेंटिंग को शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा, 'हां, मैं एक कला पारखी हूं। बॉलीवुड की सबसे प्रतिष्ठित पेंटिंग के साथ बिताए अपने पलों को साझा कर रहा हूं... किसी भी पेंटिंग ने हमें इतनी खुशी नहीं दी।' आगे विजय ने लिखा, 'अनीस बज्मी और अनिल कपूर सर सम्मान। मजनू भाई सर्वोच्चता।'

फिल्म वेलकम के बारे में

फिल्म 'वेलकम' 2007 में रिलीज हुई थी। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म को अनीस बज्मी ने सह-लिखित और निर्देशित किया है। इस फिल्म में फिरोज खान, अनिल कपूर, नाना पाटेकर, अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, परेश रावल और मल्लिका शेरावत मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में सुनील शेट्टी और मलाइका अरोड़ा ने विशेष भूमिका निभाई थीं।

विजय वर्मा का वर्कफ्रंट

विजय वर्मा जल्द ही फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में नजर आएंगे। इस फिल्म में विजय के साथ फातिमा सना शेख मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की पहली फिल्म निर्माण के तौर पर है, जो इस साल नवंबर में रिलीज होगी। इसका निर्देशन विभु पुरी ने किया है। इसमें विशाल भारद्वाज का संगीत और गुलजार के गीत हैं।

कौन है साउथ सिनेमा का सबसे रिचेस्ट स्टार? टॉप 5 की लिस्ट में रजनीकांत का नाम नहीं

साउथ इंडियन सिनेमा अपनी शानदार कहानी और अपने जबरदस्त सितारों के लिए फेमस है. इस इंडस्ट्री के कई स्टार्स खूब फेमस हैं. इसी के साथ इनमें से कई सितारे बेहद रईस भी हैं. चलिए यहां जानते हैं साउथ के टॉप 5 सबसे अमीर स्टार्स कौन हैं. दिलचस्प बात ये है कि इनमें रजनीकांत का नाम शामिल नहीं है.

साउथ के सबसे अमीर स्टार्स की लिस्ट में नागार्जुन हैं सबसे आगे

तेलुगु सिनेमा के दिग्गज नागार्जुन अक्किनेनी अकूल संपत्ति के मालिक हैं. इसी के साथ वे इस लिस्ट में टॉप पर हैं. मनीकंट्रोल के मुताबिक नागार्जुन की कुल नेटवर्थ 410 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 3,572 करोड़ रुपये) है. इंडियाटाइम्स के अनुसार, अभिनेता को हर फिल्म के लिए लगभग 20 करोड़ रुपये, हर टीवी शो के एपिसोड के लिए 5 करोड़ रुपये और ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 2 करोड़ रुपये से ज़्यादा की भारी-भरकम रकम मिलती है.

उनकी मंथली इनकम कुल मिलाकर, 4 करोड़ रुपये है, जो उन्हें देश के सबसे ज़्यादा टैक्सपेयर्स में से एक बनाती है. उन्होंने हैदराबाद और मुंबई में कई प्रॉपर्टीज में भी इनवेस्ट किया है.उनके पास कई लग्जरी कारें हैं.

चिरंजीवी साउथ के अमीर एक्टर्स की लिस्ट में दूसरे नंबर पर

नागार्जन के बाद साउथ के दूसरे सबसे अमीर एक्टर चिरंजीवी हैं. फाइनेंशियल एक्सप्रेस मुताबिक चिरंजीवी की नेटवर्थ लगभग 1,650 करोड़ रुपये है, अपने शानदार अभिनय करियर, स्मार्ट बिज़नेस वेंचर्स, विज्ञापनों और अन्य इनवेस्टमेंट के ज़रिए, उन्होंने इतनी अकूत संपत्ति बनाई है. बताया जाता है कि उनके पास हैदराबाद में 25,000 स्कावयर फुट का एक आलीशान बंगला, बेंगलुरु में संपत्तियाँ और एक निजी जेट भी है. उनके गैराज में रोल्स-रॉयस फैंटम और रेंज रोवर वोग जैसी लग्ज़री कारें शामिल हैं.

रामचरण हैं साउथ के तीसरे सबसे अमीर एक्टर

आरआरआर स्टार राम चरण भी काफी दौलतमंद हैं और वे साउथ के सबसे अमीर एक्टर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. उनके पास 1380 करोड़ रुपये की संपत्ति है. वे फिल्मों, ब्रांड एंडोर्मेंट और मूवी प्रोडक्शन के अलावा कई और इन्वेस्टमेंट के जरिये मोटी कमाई करते हैं. उनके पास हैदराबाद में एक आलीशान घर भी है जिसकी कीमत लगभग 38 करोड़ रुपये है.

जूनियर एनटीआर हैं साउथ के चौथे सबसे अमीर एक्टर

'आरआरआर' स्टार जूनियर एनटीआर तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार हैं, वे इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के हाईएस्ट पेड एक्टर्स में से एक हैं. न्यूज़ 18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक जूनियर एनटीआर की नेटवर्थ लगभग $60 मिलियन है, जो लगभग 500 करोड़ रुपये के बराबर है. यह संपत्ति उन्होंने अपने सफल फिल्मी करियर, ब्रांड एंडोर्समेंट और स्मार्ट इनवेस्टमेंट के जरिए जमा की है. उनकी इनकम का मेन सोर्स फिल्मों से उनकी फीस है, जिसमें पिछले कुछ सालों में काफी इजाफा हुआ हैं.

अपने करियर की शुरुआत में, जूनियर एनटीआर ने प्रति फिल्म लगभग 12 करोड़ रुपये चार्ज किए. हालांकि, उनकी बढ़ती लोकप्रियता और बॉक्स ऑफिस की सफलता के साथ, उनका फीस प्रति फिल्म 60 से 80 करोड़ रुपये के बीच हो गई है. 'वॉर 2' में अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए, उन्होंने कथित तौर पर 50 करोड़ रुपये फीस चार्ज की थी.

अल्लू अर्जुन हैं साउथ के पांचवें सबसे अमीर एक्टर

फोर्ब्स इंडिया के अनुसार, पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन ने पुष्पा 2 के लिए 300 करोड़ की भारी-भरकम फीस वसूली थी. जिससे वह भारत में सबसे ज़्यादा कमाई करने वाले अभिनेता बन गए थे.

वहीं, उनकी नेटवर्थ की बात करें तो साल 2025 में सुपरस्टार की नेटवर्थ 460 करोड़ रुपये आंकी गई है. इसमें हैदराबाद में एक 100 करोड़ रुपये की आलीशान हवेली भी शामिल है, जिसके मालिक अभिनेता के पिता और फेमस फिल्म निर्माता अल्लू अरविंद हैं. बता दें कि सुपरस्टार रजनीकांत साउथ के टॉप 5 सबसे अमीर सितारों की लिस्ट में शामिल नही हैं. उनकी नेटवर्थ 400 से 430 करोड़ के बीच है.

अमेरिका का वेनेजुएला की नाव पर हमला, 11 की मौत

विदेश मंत्री बोले- ड्रग्स की तस्करी हो रही थी, ट्रम्प ने उड़ाने का आदेश दिया

वॉशिंगटन, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को वेनेजुएला की एक नाव पर हमला किया जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने खुलासा किया है कि खुद ट्रम्प ने नाव पर हमला करने का आदेश दिया था। यह हमला मंगलवार को कैरिबियन सागर में हुआ था।

रुबियो ने कहा कि वे चाहते तो उस नाव को सीज कर सकते थे, लेकिन ट्रम्प ने इसके बजाय उसे उड़ाने का आदेश दिया। रुबियो ने कहा कि सिर्फ ड्रग्स की खेप जब्त करने से कार्टेल पर असर नहीं पड़ने वाला है। उन्हें खत्म करना है तो उन्हें उड़ाना ही होगा।

रुबियो ने यह भी कहा कि नाव पर मौजूद लोगों को कोई चेतावनी नहीं दी गई क्योंकि वह 'कोकीन या फेंटेनाइल' ड्रग से भरी हुई थी। यह अमेरिका के लिए सीधा खतरा थी।

इससे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया कि जहाज पर 'ट्रेन डे

अरागुआ गिरोह' के सदस्य थे। अमेरिका इसे आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। ट्रम्प ने दावा किया कि नाव पर भारी मात्रा में ड्रग्स था। ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा- हमारे पास उनकी बातचीत के टेप हैं। हमारे देश में बहुत बड़ी मात्रा में ड्रग्स आ रहे थे, जो कई लोगों को मार सकते थे। यह बात हर कोई समझता है। आप खुद देख सकते हैं कि नाव पर ड्रग्स के पैकेट थे और उसी पर हमला किया गया। अब वे दोबारा ऐसा नहीं करेंगे। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने अब तक इस हमले के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने तो यहां तक सवाल उठाया कि क्या इतनी छोटी नाव में सचमुच 11 लोग बैठ सकते थे। यह भी स्पष्ट नहीं है कि सेना ने नाव को रोकने के बजाय उसे उड़ाने का फैसला क्यों किया। आमतौर पर तटरक्षक बल या अमेरिकी नौसेना ड्रग्स से लदी नावों को पकड़कर चालक दल को हिरासत में लेती रही है और उन पर मुकदमा भी चलता रहा है। अमेरिकी नौसेना पहले भी अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में संदिग्ध जहाजों को रोकती और उनकी जांच करती रही है। लेकिन मंगलवार को कैरिबियन सागर में हुआ यह हमला बिल्कुल अलग था, क्योंकि इस बार सीधा हमला किया गया।

ट्रम्प प्रशासन ने इस कार्रवाई का कोई कानूनी तर्क नहीं दिया। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने टीवी चैनल पर कहा कि अधिकारियों को पूरी जानकारी थी कि नाव में कौन लोग थे और वे क्या कर रहे थे। हालांकि, उन्होंने कोई सबूत नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ऐसे आक्रामक कदम उठाने को तैयार हैं, जो पहले किसी ने नहीं उठाए।

नवाज शरीफ के घर में असीम मुनीर- शहबाज के बीच सीक्रेट बैठक

पाकिस्तान में 10 साल सरकार चलाने का प्लान, इमरान का चैप्टर बंद

इस्लामाबाद, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर क्या साल 2030 के बाद भी देश का नेतृत्व करेंगे? रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के साथ मिलकर 10 सालों का एक प्लान तैयार किया है। अगर इस प्लान को अमलीजामा पहनाया जाता है तो साल 2030 के बाद भी असीम मुनीर के ही चुंगल में पाकिस्तान फंसा रहेगा। सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि इस नये प्लान का मतलब सरकार और सेना को एक साथ आकर देश चलाना है, लेकिन हकीकत ये है कि इससे नवाज शरीफ के घर में ही सरकार रहेगी और असीम मुनीर और ज्यादा ताकतवर हो जाएंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ के मुर्री स्थित निजी फार्महाउस में हुई एक बंद कमरे में हुई बैठक में लिया

गया है। इस बैठक में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज, फील्ड मार्शल असीम मुनीर और ISI महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक शामिल हुए थे। इस बैठक के दौरान, देश में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए 10 साल की व्यवस्था की निरंतरता योजना पर आम सहमति बनी है। आपको बता दें कि नवाज शरीफ अपने घर में ही सरकार रखना चाहते हैं, जबकि इतिहास में ऐसा एक बार भी नहीं हुआ है, किसी भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अपने पांच साल का कार्यकाल पूरा किया हो। आपको बता दें कि असीम मुनीर का कार्यकाल इसी साल नवंबर में खत्म हो रहा है। लेकिन उनके कार्यकाल को बढ़ाने की बात चल रही है। पाकिस्तान आर्मी एक्ट 1952 में संशोधनों के तहत उनके कार्यकाल को पांच साल का एक्सटेंशन देने की बात हो रही है। जिसके बाद साल 2030 तक वही सत्ता में बने रहेंगे। पाकिस्तान के ज्यादातर आर्मी चीफ निश्चित तौर पर एक्सटेंशन लेते हैं। असीम मुनीर से पहले के आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा को भी इमरान खान ने तीन सालों का एक्सटेंशन दिया था और इस दौरान बाजवा ने इमरान खान को ही निपटा दिया। नवाज शरीफ के फार्महाउस पर हुई बैठक में तय किया गया है कि नवाज शरीफ, शहबाज शरीफ और असीम मुनीर, तीनों मिलकर फैसला किया करेंगे। खासकर सैन्य नियुक्तियों को लेकर। यानी आईएसआई, मिलिट्री इंटेलिजेंस और काउंटरइंटेलिजेंस जैसे अहम पद अब राजनीतिक-सैन्य सहमति से तय होंगे। यह व्यवस्था पाकिस्तान के हाइब्रिड गवर्नेंस मॉडल की तरफ बढ़ाए गये कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

अफगानिस्तान में फिर कांपी धरती

4.8 तीव्रता का भूकंप आया, बीती रात भी लगे थे झटके

काबुल, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में विनाशकारी भूकंप आने के बाद से लगातार धरती का कांपना जारी है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के एक बयान में बताया गया कि गुरुवार को अफगानिस्तान में फिर से 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 135 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप की तीव्रता 4.8 मापी गई। यह 4 सितंबर को सुबह 10:40 बजे 135 किलोमीटर की गहराई में आया।

इससे पहले इससे पहले बुधवार देर रात यहां 10 किलोमीटर की गहराई में भूकंप दर्ज किया गया था, जिससे आफ्टरशॉक का खतरा बढ़ गया था। 'X' पर एक पोस्ट में एनसीएस ने बताया कि अफगानिस्तान में रात 23:53 बजे 10 किलोमीटर की गहराई में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

31 अगस्त की रात आए भूकंप ने मचाई तबाही

इस बीच खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अफगानिस्तान के भूकंप प्रभावित कुनार और नंगरहार प्रांतों में आपातकालीन सहायता भेजी है, जहां 1400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और 3,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। शुरुआती सहायता सामग्री में खाद्य सामग्री और उच्च-ऊर्जा वाले बिस्कुट शामिल हैं। आगे की सहायता और कर्मियों को पहुंचाने के लिए अतिरिक्त उड़ानें निर्धारित की गई हैं।

इससे पहले मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया था कि भारतीय भूकंप सहायता हवाई मार्ग से काबुल पहुंच गई है। उन्होंने कहा, 'भारतीय भूकंप सहायता हवाई मार्ग से काबुल पहुंच गई है। कंबल, टेंट, स्वच्छता किट, जल भंडारण टैंक, जनरेटर, रसोई के बर्तन, पोर्टेबल वाटर प्यूरीफायर, स्लीपिंग बैग, आवश्यक दवाइयां, व्हीलचेयर, हैंड सैनिटाइजर, जल शोधन गोलियां, ओआरएस घोल और चिकित्सा उपभोग्य सामग्रियों सहित 21 टन राहत सामग्री आज हवाई मार्ग से पहुंचाई गई।'

गाजा पर कब्जा कर इमारतें बेचेंगे ट्रम्प

दुबई जैसा बनाएंगे, फिलिस्तीनियों को गाजा छोड़ने के बदले 4 लाख रुपए और 4 साल का रेंट मिलेगा

गाजा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले 23 महीनों से इजराइली हमलों के चलते गाजा पट्टी पूरी तरह से तबाह हो गई है। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की गाजा को दुबई जैसा टूरिस्ट और फाइनेंशियल स्पॉट बनाने की योजना सामने आई है।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक एक 38 पेज की सरकारी दस्तावेज में गाजा को हाई-टेक मेगासिटी में बदलने की योजना का जिक्र है। इस योजना को 'गाजा रीकंस्ट्रक्शन, इकोनॉमिक एक्सेलरेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशनल ट्रस्ट' (GREAT) नाम दिया गया है।

इसे करीब 9 लाख करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। ट्रम्प इन इमारतों को ऊंचे दामों पर बेचेंगे। वहीं, इसके लिए 20 लाख लोगों को निकाला जाएगा, जिन्हें शहर छोड़ने के बदले 4 लाख रुपए और बसने के लिए 4 साल तक का किराया दिया जाएगा। साथ ही एक साल तक फ्री भोजन भी देने की बात कही गई है।

दस्तावेज में ट्रम्प, एलन मस्क और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस

मोहम्मद बिन सलमान का जिक्र है। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों और एक्सपर्ट्स ने इसे गाजा से लोगों को निकालने और नरसंहार की साजिश करार दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक गाजा से लोगों को निकाल कर मिस्र, कतर जैसे देशों में रखा जाएगा या फिर फिलिस्तीन के ही किसी एक क्षेत्र में रखा जाएगा।

323 वर्ग फीट के छोटे घरों में रहेंगे विस्थापित लोग

इन लोगों को तब तक गाजा से बाहर रहना होगा, जब तक इलाके का पुनर्विकास नहीं हो जाता। जमीन मालिकों को उनकी संपत्ति के बदले डिजिटल टोकन दिए जाएंगे, जबकि रहने वालों को 323 वर्ग फीट के छोटे घरों में रहना होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक जितने लोग गाजा छोड़ेंगे, निवेश उतना घटेगा। हर 1% आबादी के विस्थापन से 40 हजार करोड़ रुपए बचेंगे। गाजा योजना में ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर और पूर्व ब्रिटिश पीएम टोनी ब्लेयर की भूमिका अहम है। कुशनर पहले भी गाजा के वॉटरफ्रंट को मूल्यवान संपत्ति बताते रहे हैं।

AI-संचालित मेगासिटी और एलन मस्क मैन्युफैक्चरिंग पार्क बनेगा

योजना में गाजा को सऊदी अरब के नियोम प्रोजेक्ट की तर्ज पर 8 AI-संचालित मेगासिटी और एक 'एलन मस्क मैन्युफैक्चरिंग पार्क' में बदलने की बात है, जो पहले इजराइल के नष्ट किए गए ईरेज औद्योगिक क्षेत्र पर बनेगा।

गाजा की सीमा के पास की कृषि भूमि को इजराइल के लिए सुरक्षा बफर जोन में बदला जाएगा।

गाजा को 10 सालों तक अमेरिकी ट्रस्टीशिप के तहत चलाया जाएगा। रिपोर्ट में इस योजना के पीछे का मकसद भारी मुनाफा कमाना है। यह योजना कुछ इजराइली विशेषज्ञों और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के विशेषज्ञों ने तैयार की है।

इजरायल के वेस्ट बैंक प्लान पर भड़का मुस्लिम दोस्त यूएई

अमेरिका को दे डाली चेतावनी, अब्राहम अकॉर्ड पर मंडराया खतरा

अबू धाबी, 4 सितंबर (एजेंसियां)। इजरायल और अरब देशों के बीच संबंधों को बहाल करने वाले अब्राहम समझौते पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 5 साल पहले सितम्बर 2020 में इस समझौते की नींव पड़ी थी, जिसके तहत कई अरब देशों ने इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य किया था। लेकिन अब खाड़ी के मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इसे लेकर ट्रंप प्रशासन को चेतावनी दी है। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, यूएई ने कहा है कि इजरायल के वेस्ट बैंक पर कब्जा करने से अब्राहम समझौते को नुकसान पहुंचेगा और इसे आगे बढ़ाने की राष्ट्रपति ट्रंप की उम्मीद कमजोर होगी।

यूएई की चेतावनी ऐसे समय में सामने आई है, जब इजरायल इस महीने के अंत में फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक वाले इलाके के बड़े हिस्से पर कब्जा करने की योजना पर विचार कर रहा है। इसे पश्चिमी देशों के फिलिस्तीन देश को मान्यता दिए जाने के जवाब में कदम बताया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एकमात्र ऐसी शख्सियत हैं, जो इसे रोक सकता है। इस चेतावनी के जरिए यूएई ट्रंप प्रशासन को यह संदेश देना चाहता है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति इजरायल को नहीं रोकते हैं तो उनकी विदेश नीति के महत्वपूर्ण कामों में समझे जाने वाले एक काम पर पानी फिर सकता है। इसके पहले संयुक्त अरब अमीरात ने इजरायल को चेतावनी दी थी कि वेस्ट बैंक पर कब्जा करना 'रेड लाइन' को पार करना होगा। यह अब्राहम समझौते की भावना को कमजोर करेगा, जिसने दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाया था। एक सीनियर अमीराती अधिकारी ने कहा कि यह कदम इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के दो-राज्य समाधान के लिए मौत की घंटी होगा।

चीन से किम जोंग का जूठा गिलास ले गए बॉडीगार्ड्स

पुतिन से मुलाकात के बाद फिंगरप्रिंट भी मिटाए, सीक्रेट जानकारी लीक होने का खतरा

बीजिंग, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने बुधवार को चीन की राजधानी बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। डेली मेल के मुताबिक, इस मुलाकात के बाद किम जोंग के गार्ड्स उनका जूठा गिलास अपने साथ ले गए। उन्होंने उस कुर्सी-टेबल को भी सावधानी से साफ कर दिया, जिस पर किम बैठ थे।

रूसी पत्रकार अलेक्जेंडर युनाशेव ने बताया कि मीटिंग के बाद कुर्सी, टेबल और आस पास की चीजों को इस तरह साफ किया कि उन पर किम का कोई निशान नहीं छूट जाए।

एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि ये रूस और चीन की जासूसी से बचने की कोशिश हो सकती है या फिर किम अपनी हेल्थ की जानकारी छिपाना चाहते हैं। किसी

नेता के फिंगर प्रिंट और मल-मूत्र से उसके डीएनए और हेल्थ से जुड़ी सीक्रेट जानकारी पता की जा सकती है। फिंगरप्रिंट से किसी भी इंसान के सीक्रेट दस्तावेज तक पहुंच हासिल की जा सकती है। फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल फोन, लैपटॉप, और सीक्रेट ठिकानों में एंट्री के लिए भी होता है।

किसी भी देश के नेता का स्वास्थ्य 'टॉप सीक्रेट' माना जाता है। अगर ये जानकारी बाहर आ जाए तो दुश्मन देश उसकी कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं। विदेशी एजेंसियां स्वास्थ्य रिपोर्ट लीक कर यह छवि बना सकती हैं कि राष्ट्रपति कमजोर या बीमार हैं। इससे घरेलू राजनीति और जनता का भरोसा डगमगा सकता है। यही वजह है कि दुनिया के कई देशों की सिक्योरिटी एजेंसी विदेश दौरे पर अपने नेता के फिंगरप्रिंट साफ कर देती हैं और उनके मल-मूत्र वापस ले जाती है।

पत्रकार युनाशेव के मुताबिक, किम और पुतिन की मुलाकात अच्छी रही। दोनों नेता खुश थे और बाद में साथ में चाय पीने गए। किम ने पुतिन से कहा- अगर मैं रूस के लिए कुछ कर सकता हूं, तो मुझे खुशी होगी।

पुतिन ने उत्तर कोरिया को यूक्रेन में सैनिक भेजने के लिए शुक्रिया कहा। कोविड-19 के बाद किम जोंग का यह पहला चीन दौरा था।

अलास्का में भारत और अमेरिकी सेना का युद्धाभ्यास

चीन के खिलाफ हिमालय में लड़ाई की है प्रैक्टिस? सी-यूएएस ट्रेनिंग क्या है?

अलास्का, 4 सितंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध के बावजूद भारत और अमेरिका के सैनिक अलास्का में युद्धाभ्यास कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि भारत और अमेरिका के स्ट्रैटजिक संबंध इतने भी कच्चे नहीं हैं कि ट्रंप की वजह से टूट जाएं। भारत और अमेरिकी सैनिकों के बीच 1 सितंबर से अलास्का में 'युद्ध अभ्यास 2025' शुरू हुआ है, जिसके तहत दोनों ही देशों की सेना हाई एल्टीट्यूट वातावरण में कठिन युद्धाभ्यास कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ये युद्धाभ्यास हाई-एल्टीट्यूड वारफेयर, ड्रोन (यूएएस) और काउंटर-ड्रोन (सी-यूएएस) ऑपरेशंस पर आधारित है। इसके अलावा इसका फोकस हेलीबोर्न ऑपरेशन, सर्विलांस सिस्टम के इस्तेमाल, पर्वतीय युद्ध और तोपखाने, विमानन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध

सिस्टम के इंटीग्रेशन पर फोकस है। एक सितंबर को शुरू हुआ ये एक्सरसाइज 14 सितंबर तक चलेगा। भारतीय रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय दल में मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के कर्मी शामिल हैं, जो 5वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट के अमेरिकी सैनिकों के साथ ट्रेनिंग लेंगे, जिन्हें आर्कटिक वोल्व्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम के बॉबकैट्स के रूप में भी जाना जाता है, जो अमेरिकी 11वीं एयरबोर्न डिवीजन का हिस्सा है। इसके अलावा, दोनों सेनाओं के एक्सपर्ट्स यूएएस और काउंटर-यूएएस ऑपरेशन, कम्युनिकेशन वॉरफेयर, संचार और रसद जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर एक्सरसाइज करेंगे।

अमेरिकी सेना के बयान में कहा गया है, कि यह क्षेत्रीय साझेदारी को मजबूत करने और एक स्वतंत्र एवं खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाए रखने की यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड की रणनीति का भी समर्थन करता है।

भारत और अमेरिकी सैनिकों के बीच ये युद्धाभ्यास हर साल बारी-बारी से भारत और अमेरिका में आयोजित किया जाता है। इस बार अलास्का चुना गया है, जो अमेरिकी सैन्य रणनीति के लिहाज से बेहद संवेदनशील इलाका है।

अर्थशास्त्री ने भारत को 21 टुकड़ों में तोड़ने का पोस्ट किया

विएना, 4 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रियाई अर्थशास्त्री गुन्थर फेलिंगर-जान ने बुधवार को भारत को 21 हिस्सों में बांटने का विवादास्पद मैप पोस्ट किया। उन्होंने सोशल मीडिया X पर लिखा कि भारत को कई हिस्सों में तोड़ देना चाहिए।

उन्होंने कहा- मैं भारत को कई हिस्सों (EX-इंडिया) में तोड़ने की मांग करता हूं। नरेंद्र मोदी रूस समर्थक हैं। हमें खालिस्तान आजादी का समर्थक होना चाहिए। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक विवादास्पद नक्शा भी शेयर किया, जिसमें भारत के हिस्सों को पाकिस्तान, नेपाल और खालिस्तान में दिखाया।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि हम नाटो को और बड़ा करेंगे, यूक्रेन में जीत हासिल करेंगे और रूस, चीन व भारत को तोड़कर उनके नए बने देशों को नाटो और डब्ल्यूटीओ में शामिल करेंगे।

शिवसेना (उद्धव) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इसका विरोध करते हुए लिखा- यह क्या पागलपन है? विदेश मंत्रालय को यह मामला ऑस्ट्रियाई दूतावास के सामने उठाना चाहिए। गुन्थर यूक्रेन, कोसोवो, बोस्निया और ऑस्ट्रिया के लिए नाटो सदस्यता की वकालत करने वाली ऑस्ट्रियाई समिति के अध्यक्ष हैं। वे रूस के खिलाफ सख्त रवैया रखते हैं और ऑस्ट्रिया की न्यूट्रल पॉलिसी की आलोचना करते हैं।

चीनी सैन्य परेड के हथियारों से क्वाड के किन देशों को खतरा

बीजिंग, 4 सितंबर (एजेंसियां)। चीन ने 3 सितंबर को बीजिंग में एक भव्य विक्ट्री डे परेज का आयोजन किया। इस दौरान चीन ने दुनिया को अपनी सैन्य शक्ति प्रदर्शित की। चीन ने दर्जनों हथियारों को पहली बार प्रदर्शित किया, जो अमेरिका समेत किसी भी महाशक्ति के लिए अभी तक एक सपना है। चीनी परेड में मुख्य रूप से क्रूज मिसाइलों और हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल की एक बड़ी श्रृंखला प्रस्तुत की गई। वहीं, कई ऐसी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का भी प्रदर्शन किया गया, जो दुनिया के किसी भी एयर डिफेंस सिस्टम को मात देने में सक्षम हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या चीनी सैन्य परेड क्वाड के सदस्य देशों भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान

को परेशान कर सकती है।

चीन ने मुख्य रूप से यिंगजी (ईगल स्ट्राइक) फैमिली के वाइजे-15, वाइजे-17, वाइजे-19 और वाइजे-20 एंटी शिप मिसाइलों को दिखाया, जो किसी भी देश की नौसेना को पलक झपकते मिट्टी में मिला सकते हैं। इसके अलावा चीन ने वाइजे-21 का भी प्रदर्शन किया, जिसे कैरियर किलर के रूप में जाना जाता है। इस मिसाइल को खासकर अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियरों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इनके अलावा डीएफ-61, डीएफ-31बीजे, डीएफ-26डी, डीएफ-17, डीएफ-5सी, JL-3 और JL-1 मिसाइलों को खास तौर पर दुनिया को दिखाया गया। चीन ने डोंगफेंग-17 (डीएफ-17) हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल को भी प्रदर्शित किया। डोंगफेंग-61 (डीएफ-61), एक मोबाइल अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल है। चीन ने इस परेड में पहली बार डीएफ-61 मिसाइल को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। डीएफ-61 की ऑपरेशनल रेंज 12,000 से 15,000 किलोमीटर तक है, जो चीन को वैश्विक पहुंच प्रदान करता है। माना जाता है कि डीएफ-61 मिसाइल 10 एमआइआरवी तक ले जाने में सक्षम है। साइलो-आधारित डीएफ-5सी की तरह, डीएफ-61 भी एक तरल-ईंधन वाली मिसाइल है, जो लंबी दूरी तक सटीक मार कर सकती है।

हैती में गिरोहों से निपटेगा 5550 सैनिकों वाला नया बल

संयुक्त राष्ट्र, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और पनामा ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से आग्रह किया है कि हैती में बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए 5,550 सदस्यों वाले एक नए अंतरराष्ट्रीय बल को मंजूरी दी जाए और इस बल को गिरोहों के सदस्यों को हिरासत में लेने की शक्ति भी दी जाए। दोनों देशों ने यूएनएससी के सामने एक मसौदा रखा है, जिसमें हैती में पहले से तैनात केन्या के अगुवाई वाले बल को बदलने की बात कही गई है। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

राजधानी के 90 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुके गिरोह

सबसे पहले केन्या के सैनिक जून 2024 में हैती पहुंचे थे। बल में शुरुआत में सैनिकों की संख्या ढाई हजार होनी थी, लेकिन फंड की कमी के कारण इस संख्या को फिहलाल एक हजार से भी कम रखा गया है। हैती में 2021 में राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज की हत्या के बाद से गिरोहों की ताकत काफी बढ़ गई है। ये गिरोह अब राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस के नब्बे फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुके हैं और गांवों तक अपना नेटवर्क फैला चुका हैं।

इन गिरोहों के सदस्य लूटपाट, अपहरण, यौन हिंसा और दुष्कर्म जैसे अपराधों में शामिल हैं। राष्ट्रपति की हत्या के बाद से हैती में कोई निर्वाचित राष्ट्रपति नहीं है।

छत्तीसगढ़ में 16 हजार एनएचएम-कर्मचारियों ने दिया इस्तीफा

25 कर्मी बर्खास्त किए गए, इनमें प्रदेश संरक्षक-महासचिव भी शामिल, 18 दिन से हड़ताल जारी

रायपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के 16 हजार संविदा एनएचएम कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। रायपुर जिला एनएचएम संघ के संगठन मंत्री अमन दास ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि, सीएमएचओ डॉ मिथिलेश चौधरी ने कहा कि ज्ञापन लिया गया है, लेकिन स्वीकार नहीं किया गया है।

इसके अलावा दुर्ग में भी 850 एनएचएम कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दिया। बता दें कि छत्तीसगढ़ में एनएचएम संविदा कर्मचारियों की हड़ताल 18 दिन से जारी है। अब स्वास्थ्य विभाग की चेतावनी के बाद एक्शन शुरू हो गया है। बुधवार को 25 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें एनएचएम संविदा कर्मचारी संगठन के प्रदेश संरक्षक हेमंत सिन्हा और महासचिव कौशलेश तिवारी के नाम भी शामिल हैं।

इस कार्रवाई पर एनएचएम संविदा कर्मचारियों का कहना है कि, सिस्टम दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। बातचीत के रास्ते शासन-प्रशासन स्तर पर बंद कर दिए गए हैं। ऐसे में प्रोटेस्ट ही एक मात्र विकल्प है, जो जारी रहेगा। बता दें कि, कर्मचारियों ने अलग-अलग तरह से प्रदर्शन किया। पीएम-सीएम और स्वास्थ्य मंत्री का मुखौटा पहनकर डांस किए। खून से लेटर भी लिख चुके हैं। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) संविदा कर्मचारी 18 अगस्त से हड़ताल पर हैं। इसके चलते स्वास्थ्य सेवाएं ठप हैं। एनएचएम कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अलग-अलग तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। खून से सरकार को लेटर तक लिख चुके हैं।

वहीं सरकार एनएचएम कर्मियों की 10 में से पांच मांगें पूरी करने का आश्वासन भी दे चुकी है। लेकिन बात नहीं बन पाई है। इस बीच सोमवार को हड़ताल पर बैठे सभी एनएचएम संविदा कर्मचारियों को 24 घंटे के भीतर काम पर लौटने का आदेश दिया गया था। आदेश नहीं मानने पर बर्खास्त करने की चेतावनी दी गई थी। आदेश के जवाब में एनएचएम कर्मी मंगलवार को स्वास्थ्य संचालनालय पहुंचे। यहां कर्मचारियों ने आदेश की प्रति संचालनालय के सामने ही जला दी। संविदा कर्मियों का साफ कहना है कि जब तक उनकी मांग नहीं मानी जाएगी, प्रदर्शन जारी रहेगा।

इससे पहले 25 अगस्त को सभी मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों को पत्र जारी कर 18 अगस्त से गैरमौजूद कर्मचारियों की सूची मांगी गई है। लिखा गया था कि ये सूची नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए चाहिए।

एनएचएम कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अलग-अलग तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। खून से सरकार को लेटर तक लिख चुके हैं। कर्मचारियों के पैरोडी गाने और डांस सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

धमतरी में छत्तीसगढ़ी गाने 'मोर पथरा के देवता मानत नई हे वो' पर डांस कर विरोध जताया गया। जिसका मतलब होता है- मेरे देवता मान नहीं रहे हैं।

पुरुष कर्मचारी सीएम विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का मुखौटा लगाए हुए थे। उनके सामने महिला कर्मचारी पैरोडी गीत पर डांस कर रहीं थीं। इसी तरह 'तड़पाओगे तड़पा लो', क्या हुआ तेरा वादा गाने के जरिए भी प्रदर्शन किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा था कि, कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया है। 10 में से 5 मांगें पूरी करने का आश्वासन एनएचएम कर्मियों को दिया चुका है। बाकी मांग पूरी करना उनके हाथ में नहीं, इसके लिए वो केन्द्र से सिफारिश करेंगे।

बैज बोले- भाजपा अपने भवन का नाम बदल दे

भाजपा के पोस्ट पर पलटवार किया, रविंद्र चौबे ने दीपक को मैच्योर अध्यक्ष बताया

रायपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भूपेश छत्तीसगढ़ कांग्रेस का नेतृत्व करें, रविंद्र चौबे के इस बयान के बाद प्रदेश में सियासी बवाल मचा हुआ है। इस बीच दीपक बैज और चौबे ने राजीव भवन में मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद चौबे ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को मैच्योर अध्यक्ष बताते हुए उनके नेतृत्व में पार्टी के अगले चुनाव में मजबूती से उतरने की बात कही। उन्होंने कहा कि, भूपेश बघेल के जन्मदिन पर भ्रम फैलाया गया। मीडियो पर बातों को गलत तरीके से पेश किया गया। वहीं बीजेपी के सोशल मीडिया पोस्ट पर बैज ने कहा कि भाजपा को अपने भवन का नाम 'नमक हराम' कर देना चाहिए।

बता दें कि चरणदास महंत के चमचा वाले बयान पर भाजपा ने सोशल मीडिया साइट x पर कार्टून पोस्ट कर कांग्रेस भवन को चमचा भवन बताया था।

रविंद्र चौबे पर एक्शन के प्रस्ताव पारित करने के सवाल पर दीपक बैज ने कहा की घर की बात है पार्टी की बात है रविंद्र चौबे जी ने आज मुलाकात की है। बहुत सारे विषयों पर उनसे चर्चा हुई है।

हमारे नेता खड़गे जी ने कहा है कलेक्टिव लीडरशिप से हम भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ में लड़ रहे हैं। आगे भी कलेक्टिव लीडरशिप से लड़ेंगे कांग्रेस मजबूती के साथ सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी।

प्रस्ताव पारित होने से इनकार करने के सवाल पर दीपक ने कहा कि यह घर की बात है आप लोग इसको तिल का ताड़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं, यह उचित नहीं है। रविंद्र चौबे हमारे वरिष्ठ नेता है, मध्य प्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ में मंत्री के पद में रहे हैं। आने वाले समय में हम लोग पार्टी को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे।

एनएचएम कर्मियों की हड़ताल पर बैज ने कहा कि मोदी गारंटी के नाम पर वोट तो लिए गए, लेकिन अब कर्मचारियों को धमकाया जा रहा है। नौकरी से निकाला जा रहा। समाधान के लिए संवाद जरूरी है।

इससे पहले जिलाध्यक्षों और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में रविंद्र चौबे के खिलाफ सर्वसम्मति से अनुशासनात्मक कार्रवाई करने सिफारिश की गई थी। दरअसल, रायपुर के राजीव भवन में बुधवार को बैठक के दौरान रविन्द्र चौबे के नेतृत्व परिवर्तन वाले बयान पर 2 जिला अध्यक्ष आपस में भिड़ गए। जगदलपुर जिलाध्यक्ष सुशील मौर्य ने चौबे के बयान को अनुशासनहीनता बताते हुए आपत्ति जताई।

जबकि, दुर्ग ग्रामीण जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि, चौबे ने भूपेश बघेल के जन्मदिन पर उनकी तारीफ की थी। इसमें गलत कुछ नहीं है। जन्मदिन पर इस तरह की बातें कही जाती हैं। वहीं, चौबे अपने बयान पर सफाई भी दे चुके हैं।

रविंद्र चौबे के खिलाफ अनुशासनहीनता को लेकर बैठक में जिला अध्यक्षों ने कहा कि, यह देखा गया है कि जब छोटे कार्यकर्ता कुछ गलती करते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई कर दी जाती है। लेकिन बड़े नेताओं के मामले में उदासीनता बरती जाती है।

इस पर बाकी जिलाध्यक्षों और महामंत्रियों ने कहा कि, ऐसे मामलों में भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इसलिए अब पूर्व मंत्री कांग्रेस के सीनियर लीडर रविन्द्र चौबे पर कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है।

वहीं, बैठक में पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के मामले में भी अब तक कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करने को लेकर सवाल उठाए गए।

नए कर्मचारी को 11 हजार वोल्ट ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ाया, झुलसा

रीढ़ की हड्डी टूटी, फेफड़े डैमेज, पैर नहीं कर रहे काम, दुर्ग में डेढ़-महीने पहले लगी थी नौकरी

दुर्ग, 4 सितंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में बिजली विभाग की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। धमधा के ग्राम पगबंधी ठेलका सब स्टेशन से जुड़े लाइनमैन संतोष तिवारी ने महज डेढ़ महीने पहले नौकरी में आए अनुभवहीन कर्मचारी राम वर्मा (32) को 11 हजार वोल्ट के ट्रांसफॉर्मर पर काम करने चढ़ा दिया। बिना बिजली बंद कराए और बिना किसी सेफ्टी प्रोटोकॉल अपनाए ट्रांसफॉर्मर का डियो और फ्यूज काटकर ट्रांसफॉर्मर निकालने की जिम्मेदारी राम वर्मा को दी गई। इसी दौरान उसे करंट का जोरदार झटका लगा और वह मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल राम वर्मा का इलाज फिलहाल भिलाई के स्पर्श अस्पताल में चल रहा है। परिजनों ने बताया कि, डॉक्टरों के अनुसार उनकी रीढ़ की हड्डी पूरी तरह टूट चुकी है। फेफड़े भी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और फिलहाल दोनों पैर काम नहीं कर रहे। हालत नाजुक बनी हुई है और डॉक्टर लगातार इलाज में जुटे हैं।

घटना के बाद जिम्मेदार लाइनमैन संतोष तिवारी का फोन लगातार बंद आ रहा है। विभाग के भीतर भी सवाल उठ रहे हैं कि अनुभवहीन कर्मचारी को इतना जोखिम भरा काम क्यों सौंपा गया। बिना बिजली बंद कराए ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ाने की अनुमति कैसे दी गई। घटना के बाद से तिवारी के लापता होने से परिजन आक्रोशित हैं। पीड़ित के परिजनों ने बताया कि, मामा डेढ़ महीने पहले ही वहां काम करने गए थे।

नक्सल मोर्चे पर बड़ी सफलता

महिला नक्सली समेत पांच नक्सली गिरफ्तार, विस्फोटक सामग्री भी बरामद

रायपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सुकमा के थाना चिंतलनार क्षेत्र में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें एक महिला नक्सली भी शामिल है। गिरफ्तार नक्सलियों में एक पर सरकार ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। ये सभी नक्सली सुरक्षा बलों को नुकसान पहुँचाने के लिए आईईडी प्लांट करने की तैयारी में लगे हुए थे। हालांकि पुलिस ने समय रहते इनके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। कार्रवाई के दौरान उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। इसमें फटाका, जिलेटिन रॉड, डेटोनेटर, कोर्डेक्स वायर, बैटरियां और रेडियो सहित कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि इस सामग्री का इस्तेमाल सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए किया जाना था। गिरफ्तार नक्सलियों के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। इस संयुक्त कार्रवाई में पुलिस और सीआरपीएफ की कई टुकड़ियों ने भाग लिया। अधिकारियों का कहना है कि यह ऑपरेशन नक्सल उन्मूलन अभियान की बड़ी सफलता साबित हुआ है। इससे पहले एक सितंबर को सुकमा के थाना चिंतागुफा क्षेत्र में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली थी। ग्राम पेंटापाड़ के पास गश्त और सर्चिंग के दौरान तीन सक्रिय नक्सली विस्फोटक सामग्री के साथ पकड़े गए थे। ये नक्सली सुरक्षा बलों को नुकसान पहुँचाने की नियत से आईईडी प्लांट करने की तैयारी में थे। गिरफ्तार नक्सलियों के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जेल भेजा गया था।

बिना वजह पति से दूरी बनाना मानसिक क्रूरता

10 साल से मायके में पत्नी, हाईकोर्ट में तलाक मंजूर 15 लाख गुजारा-भत्ता देगा एसईसीएल अफसर

बिलासपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पत्नी ने बिना पर्याप्त कारण वैवाहिक जीवन से दूरी बनाई, यह पति के प्रति मानसिक क्रूरता है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पारिवारिक विवाद में फैसला सुनाते हुए पति की तलाक मंजूर कर ली है। पत्नी पिछले 10 साल से मायके में रह रही है। जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिवीजन बेंच ने कहा कि, पत्नी और बेटी पूरी तरह से उस पर आश्रित हैं। इसलिए पति को 6 महीने के भीतर पत्नी को 15 लाख रुपए स्थायी गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है।

दरअसल, कोरबा निवासी एसईसीएल अधिकारी की साल 2010 में शादी हुई। पति का आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद से पत्नी वैवाहिक कर्तव्यों से इनकार करने लगी। साथ ही संयुक्त परिवार से अलग रहने का दबाव बनाने लगी। इसके बाद वो मायके चली गई और साल 2011 से मायके में रह रही है। पति का आरोप था कि उसने कई बार पत्नी को वापस लाने की कोशिश की। यहां तक की कोर्ट में अर्जी भी लगाई, लेकिन पत्नी तैयार नहीं हुई। दूसरी ओर पत्नी ने पति और उसके परिवार पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और पांच लाख रुपए मांग करने का आरोप लगाया था। उसने 498ए, घरेलू हिंसा और भरण-पोषण के मामले भी दर्ज कराए। हालांकि कोर्ट ने 2021 में पति और उसके परिवार को सभी आरोपों से बरी कर दिया था।

कोरबा फैमिली कोर्ट ने 2017 में पति की तलाक की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि, वह क्रूरता और परित्याग साबित नहीं कर सका।

लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि उपलब्ध दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्यों से साफ है कि पत्नी ने बिना पर्याप्त कारण के वैवाहिक जीवन से दूरी बनाई।

भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस से टकराया हाथी

चक्रधरपुर के सागरा-सोनाखान के बीच हादसा क्रेन की मदद से घायल हाथी को हटाया गया

चाईबासा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। चक्रधरपुर रेल मंडल में गुरुवार तड़के बड़ा रेल हादसा हुआ। सुबह करीब 5 बजे सागरा-सोनाखान रेलवे स्टेशन के बीच भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन की चपेट में एक हाथी आ गया। हादसा डाउन लाइन के किलोमीटर संख्या 453/24 पर हुआ। हाथी के घायल होने से हावड़ा-मुंबई मेन लाइन पर रेल परिचालन पूरी तरह बाधित हो गया। इस वजह से कई ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा।

सूचना मिलते ही राजगांगपुर से वन विभाग और रेलवे की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से घायल हाथी को ट्रैक से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि हाथी को सुरक्षित हटाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है, ताकि जल्द से जल्द रेल यातायात बहाल हो सके।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में घायल यह मादा हाथी पिछले कुछ दिनों से अपने झुंड से अलग होकर इधर-उधर भटक रही थी। स्थानीय लोगों ने कई बार इसे इलाके में अकेले घूमते देखा था। सुबह ट्रैक पार करने के दौरान अचानक भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस सामने आ गई और टक्कर हो गई। हाथी के पिछले पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।

हादसे के बाद रेल परिचालन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस को सोनाखान से पहले ही रोक दिया गया। ट्रेन नंबर 22358 को राजगांगपुर में सुबह 5:24 बजे रोकना पड़ा। इसके अलावा कई अन्य ट्रेनों को भी विभिन्न स्टेशनों पर खड़ा कर दिया गया है।

वन विभाग की टीम ने घायल हाथी को प्राथमिक उपचार देने के लिए मेडिकल टीम को बुलाया है।

ठगी के आरोप में शमीम अख्तर गिरफ्तार

गाड़ी दिलाने के नाम पर लोगों से की थी ठगी, गांडेय विधानसभा से लड़ चुका है चुनाव

गिरिडीह, 4 सितंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले में शमीम अख्तर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शमीम पर राधास्वामी संगठन के नाम पर ठगी का आरोप है। वो राधास्वामी संगठन का पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुका है। पिछले साल जागरूक जनता पार्टी से गांडेय विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था।

पचंबा थाना क्षेत्र के दो लोगों बबलू दास और इसराफिल अंसारी ने शमीम अख्तर पर ठगी का आरोप लगाया। आरोप है कि शमीम ने दोपहिया वाहन दिलाने के नाम पर पीड़ितों से गाड़ी की कीमत का 60 प्रतिशत राशि वसूल किया। बाकी राशि राधास्वामी संगठन द्वारा भुगतान कराने का वादा किया।

पीड़ितों की ईएमआई लगातार 3-4 बार बाउंस होने के बाद मामला सामने आया। पुलिस पूछताछ में शमीम अख्तर ने स्वीकार किया कि उसने करीब 1200 लोगों को गाड़ी दिलाने का काम किया है। राधास्वामी संगठन गिरिडीह जिले के विभिन्न प्रखंडों में लोगों को 60-70 प्रतिशत कम कीमत पर दोपहिया और चारपहिया वाहन दिलाने का काम करता है। पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस लाखों रुपए की संभावित ठगी की जांच कर रही है। इधर, शमीम अख्तर की पत्नी जैतून प्रवीन का कहना है की उसका पति राधा स्वामी संगठन में काम करता था, जिसका प्रदेश अध्यक्ष मुकेश सिन्हा है। उन्होंने मुकेश सिन्हा के खिलाफ थाने में आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की है। इस मामले में राधास्वामी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार सिन्हा ने बताया कि शमीम अख्तर पूर्व में कार्यकर्ता हुआ करता था। शमीम द्वारा ग्रमीणों को ठगा गया। उस पर हमारे कार्यालय में आवेदन दिया गया था।

रेलवे कर्मचारी का फंदे से लटका मिला शव

बोकारो, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बोकारो के बारी कोऑपरेटिव क्षेत्र में रहने वाले रेलवे कर्मचारी विद्यासागर भारती का शव घर में फंदे से लटकता मिला।

विद्यासागर बिहार के आरा जिले के रहने वाले थे और रेलवे में ग्रुप 'सी' पद पर कार्यरत थे।

मृतक की बड़ी बहन पूनम कुमारी ने बताया कि वे पिछले एक साल से डिप्रेशन में थे और लगातार मानसिक रूप से टूटते जा रहे थे।

वे बोकारो जनरल हॉस्पिटल से इलाज करा रहे थे। बाद में उन्हें कोलकाता रेलवे अस्पताल रेफर किया गया। बीमारी के कारण वे कई महीनों से काम पर नहीं जा पा रहे थे। इससे उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी। कर्ज का बोझ भी बढ़ता जा रहा था।

मृतक पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उनके परिवार में पत्नी सोनी देवी के अलावा दो बच्चे हैं। बेटी मात्र 15 दिन की है और बेटा 5 साल का है। सेक्टर 12 पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

स्पा-सेंटर में मसाज कराने बुलाकर सेक्स रैकेट में धकेला

बिलासपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है। पुलिस ने क्लाउड स्पा सेंटर में छापेमारी कर मैनेजर समेत 6 युवतियों को गिरफ्तार किया है। यह सभी लड़कियां दूसरे जिले की हैं, जिन्हें महिला मैनेजर ने मसाज करने के बहाने बुलाया, फिर देह व्यापार में धकेल दिया। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है।

सिटी कोतवाली सीएसपी गगन कुमार ने बताया कि, दयालबंद स्थित होटल इंटरसिटी के सामने गली में संचालित स्पा सेंटर में देह व्यापार की सूचना मिली थी। जिस पर मुखबिर लगाकर इसकी जानकारी जुटाई गई। फिर बुधवार को स्पा सेंटर में दबिश दी गई।

तलाशी में मिले आपत्तिजनक सामान

पुलिस ने बताया कि, युवतियों से टीम ने अलग अलग पूछताछ की। साथ ही स्पा सेंटर की जांच की। इस दौरान स्पा में आपत्तिजनक चीजें भी मिली है। इसे जब्त कर सभी युवतियों को थाने लाया गया है। पुलिस पकड़ी गई सभी युवतियों से पूछताछ कर रही है। युवतियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि, स्पा मैनेजर गोल्डी ने उन्हें काम दिलाने के बहाने स्पा सेंटर में बुलाया, फिर यहीं काम कराने लगे। यहां उन्हें मसाज करने कहा गया, लेकिन बाद में युवतियों को ज्यादा पैसे का लालच देकर देह व्यापार में धकेल दिया गया।

युवतियों के बयान की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस स्पा सेंटर के मैनेजर से भी पूछताछ कर रही है। युवतियों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि, स्पा सेंटर में काम करने वाली युवतियां दूसरे जिलों से यहां पर आकर काम तलाश रही थीं। इसी दौरान स्पा सेंटर के मैनेजर गोल्डी से पहचान हुई।

उसने काम का झांसा देकर युवतियों को स्पा सेंटर में बुलाया। इसके बाद यहां पर उसने युवतियों को देह व्यापार में धकेल दिया। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

बता दें कि, बिलासपुर शहर में स्पा सेंटरों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अक्सर ऐसे सेंटरों की आड़ में अनैतिक गतिविधियों की शिकायतें मिलती रही हैं। इसे लेकर पुलिस मुख्यालय ने भी सख्ती के निर्देश दिए हैं।

एसएसपी रजनेश सिंह के दिशा निर्देश पर ऐहतियात के तौर पर जांच की गई, जिससे ऐसे प्रतिष्ठानों की पारदर्शिता बनी रहे और कोई अवैध कारोबार न पनप सके।

मिनीमाता बांगो बांध में जलस्तर बढ़ने से चार गेट खोले

23420 क्यूसेक पानी हसदेव में छोड़ा

कोरबा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कोरबा में स्थित मिनीमाता बांगो बांध में जल स्तर बढ़ने के कारण चार दरवाजे खोल दिए गए हैं। यह निर्णय मुख्य अभियंता बिलासपुर और अधीक्षण अभियंता कोरबा के साथ चर्चा के बाद लिया गया है।

गुरुवार दोपहर 2 बजे मिनीमाता बांगो बांध का जल स्तर 358.10 मीटर और 90.71% होने के कारण यह निर्णय लिया गया है।

गेट नंबर चार, पांच, छह और आठ को खोलकर बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा रहा है।

गेट नंबर चार को 0.50 मीटर खोलकर 2960 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जबकि गेट नंबर पांच और छह को 1.50 मीटर खोलकर 8750 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। गेट नंबर आठ को 0.50 मीटर खोलकर 2960 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इस प्रकार, बांध से कुल 23420 क्यूसेक पानी हसदेव नदी में छोड़ा गया।

कार्यपालन अभियंता धर्मेंद्र निखरा ने बताया कि बांध के चार गेटों को दोपहर 2:40 बजे खोल दिया गया।

उन्होंने आगे बताया कि बांध के जल स्तर की निगरानी की जा रही है, वहीं बांध से प्रभावित 32 गांव में मुनादी कर अलर्ट जारी कर दिया गया है।

साथ ही बारिश के आधार पर भविष्य में आवश्यकतानुसार बांध के अन्य गेटों को भी खोला जाएगा।

बीमार बहन को जिंदा जलाने पहुंचा बेबस भाई

7 दिन से इलाज के लिए बैठी थी, डॉक्टर बोली-ये लोग पागल हैं, रेफर करो

रायपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल मेकाहारा (रायपुर) में महिला 7 दिनों तक इलाज के लिए भटकती रही। 4 दिनों तक अपने 2 साल के बच्चे को गोद में लेकर एंडोस्कोपी करवाने का इंतजार करती है। वह गले में दर्द से परेशान थी। कुछ खा-पी नहीं रही थी। हताश होकर महिला के भाई ने बहन को जलाने और खुद आत्मदाह करने की चेतावनी दे दी।

तब जाकर डॉक्टर ने उसे जांच के लिए बुलाया। इस दौरान डॉक्टर अपनी जूनियर से कहती दिखी- दे ऑर नॉट मेंटली स्टेबल। इन्हें किसी अच्छे साइकेट्रिक के पास भेजो। इस दौरान पता चला कि शुरुआती जांच करने वाले डॉक्टर ने एंडोस्कोपी के लिए कहा था, लेकिन डॉक्टर्स के बीच कम्युनिकेशन गैप के कारण आगे इलाज नहीं हो रहा था।

बुधवार को शाम 7 बजकर 45 मिनट पर मेकाहारा के इमरजेंसी डिपार्टमेंट में बने मेडिकल ऑफिसर के रूम में एक भाई अपनी 27 साल की बीमार बहन को लेकर खड़ा हुआ। कुछ देर पहले तक यही भाई अपनी बहन को इलाज नहीं मिलने पर गलियारे पर चीख रहा था।

बहन को जलाने और खुद भी आत्मदाह करने की बात कर रहा था। फिलहाल, हताश खड़ा हुआ है। वहीं दूसरी ओर सीएमओ की कुर्सी पर सीनियर महिला डॉक्टर रश्मि अग्रवाल बैठी मिली। दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू होती है। डॉक्टर रश्मि अग्रवाल कहती हैं कि, क्यों तमाशा मचा रखा है। जब तेरी बहन को कुछ हुआ ही नहीं है, तो हम इलाज किस चीज का करें। भाई जवाब में कहता है कि मेरी बहन पिछले 5 दिनों से कुछ खा-पी नहीं पा रही हैं, आप कहती हैं कि कुछ नहीं हुआ। इसके आगे और क्या कुछ बताएंगे। दरअसल, राजू रात्रे 26 अगस्त को अपनी बहन गायत्री बंजारे (27) को खरोरा से मेकाहारा अस्पताल लेकर आए। गायत्री के साथ उनका 2 साल का बच्चा भी साथ आया। गायत्री के गले में बहुत दर्द था। उन्हें कुछ भी निगलते समय दर्द हो रहा था। वह कुछ खा-पी नहीं पा रही थी।

जांच के बाद डॉक्टरों ने कुछ दवाइयां लिखी, लेकिन दर्द ठीक नहीं हुआ। 29 अगस्त को फिर से कई तरह की जांच हुई।

जीएसटी सुधारों को पीयूष गोयल ने बताया 'गेम चेंजर'

कहा– फार्मा से लेकर एमएसएमई को होगा लाभ

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को परिवर्तनकारी बताया है। उन्होंने उद्योग जगत से इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने को कहा है। इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जीएसटी में कटौती से हर उपभोक्ता को लाभ होगा।

अनेक क्षेत्रों पर इसका सकारात्मक असर पडेग़ा

गोयल ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में की गई अनेक पहलों के फलस्वरूप कल जीएसटी में अप्रत्यक्ष करों में जो सुधार किया गया, वह परिवर्तनकारी है। इसका फार्मा क्षेत्र को लाभ होगा। साथ ही किसान से लेकर हमारे एमएसएमई तक अनेक क्षेत्रों पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक हितधारक, प्रत्येक उपभोक्ता को इसका लाभ मिलेगा। जीएसटी सुधारों को गेम चेंजर करार देते हुए मंत्री ने कहा कि यह कदम 2047 तक विकसित भारत बनने की यात्रा में आने वाले महीनों और वर्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जीएसटी में किए गए बड़े बदलाव

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद बीते दिन यानी बुधवार को जीएसटी से जुड़े कई बड़े बदलाव सामने आए। जीएसटी परिषद की ओर से जीएसटी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन को मंजूरी दिए जाने के बाद जीएसटी परिषद ने स्लैब को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत तक सीमित करने को मंजूरी दी। यह 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से प्रभावी होंगे।

पावरग्रिड की पहल पर उन्नत रिंग गैंट्री लीनैक मशीन का उद्घाटन

विशाखापत्तनम, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश राज्य में कैंसर उपचार को बढ़ावा देने के लिए आज होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएच एंड आरसी), विशाखापत्तनम में पहली बार आंध्र प्रदेश में अत्याधुनिक रिंग गैन्ट्री आधारित लीनियर एक्सेलेरेटर (लिनैक) मशीन का उद्घाटन डॉ. यतीन्द्र द्विवेदी, निदेशक (कार्मिक) और वामसी राम मोहन बुर्रा, निदेशक (परियोजनाएं) पावरग्रिड द्वारा डॉ उमेश महंतशेट्टी, निदेशक, एचबीसीएच एंड आरसी, विशाखापत्तनम एवं पावरग्रिड के स्वतंत्र निदेशकों शिव तपस्या पासवान, रोहित वासवानी एवं श्रीमती सजल झा के साथ साथ एचबीसीएच और आरसी के अन्य अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में किया गया ।

32.50 करोड़ रुपये की लागत से बने उन्नत रेडियोथेरेपी उपकरण पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड), एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत प्रदान किए गए थे।

इस अवसर पर डॉ. यतीन्द्र द्विवेदी, निदेशक (कार्मिक) ने पावरग्रिड की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के प्रति प्रतिबद्धता और स्वास्थ्य सेवा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में योगदान करने पर ध्यान केंद्रित करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस जीवनरक्षक तकनीक को इस क्षेत्र के लोगों तक पहुंचाने के लिए होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, विशाखापत्तनम के साथ साझेदारी करके हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं। डॉ. उमेश महंतशेट्टी, निदेशक, एचबीसीएच एंड आरसी, विशाखापत्तनम ने अमूल्य दान के लिए पावरग्रिड का आभार व्यक्त किया। आंध्र प्रदेश

में अपनी तरह की यह पहली, अत्याधुनिक लिनैक मशीन न केवल हमारी उपचार क्षमताओं को बढ़ाएगी, बल्कि स्टेरोटैक्टिक रेडियोथेरेपी, टोटल बॉडी इरेडिएशन, टोटल मैरो इरेडिएशन आदि सहित तेज और अधिक परिष्कृत विकिरण चिकित्सा उपचार की पेशकश करके रोगियों पर बोझ को कम करेगी। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि नई मशीन आंध्र प्रदेश और ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों के हजारों रोगियों की सेवा करेगी। हम पावरग्रिड के उनके उदार समर्थन के लिए हृदय से आभारी हैं जो हमें, सभी लोगों को सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली कैंसर देखभाल प्रदान करने के हमारे मिशन को जारी रखने में मदद करेगा। यह मशीन एचबीसीएच और आरसी, विशाखापत्तनम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह कैंसर रोगियों के प्रत्यक्ष लाभ के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग करती है। विशाखापत्तनम के बारे में होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के तहत टाटा मेमोरियल सेंटर की एक इकाई, 5 वर्षों से अधिक समय से एग्नामपुडी, विशाखापत्तनम में लगभग 77 एकड़ के विशाल परिसर में सस्ती, साक्ष्य-आधारित, गुणवत्ता सेवाएं प्रदान कर रही है और सस्ती और अभिनव अनुसंधान पर जोर दे रही है। बढ़ती जनशक्ति के साथ, स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा और कैंसर देखभाल के लिए सभी स्तरों पर प्रयास चल रहे हैं। हम टाटा मेमोरियल सेंटर और परमाणु ऊर्जा विभाग के चल रहे प्रयासों और इस परियोजना के प्रति उनके उदार समर्थन और पहल की बहुत सराहना करते हैं। हम इस क्षेत्र में सामुदायिक स्तर पर रोकथाम, स्क्रीनिंग और सस्ती उच्च गुणवत्ता वाले कैंसर उपचार पर आधारित छोटे परिधीय कैंसर केंद्रों के विकास की भी परिकल्पना करते हैं और इस क्षेत्र में कैंसर देखभाल की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।पावरग्रिड के बारे में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) विद्युत मंत्रालय के तहत एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। भारत की सबसे बड़ी विद्युत पारेषण उपयोगिताओं में से एक के रूप में, पावरग्रिड देश भर में सतत विकास और प्रभावशाली सीएसआर पहलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत में इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 100 करोड़ के पार

अप्रैल–जून अवधि में 3 .48 प्रतिशत का हुआ इजाफा

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रॉडबैंड ग्रोथ के कारण भारत में इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 30 जून, 2025 तक 1 अरब को पार कर 1,002.85 मिलियन हो गई, जो मार्च की तुलना में 3.48 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन 100 करोड़ से अधिक ग्राहकों में से 4.47 करोड़ के पास वायर्ड इंटरनेट कनेक्शन थे, जबकि 95.81 करोड़ के पास वायरलेस कनेक्शन थे। ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर्स की संख्या 3.77 प्रतिशत बढ़कर 979.71 मिलियन हो गई, जबकि नैरोबैंड यूजर्स की संख्या घटकर 23.14 मिलियन रह गई। जून तिमाही में कुल टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 1,218.36 मिलियन तक पहुंच गई, जो पिछली तिमाही की तुलना में 1.46

प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि इससे कुल दूरसंचार घनत्व बढ़कर 86.09 प्रतिशत हो गया, जो पिछली तिमाही में 85.04 प्रतिशत था। जनसांख्यिकी के संदर्भ में, शहरी इंटरनेट ग्राहकों की संख्या लगभग 57.94 करोड़ है, जबकि ग्रामीण इंटरनेट ग्राहकों की संख्या 42.33 करोड़ है। आंकड़ों के अनुसार, वायरलेस सेवाओं के लिए मासिक औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) 186.62 रुपए है, जबकि प्रति वायरलेस ग्राहक औसत उपयोग मिनट (एमओयू) हर महीने 16.76 घंटे है। दूरसंचार क्षेत्र का सकल राजस्व 96,646 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछली तिमाही से 1.63 प्रतिशत कम है, लेकिन सालाना आधार पर 12.34 प्रतिशत अधिक है। समायोजित सकल राजस्व 81,325 करोड़ रुपए रहा, जो पिछली तिमाही से 2.65 प्रतिशत अधिक है। एक्सेस सेवाओं का समायोजित सकल राजस्व में 83.62 प्रतिशत का योगदान रहा है। प्रेस रिलीज में आगे कहा गया है कि लाइसेंस शुल्क 2.63 प्रतिशत बढ़कर 6,506 करोड़ रुपए हो गया और पास-थ्रू शुल्क 19.45 प्रतिशत घटकर 10,457 करोड़ रुपए हो गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने लगभग 912 निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों को अपलिंकिंग या डाउनलिंकिंग या दोनों के लिए अनुमति दी है। भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 902 सैटेलाइट टीवी चैनलों में से, 30 जून, 2025 तक 333 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

जीएसटी परिषद के फैसलों के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 150 अंक चढ़ा

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। सूचकांक में भारी वजन रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस के शेयरों में बिकवाली के कारण गुरुवार को शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ।आम इस्तेमाल की व्यक्तिगत वस्तुओं और दैनिक आवश्यक उत्पादों पर जीएसटी दर में कटौती की घोषणा के बाद बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 150 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ।अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे गिरकर 88.16 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 150.30 अंक या 0.19 प्रतिशत उछलकर 80,718.01 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 888.96 अंक या 1.10 प्रतिशत बढ़कर 81,456.67 अंक पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में बड़ी कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली के कारण दिन के उच्चतम स्तर से नीचे आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 19.25 अंक या 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,734.30 पर आ गया। शुरुआती कारोबार में यह 265.7 अंक या 1.07 प्रतिशत बढ़कर 24,980.75 अंक पर पहुंच गया था।बाजार पर जीएसटी कानून के ढांचे में हुए बड़े बदलाव का भी असर देखने को मिला। जीएसटी 2.0 में रोटी/पराठा से लेकर हेयर ऑयल, आइसक्रीम और टीवी तक आम उपयोग की वस्तुएं सस्ती होंगी। नए एलानों के बाद स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर टैक्स का बोझ शून्य हो जाएगा। बुधवार को जीएसटी परिषद ने जटिल वस्तु व सेवा कर व्यवस्था में पूर्ण बदलाव को मंजूरी दे दी। परिषद ने स्लैब को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत तक सीमित करने को मंजूरी दे दी है। यह 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन से प्रभावी होगा। सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा में सबसे अधिक 5.96 प्रतिशत की तेजी आई। बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक भी लाभ में रहे। वहीं मारुति सुजुकी इंडिया, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, इंफोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पिछड़ गए। लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि निफ्टी ने नई जीएसटी दरों को लेकर आशावाद के चलते गैप-अप के साथ मजबूत शुरुआत की, लेकिन दूसरे भाग में मुनाफावसूली ने शुरुआती बढ़त को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि इस कदम से शुरुआती कारोबार में ऑटो, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयरों में व्यापक खरीदारी हुई। हालांकि, मुनाफावसूली का व्यापक सूचकांकों पर असर पड़ा और वे नीचे आ गए।

कृषि ,डेयरी उत्पादों पर जीएसटी में कटौती किसानों के लिए दिवाली गिफ्ट

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। कृषि और डेयरी क्षेत्र ने जीएसटी कानून के ढांचे में किए गए बदलावों को जमकर सराहा है। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने प्रमुख कृषि इनपुट और डेयरी उत्पादों पर जीएसटी दरों को कम करने के सरकार के फैसले का स्वागत किया है और इसे बढ़ती इनपुट लागत व मौसम की अनिश्चितताओं से जूझ रहे किसानों के लिए बड़ी राहत कहा है। जीएसटी परिषद की ओर से उर्वरकों, जैव कीटनाशकों, कृषि उपकरणों और डेयरी उत्पादों पर दरों में कटौती के कदम से किसानों की आय में तो वृद्धि होगी ही इसके साथ-साथ उपभोक्ताओं को भी पौष्टिक भोजन अधिक किफायती दर पर उपलबध हो सकेगा। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के सीईओ और एमडी सुनील कटारिया के अनुसार उर्वरकों और जैव कीटनाशकों पर जीएसटी में कमी से किसानों को ऐसे समय में बड़ी राहत मिलेगी, जब कृषि फसलों पर अनियमित मौसम के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। कटारिया ने एक बयान में कहा, औसत इनपुट लागत कुल खेती खर्च का लगभग 30-40 प्रतिशत है, इन लागतों को कम करने से गुणवत्तापूर्ण फसल सुरक्षा समाधानों की पहुंच बढ़ेगी, जिससे किसानों को

उपज बढ़ाने और आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

डेयरी उत्पादों पर जीएसटी घटाकर 5% करने से किसानों के सामर्थ्य बढ़ेगा

कटारिया ने कहा कि डेयरी उत्पादों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत करने के निर्णय से किसानों के सामर्थ्य और खपत में सुधार होगा। इससे देश में प्रोटीन की कमी दूर होगी और साथ ही डेयरी किसान परिवारों को सहायता मिलेगी। सीएनएच इंडिया के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक नरिंदर मित्तल ने कृषि उपकरणों, कलपुर्जों और टायरों पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत करने की सराहना करते हुए कहा कि इससे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य उपकरण अधिक किफायती बनकर मशीनीकरण में तेजी आएगी। मित्तल ने कहा, ये सुधार उद्योग जगत को श्रम की कमी को दूर करने, किसानों की उत्पादकता बढ़ाने और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम आगे स्थानीयकरण और नवाचार के लिए सही वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह सुधार विशेष रूप से कटाई के मौसम से पहले समय पर किया गया है। कम लागत से अधिक किसान गठरी बनाने जैसे समाधान अपना सकेंगे। इससे फसल अवशेषों को जलाने में कमी आएगी।

डेयरी पर जीएसटी कटौती से आठ करोड़ किसानों को लाभ

कम्पाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएलएफएमए) के अध्यक्ष दिव्य कुमार गुलाटी ने डेयरी उत्पादों पर जीएसटी में कटौती को एक 'प्रगतिशील कदम' बताया। उनका मानना है कि इससे भारत के आठ करोड़ डेयरी किसानों को लाभ होगा।

यूएचटी दूध को कर-मुक्त कर दिए जाने और कंडेंस्ड दूध, मक्खन, घी, पनीर और चीज जैसे उत्पादों पर कर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिए जाने से, इन सुधारों से ग्रामीण आय में वृद्धि होने और चारा और पशु देखभाल में अधिक निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड के अध्यक्ष देवेंद्र शाह ने कहा कि इस कदम से कीमतों के प्रति संवेदनशील ग्रामीण और अर्ध-शहरी उपभोक्ताओं को विशेष रूप से लाभ होगा। उन्होंने कहा, अधिक मांग से किसानों को बेहतर आय स्थिरता मिलेगी और बेहतर पशु देखभाल और चारे में निवेश करने का आत्मविश्वास मिलेगा।

धानुका एग्रीटेक के मानद चेयरमैन आरजी अग्रवाल ने जीएसटी में कटौती को किसानों के लिए बड़ा दिवाली उपहार बताया, तथा विशेष रूप से कृषि-ड्रोन, जिबरेलिक एसिड और जैव-कीटनाशकों, जिनमें ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास फ्लोरेसेंस और नीम-आधारित उत्पाद शामिल हैं, पर कटौती की प्रशंसा की।

अग्रवाल ने कहा, इससे किसानों को सुरक्षित जैविक विकल्पों की ओर जाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार होगा और दीर्घकालिक कृषि प्रदर्शन में योगदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि उर्वरक कच्चे माल पर उल्टे शुल्क ढांचे को ठीक करने से उत्पादन व्यवहार्यता बढ़ेगी और कम लागत पर आवश्यक पोषक तत्वों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। सुधारों का स्वागत करते हुए अग्रवाल ने आगे और अधिक तर्कसंगत सुधारों की वकालत की।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट

सोना 76 गिरकर 1.06 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी 1.23 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)।सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 सितंबर को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार आज सोना 76 रुपए गिरकर 1,05,945 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया । इससे पहले सोना 1,06,021 रुपए पर था। ये इसका ऑल टाइम हाई भी है। वहीं चांदी 13 रुपए गिरकर 1,23,207 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले इसकी कीमत 1,23,220 रुपए थी। चांदी ने 1 अगस्त को 1,23,250 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,07,010 और 22 कैरेट सोने की कीमत 98,100

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,06,860 और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,950

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,06,860 और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,950

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,06,860और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,950

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,06,910 और 22 कैरेट सोने की कीमत 98,000'

हैदराबाद : 24 कैरेट सोने की कीमत 112,074 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट के लिए 103,250

बीआईएस हैदराबाद ने गैर-मानक उत्पादों के गोदाम पर छापा

लगभग 8 लाख मूल्य के बिना प्रमाणित उत्पाद जब्त

हैदराबाद , 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय ने मंगलवार (2 सितम्बर 2025) को सिकंदराबाद सीटीसी कॉम्प्लेक्स स्थित एक गोदाम पर बीआईएस अधिनियम, 2016 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया। यह प्रवर्तन अभियान श्री पी.वी. श्रीकांत, निदेशक एवं प्रमुख के निर्देश में तथा श्री राकेश तन्नीरु, निदेशक के नेतृत्व में, श्री के. काविन, उपनिदेशक, अभिसाई एट्टा, एसपीओ, शिवाजी, एसएसए एवं अन्य टीम सदस्यों के साथ संचालित किया गया। छापे के दौरान कुल 225 उपभोक्ता वस्तुएँ, जिनमें घरेलू इलेक्ट्रिक फूड मिक्सर, घरेलू प्रेशर कुकर, हीट प्लेट, सीलिंग फैन और इलेक्ट्रिक आयरन बॉक्स शामिल थे, बिना अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन के संग्रहीत और बिक्री के लिए प्रस्तुत पाए गए। ये उत्पाद भारत सरकार द्वारा

जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओएस) के अंतर्गत आते हैं, जिनके लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य है। जब्त किए गए उत्पादों का अनुमानित मूल्य 8 लाख रुपये से अधिक है। यह कार्य बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 17 का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसमें क्यूसीओएस के अंतर्गत आने वाले सामानों की बिना उपयुक्त बीआईएस प्रमाणन के बिक्री, भंडारण या वितरण पर प्रतिबंध है। इस अधिनियम के अंतर्गत सजा का प्रावधान है, जिसमें अधिकतम दो वर्ष का कारावास या पहली बार उल्लंघन पर न्यूनतम 2 लाख का जुर्माना तथा बाद के उल्लंघनों पर न्यूनतम 5 लाख का जुर्माना शामिल है, जो वस्तुओं के मूल्य के दस गुना तक हो सकता है। इस प्रावधान के अंतर्गत अपराध संज्ञेय है और बीआईएस उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध विधिक कार्यवाही प्रारंभ करेगा। बीआईएस अधिनियम, 2016 के अंतर्गत केंद्र सरकार किसी भी भारतीय मानक को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के माध्यम से अनुपालन हेतु अनिवार्य कर सकती है। अब तक 769 उत्पादों के मानक अनुपालन हेतु अनिवार्य किए जा चुके हैं। क्यूसीओ का प्रभाव यह है कि इसके अंतर्गत आने वाले किसी भी उत्पाद का विनिर्माण, आयात, बिक्री या प्रदर्शन बीआईएस से लाइसेंस लिए बिना नहीं किया जा सकता। इस आवश्यकता के उल्लंघन पर बीआईएस अधिनियम में दंडात्मक प्रावधान उपलब्ध हैं।

दैनिक पंचांग

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप में लोगों के जीवन में एक फर्क लाने एवं उनकी सहायता का भाव रहेगा । आप धर्मार्थ कार्य में शामिल हो सकते है जो की आपका समय और प्रतिबद्धता को छीन सकता है । आपको ये निर्णय लेना होगा की धर्मार्थ कार्यो से जुड़े रहकर कुछ करना चाहते है , जिससे आपके वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़े या वापस अपने कार्य क्षेत्र से जुड़कर धन की वृद्धि करना चाहते है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो)
आपका स्वाभाविक करिश्मा निखरता है, जिससे आपके आस-पास के लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना आसान हो जाता है। आप साहसिक विचारों और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ पहल करेंगे और उत्साह के साथ परियोजनाओं को आगे बढ़ाएँगे। भावनात्मक बुद्धिमत्ता अब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपके कार्यस्थल पर कोई अपने घमंड में अपनी उपलब्धियों को गिना सकता है , परन्तु आप बुरा न माने क्यों की वह आपको बुरा महसूस कराना चाहता है। आपने इस अनुपात में पहले ही इन उपलब्धियों को छुआ है । वित्तीय मोर्चे पर आप को पहले ही आपकी जरुरत या उससे ज्यादा ही मिला है जिसे आप संजोके रख सकते है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपके करियर और पढ़ाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जिससे आपके काम में भावनात्मक गहराई आएगी। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे आपको विवरणों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। सफलता और मान्यता आपके लिए क्षितिज पर हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप एक लापरवाह और असाधारण अवस्था में रहेंगे । आज के दिन आप किसी पार्टी के आयोजन में आनंद लेंगे और आस पास के व्यक्तियों को प्रभावित भी करेंगे । आज आप ये नहीं सोचेंगे की धन कहा से आ जा रहा है जिसकी वजह से आपके वित्त पर एक नकारात्मक असर पड़ने की संभावना है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी रचनात्मकता बढ़ रही है, जो प्रभावशाली लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। भावनात्मक उतार-चढ़ाव आपके संतुलन की परीक्षा ले सकते हैं, इसलिए स्थिर रहें। आप उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने में सक्षम हैं, लेकिन खुद को अलग-थलग करने से बचें। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सतर्क रहें और अपने पेशेवर जीवन में आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ने के लिए इस गतिशील ऊर्जा का उपयोग करें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अगर आपने हाल ही में कोई परीक्षा दी है , तो आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है । आपको कड़ी मेहनत और समर्पण का फल मिलेगा । आप आज वित्तीय योजना के बारे में जानेंगे । निवेश करने से पहले , सही योजना पर अपने मित्रों और सहयोगियों से सलाह ले । प्रस्ताव आपके लिए अच्छा साबित हो सकता है । आपका दिन ऑफिस में अछा रहेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका करियर पथ रोशन है, जो काम के प्रति एक पोषण दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। विवरण पर अपना ध्यान दें और इससे उत्पादकता बढ़ेगी। काम पर आपका आकर्षण उजागर होगा। आपके अपरंपरागत विचार आपको अलग पहचान दिलाएंगे। शुरुआत और अंत को गले लगाओ, क्योंकि वे ताज़ा बदलाव लाते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपकी महत्वाकांक्षाएँ सुर्खियों में हैं, और आप काम या अध्ययन में नए रास्ते तलाशने के लिए उत्सुक हैं। आपका जुनून रचनात्मकता को बढ़ावा देता है, जो आपकी परियोजनाओं में चमक जोड़ता है। हालाँकि, तनाव या तीखी नोकझोंक के माध्यम से चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। शांत और केंद्रित रहें। तीव्रता को सार्थक प्रगति में बदलने के लिए अपनी ऊर्जा को बुद्धिमानी से लगाएँ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चंद्र ग्रहण का भारत पर ज्यादा प्रभाव पड़ेगा

साल 2025 का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 की रात 9 बजकर 58 मिनट पर शुरू होगा और इसकी समाप्ति देर रात 1 बजकर 26 मिनट पर होगी। इस चंद्र ग्रहण का सूतक काल भी लगेगा। जिसकी शुरुआत 7 सितंबर की दोपहर 12 बजकर 58 मिनट पर होगी और समाप्ति ग्रहण के खत्म होने के साथ होगी।

साल 2025 का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 की रात 9 बजकर 58 मिनट पर शुरू होगा और इसकी समाप्ति देर रात 1 बजकर 26 मिनट पर होगी। इस चंद्र ग्रहण का सूतक काल भी लगेगा। जिसकी शुरुआत 7 सितंबर की दोपहर 12 बजकर 58 मिनट पर होगी और समाप्ति ग्रहण के खत्म होने के साथ होगी। ग्रहण कुंभ राशि और पूर्व भाद्रपद नक्षत्र में लगने जा रहा है। भारत में दिखाई देने के कारण इसका प्रभाव काफी ज्यादा रहेगा।

ज्योतिष अनुसार ये ग्रहण शनि साढ़े साती से पीड़ित राशियों के लिए लाभकारी साबित होगा।

मेष राशि : शनि साढ़े साती से पीड़ित इस राशि के लिए शुभ है चंद्र ग्रहण

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण मेष राशि वालों को करियर में खूब लाभ देगा। नौकरी बदलने के प्रबल आसार हैं। आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत हो जाएगी। बिजनेस में भी मुनाफा मिलेगा। लेकिन स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा।

कुंभ राशि : आध्यात्मिक साधना और आत्मचिंतन के लिए शुभ समय

साल का आखिरी चंद्रग्रहण आपके व्यक्तित्व और मानसिक संतुलन पर प्रभाव डालेगा। ये समय आध्यात्मिक साधना और आत्मचिंतन के लिए शुभ रहेगा। आप अपने कार्यों को अच्छे से पूरा कर पायेंगे। इस दौरन कई चीजों में लाभ प्राप्त होगा।

मीन राशि : आर्थिक स्थिति में होगा सुधार

चंद्रग्रहण का मीन राशि पर शुभ प्रभाव पड़ेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कई माध्यमों से धन प्राप्त करने में सफल रहेंगे। किसी भी काम में की गई मेहनत रंग लाएगी।

गर्भवती महिलाएं ग्रहण देखने से परहेज करें

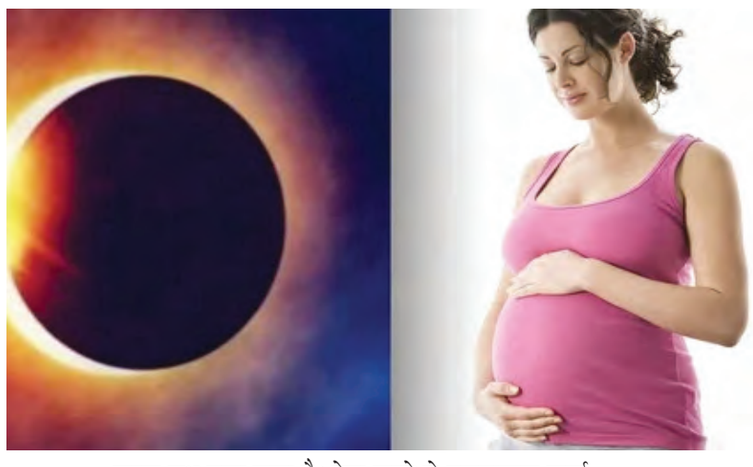

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण पितृपक्ष के दिन लग रहा है, जो न केवल रात में आकाश को प्रभावित करेगा बल्कि आत्मा को भी प्रभावित कर सकता है। रविवार, 7 सितंबर को लगने वाला यह चंद्र ग्रहण 100 वर्षों में एक बार आता है। चंद्र ग्रहण के दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता और इस दौरान पूजा-पाठ भी नहीं किया जाता। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार ग्रहण काल के समय नकारात्मक ऊर्जा का संचार काफी अधिक होता है। इसी कारण इस दौरान मंदिर के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं। ग्रहण समाप्त होने के बाद मंदिर को गंगाजल से पवित्र कर शुद्धिकरण किया जाता है और भगवान को स्नान कराया जाता है। ग्रहण के दौरान किसी भी प्रकार का पूजा-पाठ नहीं करना चाहिए, क्योंकि इस अवधि में पृथ्वी पर नकारात्मक प्रभाव बढ़ जाता है। हालांकि, इस समय महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा का संचार समाप्त हो जाता है।

ग्रहण के दौरान किसी भी प्रकार का पूजा-पाठ नहीं करना चाहिए, क्योंकि इस अवधि में पृथ्वी पर नकारात्मक प्रभाव बढ़ जाता है। हालांकि, इस समय महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा का संचार समाप्त हो जाता है।

ग्रहण काल के दौरान विशेष रूप से मंदिर के कपाट बंद कर देने चाहिए। इस समय धार्मिक आयोजन नहीं करने चाहिए और किसी भी तामसी पदार्थ के सेवन से बचना चाहिए।

ग्रहण के दौरान 9 घंटे पहले सूतक काल लगता है। 7 सितंबर को रात 9:58 से ग्रहण शुरू होगा और 1:26 पर समाप्त होगा। ऐसे में 9 घंटे पहले से ही सूतक काल मान्य होगा। इस अवधि में कोई भी शुभ और धार्मिक कार्य नहीं करना चाहिए।

ग्रहण के दौरान गर्भवती महिलाओं को विशेष रूप से सावधान रहना चाहिए। उन्हें घर के भीतर रहना चाहिए और ग्रहण को देखने से परहेज करना चाहिए। इस दौरान नुकीली वस्तुओं के प्रयोग से भी बचना चाहिए। ग्रहण समाप्त होने के बाद स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करना आवश्यक माना जाता है।

जब ग्रहण समाप्त हो जाए, तो गंगाजल युक्त पानी से स्नान करना चाहिए और घर की पूरी तरह से साफ-सफाई करनी चाहिए। इसके साथ ही, जरूरतमंदों को दान देना चाहिए और भगवान का नाम लेकर प्रार्थना करनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से ग्रहण के दुष्प्रभावों से मुक्ति मिलती है।

शुभ नहीं है इस साल का पितृपक्ष

चंद्र और सूर्य ग्रहण बिगाड़ रहे खेला, श्राद्ध में इन नियमों का करें पालन

7 सितंबर दिन रविवार से पितृपक्ष की शुरुआत हो रही है और इस दिन साल 2025 का अंतिम चंद्र ग्रहण लगने वाला है। वहीं पितृपक्ष का समापन 21 सितंबर दिन रविवार को होने वाला है और इस दिन सूर्य ग्रहण लगने वाला है। पितृपक्ष यानी पितरों को समर्पित एक ऐसी अवधि जब पितरों की आत्मा की शांति के लिए विशेष कर्मकांड, तर्पण, श्राद्ध आदि कार्य किए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान पूर्वज दक्षिण दिशा से धरती पर अपने प्रियजनों के यहां आते हैं। लेकिन इस बार पितृपक्ष की शुरुआत और समापन में ग्रहण लगने वाला है, जिससे श्राद्ध के ये 16 दिन बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

साल 2025 के पितृपक्ष शुभ नहीं ?

पितृपक्ष की 16 तिथियों में पूर्वजों का श्राद्ध, तर्पण, पितरों के नाम का दान और पिंडदान किया जाता है। 7 सितंबर भाद्रपद पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत हो रही है लेकिन पहला श्राद्ध 8 सितंबर को होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में हमारे पूर्वण परिजनों के यहां आते हैं। इस दौरान पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण आदि कार्य करने से पितर आशीर्वाद देते हैं। लेकिन ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल के पितृपक्ष शुभ नहीं है। दरअसल इस साल पितृपक्ष की शुरुआत और समापन दोनों पर ही ग्रहण लग रहा है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल हैं कि क्या पितृपक्ष के दिन लग रहे ग्रहण पर श्राद्ध, तर्पण और धार्मिक कार्य किए जा सकते हैं या नहीं।

पितृपक्ष के पहले दिन चंद्र ग्रहण

भाद्रपद पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत हो रही है और इस दिन साल 2025 का अंतिम चंद्र ग्रहण लगने वाला है। यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा इसलिए इस ग्रहण का सूतक काल मान्य होगा। इसलिए इस ग्रहण का सूतक काल 12 बजकर 59 मिनट से शुरू हो जाएगा। यह ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में घटित होने वाला है। इस समय राहु और चंद्रमा दोनों कुंभ राशि में रहने वाले हैं। चंद्र ग्रहण की शुरुआत रात 9 बजकर 57 मिनट से मध्यरात्रि 1 बजकर 26 मिनट तक लगेगा।

ऐसे में आप सूतक काल से पहले पितरों को तर्पण कर सकते हैं और सूतक काल के समय पितरों के नाम का दान कर सकते हैं। अगर आप पिंडदान करना चाहते हैं तो आप दिन में सभी कार्य कर लें या फिर ग्रहण के मोक्षकाल यानी समापन के बाद पिंडदान कर सकते हैं।

पितृपक्ष के अंतिम दिन सूर्य ग्रहण

पितृपक्ष का समापन 21 सितंबर दिन रविवार को है और इस दिन सर्वपितृ अमावस्या है। सर्वपितृ अमावस्या के दिन सूर्य ग्रहण लगने वाला है और यह ग्रहण रात 11 बजे से अगले दिन यानी 22 सितंबर को सुबह 3 बजकर 24 मिनट पर लगने वाला है। यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देने वाला है इसलिए सूर्य ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं होगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, सर्वपितृ अमावस्या की रात को सूर्य ग्रहण लगने वाला है इसलिए सभी कार्य दिन में कर सकते हैं।

इन नियमों का करें पालन

पितृपक्ष की शुरुआत और समापन में ग्रहण लग रहे हैं। ऐसे में धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, 15 दिन में दो ग्रहण कभी शुभ नहीं माने जाते। ऐसे में श्राद्ध के पहले और आखिरी दिन पितरों का पिंडदान करते समय कुछ सावधानियां बरतनी होंगी। दोनों ग्रहण रात के समय लग रहे हैं, जिसमें से चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई देगा और सूर्य ग्रहण दिखाई नहीं देगा। इसलिए आप दिन में ही श्राद्ध, तर्पण, दान पुण्य के कार्य कर सकते हैं। इस तरह पितृपक्ष पर किसी भी ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा।

शारदीय नवरात्रि पर आगमन प्रस्थान किस वाहन पर होगा, क्या होगा प्रभाव

शारदीय नवरात्रि का आरंभ होने जा रहा है। मां दुर्गा अपने भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए 22 सितंबर से आ रही हैं। मां दुर्गा के इन दिनों में जो भक्त सच्ची श्रद्धा के साथ मां की आराधना करते हैं मां दुर्गा उनकी झोली खुशियों से भर देती हैं। इस बार नवरात्रि पूरे दस दिन के होने जा रहे हैं। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन माता जिस वाहन से आती हैं उसके हिसाब से ही अगले एक का अनुमान लगाया जाता है वह कैसा रहने वाला है। तो आइए जानते हैं इस बार माता कौनसे वाहन से आएंगे और किस वाहन पर विराजमान होकर लौटेंगी।

श्रीमददेवी भागवत महापुराण के अनुसार, देवी का आगमन और प्रस्थान नवरात्रि आरंभ और समापन होने के दिन के हिसाब से होता है। इस बार नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर सोमवार से हो रहा है और नवरात्रि का समापन विजयदशमी 2 अक्टूबर को होगा।

श्रीमददेवी भागवत महापुराण के इस श्लोक के अनुसार, जब रविवार और सोमवार के दिन माता का आगमन होता है तो माता का वाहन हाथी होता है। यानी इस बार 22 सितंबर को मां दुर्गा का आगमन हाथी से हो रहा है। जब माता हाथी से आती है तो इसे बेहद ही शुभ माना जाता है। माता के हाथी पर आगमन पर उस वर्ष वर्षा अच्छी होती है। कृषी में वृद्धि होती है दूध का उत्पादन बढ़ता है साथ ही देश में धन धान्य की बढ़ोतरी होती है। शनिवार और मंगलवार को माता का आगमन होता है तो वह घोड़ी से आती है ऐसे में सरकार को अपने पद से हटने पड़ सकता है। गुरुवार और शुक्रवार को जब माता का आगमन होता है तो वह खटोला पर होता है। ऐसे में प्रज्ञा में लड़ाई झगड़ा और किसी बड़ी दुर्घटना होने का संकेत मिलता है। बुधवार को जब माता का आगमन होता है तो देवी नौका पर आती है। ऐसा होने पर मां अपने भक्तों को हर प्रकार की सुख सुविधाएं देती हैं।

श्रीमददेवी भागवत महापुराण के अनुसार, विजयदशमी जब रविवार और सोमवार की होती है तो मां दुर्गा का प्रस्थान भैंसे पर होता है। जो व्यक्ति को शोक देता है। जब विजयदशमी मंगलवार और शनिवार को होती है तो माता का वाहन मूर्गा होता है। ऐसे में लोगों को तबाही का सामना करना पड़ता है। वहीं,बुधवार और शुक्रवार को विजदशमी हो तो माता हाथी पर जाती है। हाथी पर माता का जाना शुभ माना जाता है। वहीं, गुरुवार को विजयदशमी हो तो माता का वाहन मनुष्य की सवारी होती है। इस बार 2 अक्तूबर 2025 गुरुवार के दिन विजयदशमी है ऐसे में माता के प्रस्थान का वाहन मनुष्य की सवारी होगा। ऐसे में लोगों को सुख शांति का आनुभव होगा। समय बहुत ही भाग्यशाली रहेगा।

कमजोर चंद्रमा को करे मजबूत, मन की बेचैनी से भी दिलाए राहत, इस रत्न को धारण कर चमकाएं अपना भाग्य

जब जीवन में मानसिक तनाव और बेचैनी ज्यादा हो, तो अक्सर लोग उपाय ढूंढते हैं जो मन को शांत कर सकें। ज्योतिष शास्त्र में मोती को ऐसा ही रत्न माना गया है। मोती सिर्फ सुंदर दिखता ही नहीं है, बल्कि इसे पहनने से चंद्रमा मजबूत होता है और दिमाग व मन पर सकारात्मक असर पड़ता है। लेकिन हर किसी के लिए मोती पहनना सही नहीं होता। कुछ राशियों के जातकों को यह रत्न बहुत लाभ पहुंचाता है, वहीं कुछ को इससे नुकसान भी हो सकता है।

मोती पहनने के फायदे

मोती को चंद्रमा का रत्न माना जाता है। इसे धारण करने से मानसिक शांति मिलती है और भावनाएं संतुलित रहती हैं। जिन लोगों का दिमाग ज्यादा इधर-उधर भटकता है या जिन्हें गुस्सा जल्दी आता है, उनके लिए मोती बेहद फायदेमंद होता है। साथ ही यह रत्न पंचतत्वों को संतुलित करता है और धन, सुख-समृद्धि को आकर्षित करता है। गोल या लंबे आकार का मोती पहनना शुभ माना जाता है।

किन लोगों को मोती पहनना चाहिए

मेष लग्नः

मेष राशि वालों की कुंडली में चंद्रमा चौथे घर का स्वामी होता है, यह घर माता, घर, वाहन और सुख से जुड़ा है। इसलिए मेष राशि के लोग मोती पहन सकते हैं।

कर्क लग्नः

कर्क राशि का स्वामी चंद्रमा है। इस लग्न के जातक मोती पहनें, इससे दिमाग और शरीर के बीच तालमेल बढ़ेगा और धनलाभ होगा।

तुला लग्नः

तुला राशि के जातकों के लिए मोती धारण करना शुभ है। चंद्रमा इस राशि में दसवें घर का स्वामी होता है, जो करियर और पिता से जुड़ा है।

मीन लग्नः

मीन राशि के लोग मोती पहन सकते हैं। यह पांचवें घर के स्वामी चंद्रमा से जुड़ा है। निसंतान लोग इसे पहनकर संतान की प्राप्ति के अवसर बढ़ा सकते हैं। छात्रों के लिए भी मोती पहनना सफलता लाता है।

किन लोगों को मोती नहीं पहनना चाहिए

वृष लग्नः

चंद्रमा इस राशि में तीसरे घर का स्वामी है, जो लाभकारी नहीं माना जाता। मोती पहनने से भाई-बहन के बीच मनमुटाव और अपयश हो सकता है।

मिथुन लग्नः

मिथुन राशि के जातकों के लिए मोती नुकसानदायक हो सकता है। इसे पहनने से शारीरिक और मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

सिंह लग्नः

इस राशि में चंद्रमा बारहवें घर का मालिक होता है। मोती पहनने से खर्च बढ़ सकता है और शारीरिक परेशानियां हो सकती हैं।

कन्या लग्नः

कन्या राशि के जातकों को मोती नहीं पहनना चाहिए। अचानक धन लाभ हो सकता है, लेकिन इसके साथ कई मुश्किलें भी आएंगी।

धनु लग्नः

धनु राशि के लोग मोती नहीं पहनें। यह आठवें घर का स्वामी चंद्रमा है, जो मानसिक तनाव और बुरे सपनों का कारण बन सकता है।

मकर लग्नः

मकर लग्न वालों के लिए मोती नुकसानदेह हो सकता है। इससे गंभीर मानसिक परेशानियां और नकारात्मक विचार आ सकते हैं।

कुंभ लग्नः

कुंभ राशि के जातकों के लिए मोती पहनना अकारक है। इससे सर्दी-जुकाम, मानसिक परेशानी और दोस्ती में कलह हो सकती है।

भाद्रपद पूर्णिमा पर चंद्र ग्रहण का साया, राशि अनुसार करें इन चीजों का दान

भादो की पूर्णिमा को भाद्र पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। वैसे तो पूरे साल पड़ने वाली पूर्णिमा खास होती है। लेकिन, इस बार यह पूर्णिमा और खास होने वाली है। इस दिन साल का आखिरी चंद्र ग्रहण भी लगने जा रहा है। यह ग्रहण भारत में नजर आएगा। चंद्र ग्रहण हमेशा पूर्णिमा को ही लगता है। चंद्र ग्रहण एक खगोलीय घटना है, लेकिन इसका धार्मिक महत्व भी है। चंद्र ग्रहण को अशुभ माना गया है।

इस पूर्णिमा पर व्रत रखने का विधान है। पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इसके साथ ही पूर्णिमा पर चंद्रदेव की भी उपासना की जाती है। भाद्रपद पूर्णिमा पर लगने वाले चंद्र ग्रहण के दिन कुछ चीजों का दान शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन राशि अनुसार कुछ चीजों का दान करने से चंद्र ग्रहण के अशुभ फल कम होते हैं और शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

जरूर करें राशि के अनुसार दान

मेष – इस राशि के जातक को पूर्णिमा के दिन लाल मसूर की दाल का दान करना शुभ रहेगा। मान्यता है कि ऐसा करने से सेहत अच्छी होती है और नकारात्मकता का नाश होता है।

वृषभ – इस राशि के जातकों को भादो पूर्णिमा के दिन गरीबों को दही या घी का दान करना शुभ रहेगा। मान्यता है कि ऐसा करने आर्थिक स्थिरता के साथ मानसिक शांति मिलती है।

मिथुन – इस राशि के जातको को हरी मूंग की दाल और हरे वस्त्रों का दान करना चाहिए। ऐसा करने से करियर में तरक्की के रास्ते खुलते हैं।

कर्क – पूर्णिमा के दिन इस राशि वालों को मिश्री युक्त दूध का दान करने से हर कार्य में सफलता मिलेगी। साथ ही पारिवारिक जीवन खुशहाल होता है।

सिंह – इस राशि के जातक को गुड़ का दान अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से ग्रहों की स्थिति मजबूत होगी।

कन्या – पूर्णिमा के दिन इस राशि वालों को हरी मूंग की दाल का दान करना चाहिए। ऐसा करने से रिश्तों में सुधार होता है और जीवन में खुशहाली आती है।

तुला – इस राशि के जातक को इस दिन दूध, चावल और घी का दान कर सकते हैं। यह करने से लक्ष्मी नारायण प्रसन्न होंगे।

वृश्चिक – पूर्णिमा के दिन इस राशि वालों को लाल रंग की वस्तु का दान करना उत्तम माना गया है। ऐसा करने से ग्रह दोष दूर होंगे।

धनु – इस राशि के जातक को पूर्णिमा के दिन दाल का दान कर सकते हैं। इससे घर में सुख समृद्धि का वास बना रहेगा।

मकर – इस राशि वालों को काले तिल का दान और जल में अक्षत प्रवाहित करना चाहिए। इससे सभी प्रकार के दोषों से मुक्ति मिलेगी।

कुंभ – चंद्र ग्रहण के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए इस दिन काले तिल व तेल का दान करना चाहिए। इससे आर्थिक समस्याएं दूर होंगी। साथ ही मां लक्ष्मी का आर्शीवाद प्राप्त होगा।

मीन – पूर्णिमा के दिन इस राशि वालों को इस दिन चने की दाल और हल्दी का दान करना चाहिए। साथ ही ब्राह्मणों को भोजन खिलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

पल्लवी जोशी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

'द बंगाल फाइल्स' को बंगाल में रिलीज करने की अपील की

विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी 'द बंगाल फाइल्स' 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। हालांकि, इस फिल्म का बंगाल में विरोध हो रहा है और इसे वहां रिलीज ना करने की बात कही जा रही है। इसे लेकर फिल्म निर्माता और अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर बंगाल में रिलीज करने की अपील की है। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कहा।

पल्लवी जोशी ने बंगाल में रिलीज की मांग की

'द बंगाल फाइल्स' की निर्माता पल्लवी जोशी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है और फिल्म को बंगाल में रिलीज करने की अपील की है। उन्होंने लिखा, 'राष्ट्रपति महोदया, भारी मन से, मैं आपसे अनुरोध करती हूं, किसी एहसान के लिए नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिए। 'द बंगाल फाइल्स' फाइल्स ट्रिलॉजी का अंतिम भाग, जो 5 सितंबर को रिलीज हो रहा है। यह 'डायरेक्ट एक्शन डे' के हिंदू नरसंहार और नोआखली की भयावहता और विभाजन के आघात की लंबे समय से दबी हुई सच्चाई को बयां करता है।'

आगे पत्र में लिखा, 'पश्चिम बंगाल में, सच्चाई घेरे में है। फिल्म पूरी होने से कई साल पहले, मुख्यमंत्री ने फिल्म का मजाक उड़ाया। तब से, बेबुनियाद एफआईआर दर्ज की गई हैं, पुलिस ने हमारे ट्रेलर को रोक दिया है, और अखबार भी विज्ञापन देने से बचते हैं।

मेरे परिवार को हर दिन राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता धमकाते हैं। अब थिएटर मालिकों ने हमें बताया है कि उन्हें धमकाया जा रहा है और वे सत्ताधारी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा के डर से इसे दिखाने से इनकार कर रहे हैं। कोई आधिकारिक प्रतिबंध नहीं है, फिर भी एक अनौपचारिक प्रतिबंध लोगों को फिल्म देखने से पहले ही चुप करा देता है।'

संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का दिया हवाला

पल्लवी जोशी ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में आगे कहा, 'सत्य को भी संरक्षण की आवश्यकता है। राष्ट्रपति महोदया, मैं किसी फिल्म के लिए कोई उपकार नहीं, बल्कि कला के लिए, सत्य के लिए, मां भारती की आत्मा के लिए बिना किसी भय के बोलने की जगह चाहती हूं। आप मेरी अंतिम आशा हैं। कृपया हमारे संवैधानिक अधिकार की रक्षा करें और द बंगाल फाइल्स को पश्चिम बंगाल में शांतिपूर्वक रिलीज होने दें।'

'द बंगाल फाइल्स' 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में पल्लवी जोशी, अनुपम खेर, दर्शन कुमार और मिथुन चक्रवर्ती प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। बता दें कि ये सभी सितारे 'द कश्मीर फाइल्स' में भी दिखाई दिए थे।

किन बॉलीवुड एक्टर्स ने साउथ में किया डेब्यू

'ओजी' में इमरान हाशमी विलेन के रुप में नजर आ सकते हैं

बॉलीवुड के कई स्टार्स साउथ फिल्मों में भी अभिनय का तड़का लगा चुके हैं। कियारा आडवाणी से लेकर जान्हवी कपूर तक साउथ फिल्मों में अपना जलवा बिखेर चुकी हैं। वहीं अब इमरान हाशमी फिल्म 'दे कॉल हीम ओजी' से अपना साउथ डेब्यू करने वाले हैं।

इमरान हाशमी- दे कॉल हिम ओजी

इमरान हाशमी की आगामी फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' 25 सितंबर, 2025 को रिलीज होने वाली है। यह इमरान की पहली साउथ डेब्यू फिल्म है। इस फिल्म में पवन कल्याण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म 'They Call Him OG' में पवन कल्याण और इमरान हाशमी के अलावा प्रियंका अरुल मोहन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इमरान हाशमी विलेन की भूमिका में नजर आ सकते हैं। फिल्म में अर्जुन दास, श्रीया रेड्डी, हरीश उथमन, प्रकाश राज, शाम जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत थमन दे तैयार किया है।

बॉबी देओल

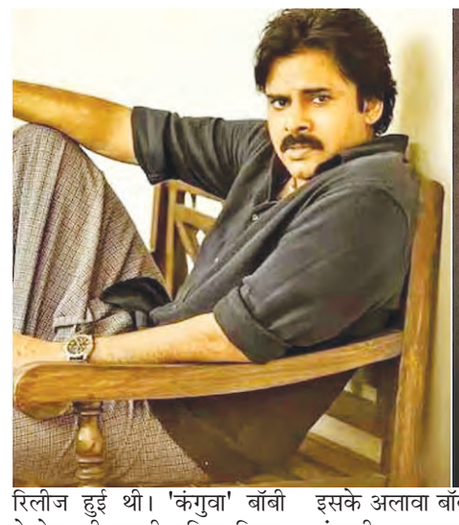

फिल्म 'कंगुवा' 2024 में रिलीज हुई थी। 'कंगुवा' बॉबी देओल की पहली तमिल फिल्म थी। बॉबी देओल ने तमिल पीरियड एक्शन ड्रामा 'कंगुवा' में नकारात्मक भूमिका निभाई थी। यह सूर्या की सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक है। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। फिल्म में सूर्या दोहरी भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में बॉबी और सूर्या के अलावा दिशा पटानी, नट्टी सुब्रमण्यम, केएस रविकुमार, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, रवि राघवेंद्र और करुणास ने भी अहम भूमिका निभाई हैं। इसके अलावा बॉबी साउथ एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'डाकू महाराज' में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं।

जान्हवी कपूर - देवरा पार्ट 1

जान्हवी ने फिल्म 'देवराः भाग 1' से साउथ की फिल्मों में डेब्यू किया। यह फिल्म 2024 में रिलीज हुई थी। इस तेलुगु भाषा की एक्शन ड्रामा फिल्म को कोरटाला शिवा ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में एनटी रामा राव जूनियर दोहरी भूमिकाओं में हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी के अलावा फिल्म में सैफ अली खान, प्रकाश राज, श्रीकांत और शाइन टॉम चाको ने भी अहम भूमिका निभाई है। यह इस फिल्म का पहला भाग था। अब इस फिल्म का दूसरा भाग भी आएगा।

कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी ने फिल्म 'भारत अने नेनु' से साउथ में डेब्यू किया था। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कियारा के साथ साउथ एक्टर महेश बाबू ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के अलावा कियारा एक्टर राम चरण के साथ साउथ फिल्म 'गेम चेंजर' में भी नजर आ चुकी हैं।

टीवी एक्टर आशीष कपूर रेप केस में गिरफ्तार

दिल्ली में हाउस पार्टी के दौरान दुष्कर्म का आरोप

टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता में नजर आ चुके एक्टर आशीष कपूर को रेप केस में बुधवार को गिरफ्तार किया गया है। एक महिला का आरोप है कि अगस्त के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में हुई एक हाउस पार्टी के दौरान आशीष ने वॉशरूम में उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने एक्टर को पुणे से गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आशीष की पुणे में हुई गिरफ्तारी की पुष्टि डीसीपी (नॉर्थ) राजा बंथिया ने की है। पुलिस ने आशीष कपूर की मूवमेंट को गोवा से पुणे तक ट्रैक किया, जिसके बाद टीम को दोनों जगह भेजा गया और फिर पुणे से एक्टर की गिरफ्तारी की गई।

जानें क्या है पूरा मामला

पुलिस के मुताबिक, आशीष कपूर की महिला से जान-पहचान इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। दोनों दोस्त बने और फिर पार्टी की योजना बनाई गई, जिसमें पीड़िता भी शामिल थी। पीड़िता ने 11 अगस्त को दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें शुरुआत में आरोप लगाया गया था कि आशीष कपूर, उनके दोस्त और दो अज्ञात पुरुषों ने मिलकर उनका रेप किया है। वहीं, एक महिला (दोस्त की पत्नी) ने उनके साथ मारपीट भी की।

हालांकि, बाद में महिला ने अपना बयान बदलकर कहा कि सिर्फ आशीष कपूर ने उनके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि घटना की वीडियोग्राफी की गई थी, लेकिन पुलिस को अभी तक ऐसा कोई वीडियो नहीं मिला है। अधिकारियों ने बताया कि पहले यह मामला गैंगरेप में दर्ज किया गया था, लेकिन अब इसे केवल रेप के आरोप में बदला जाएगा।

वहीं, 21 अगस्त को आशीष कपूर के दोस्त और उनकी पत्नी ने अग्रिम जमानत की अर्जी दी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। सुनवाई के दौरान पीड़िता भी मौजूद थी, लेकिन उसने अपनी दलीलों में उस दोस्त का नाम नहीं लिया।

पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयान से पता चलता है कि पार्टी के दौरान आशीष कपूर और महिला एक साथ वॉशरूम में गए थे। जब वे काफी देर तक बाहर नहीं निकले, तो कपूर के दोस्त और अन्य मेहमान दरवाजा खटखटाने लगे। जबकि आशीष कपूर के दोस्त की पत्नी ने ही पीसीआर कॉल की थी।

कौन हैं आशीष कपूर

बता दें, आशीष कपूर जाने-माने टीवी एक्टर हैं। उन्होंने कुर्बान, टेबल नंबर 21 और इनकार जैसी फिल्मों में काम किया है। आशीष टीवी सीरियल देखा एक ख्वाब और यह रिश्ता क्या कहलाता में नजर आ चुके हैं।

मिस्ट्री मैन का हाथ थामे दिखीं सामंथा

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से उनका नाम निर्देशक राज निदिमोरु के साथ जोड़ा जा रहा है। हाल ही में उन्होंने दुबई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें वह किसी शख्स का हाथ थामे नजर आईं। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि यह मिस्ट्री मैन कोई और नहीं, बल्कि राज निदिमोरु

हैं। इसी बीच डायरेक्टर की एक्स-वाइफ श्यामली का एक पोस्ट भी वायरल हो रहा है।

श्यामली ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'ये सब फिर से दिखावे जैसा लग रहा है।' इससे पहले भी श्यामली ने एक नोट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'नासमझी भरे बर्ताव का भी समझदारी से जवाब दें।' एक और स्टोरी में लिखा था, सेपेरशन का मतलब यह नहीं है कि आपके पास कुछ भी न हो, बल्कि यह है कि कोई भी चीज आपको अपना गुलाम न बना सके।

कैसे शुरू हुईं रिलेशनशिप की खबरें

सामंथा और राज निदिमोरु साथ में 'द फैमिली मैन' और 'सिटाडेलः हनी बनी' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं। दोनों को पिकलबॉल टीम चेन्नई सुपर चैंप्स के साथ भी देखा गया था। इसके बाद से ही उनके रिश्ते को लेकर खबरें आने लगी थीं। इसके अलावा भी दोनों को कई बार साथ में स्पॉट किया गया है। हालांकि, अब तक दोनों की तरफ से इस मामले में कोई भी रिएक्शन सामने नहीं आया है।

चौथी वेडिंग एनिवर्सरी से पहले टूटी थी शादी

सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य ने 6 अक्टूबर 2017 को गोवा में पहले हिंदू रीति-रिवाज और फिर 7 अक्टूबर को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की थी। शादी के बाद से ही सामंथा ने अपने नाम में अक्किनेनी लगा लिया था। हालांकि अलग होने की खबरों के बीच ही सामंथा ने अपने ट्विटर हैंडल से अक्किनेनी हटाकर इसे सामंथा रूथ प्रभु कर लिया था। 6 अक्टूबर,2021 को दोनों की शादी के चार साल पूरे होने वाले थे लेकिन इससे पहले ही ये अलग हो गए।

मोहम्मद रफी के बेटे का आशा भोसले-लता मंगेशकर पर बड़ा आरोप, बोले- अब्बा का करियर बर्बाद कर दिया

हिंदी सिनेमा की दुनिया में मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर और आशा भोसले जैसे नाम किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इन तीनों गायकों ने दशकों तक अपने सुरों से लोगों का दिल जीता और भारतीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। लेकिन इन चमकदार कहानियों के पीछे कई अनकहे किस्से भी छिपे हुए हैं। हाल ही में मोहम्मद रफी के बेटे शाहिद रफी ने एक इंटरव्यू में अपनी बात रखी और कई चौंकाने वाले आरोप लगाए।

आशा और लता पर गंभीर आरोप

शाहिद रफी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि उनकी नजर में दोनों बहनों लता और आशा को उनके पिता की लोकप्रियता से जलन थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी ईर्ष्या की वजह से मोहम्मद रफी का करियर बुरी तरह प्रभावित हुआ। शाहिद का दावा है कि दोनों बहनों ने मिलकर उनके पिता को पीछे करने की कोशिश की और संगीत जगत में उनके योगदान को कमतर दिखाने की कोशिश की।

गिनीज रिकॉर्ड का विवाद

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे ज्यादा गाने गाने वाले गायक का नाम दर्ज कराने का मौका पहले मोहम्मद रफी को मिला था। शाहिद का कहना है कि जब उनका नाम सामने आया तो दिवंगत लता मंगेशकर ने आपत्ति जताई और खुद को आगे रखा। इसी विवाद के बाद गिनीज में रफी साहब का नाम पीछे कर दिया गया और मामला लंबित रह गया। शाहिद का मानना है कि अगर यह हस्तक्षेप नहीं होता तो उनके पिता को यह सम्मान जरूर मिलता।

आशा भोसले पर तीखा हमला

इतना ही नहीं, आशा भोसले के एक बयान पर शाहिद रफी ने कड़ी नाराजगी जताई। बता दें आशा जी ने कभी कहा था कि रफी साहब की आवाज में रेंज नहीं थी। इस पर शाहिद ने कहा कि उनके पिता की आवाज की विविधता पर सवाल उठाना नासमझी है। उन्होंने याद दिलाया कि रफी साहब कभी यह नहीं पूछते थे कि गाना किस अभिनेता पर फिल्माया जाएगा, बल्कि वह गाने की स्थिति और भावनाओं के हिसाब से अपनी आवाज को ढालते थे। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत थी।

लता मंगेशकर से अनबन और सुलह

रफी साहब और लता मंगेशकर के बीच मतभेद की बातें पहले भी सामने आती रही हैं। शाहिद ने खुलासा किया कि उनकी अनबन इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे से लंबे समय तक बात नहीं की। हालांकि बाद में अभिनेत्री नरगिस और संगीतकार जयकिशन की पहल पर रफी साहब ने लता जी को माफ कर दिया था। इसके बाद दोनों ने एक कार्यक्रम में साथ परफॉर्म भी किया।

'अब्बा को कभी पतन का डर नहीं था'

शाहिद ने यह भी कहा कि उनके पिता को करियर के पतन का डर कभी नहीं रहा। बल्कि वो लगातार नए-नए प्रयोग करते थे और हर तरह की जॉनर में गाना गाते थे। उनका मानना है कि इनसिक्योरिटी दूसरों के मन में थी, क्योंकि उस दौर में कई नई महिला गायिकाएं उभर रही थीं और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही थी।

रफी साहब की विरासत

मोहम्मद रफी का 1980 में दिल और डायबिटीज की समस्या के चलते निधन हो गया। वो 55 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए, लेकिन पीछे छोड़ गए हजारों कालजयी गीत, जो आज भी सुनने वालों को उसी तरह सुकून और रोमांच देते हैं। उन्हें 1967 में पद्मश्री से नवाजा गया था। वहीं, लता मंगेशकर का साल 2022 में निधन हुआ था।

माता-पिता के अलग होने के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थीं अंशुला, बोलीं- 'कोई नहीं करता था बात'

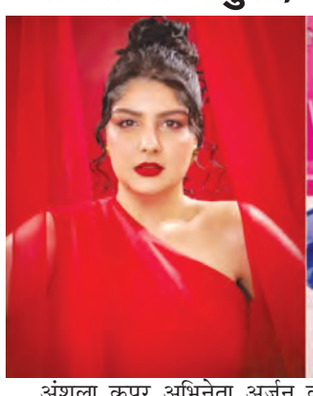
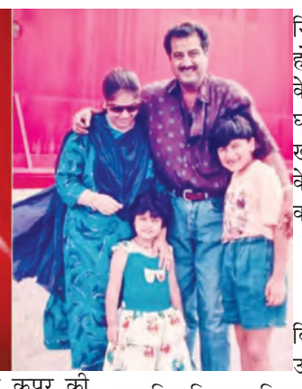

अंशुला कपूर अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन और बोनी कपूर की पहली पत्नी मोना शौरी की बेटी हैं। हालांकि, श्रीदेवी से शादी के बाद बोनी कपूर और मोना की शादी टूट गई और दोनों अलग हो गए। अब अंशुला ने अपने माता-पिता के अलग होने के वक्त को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे माता-पिता के अलगाव का असर उनके बचपन पर पड़ा था और कई वर्षों तक वो खुद को इसके पीछे की वजह मानती रहीं।

खुद को दोषी समझती थीं अंशुला

अंशुला ने बताया कि कई साल तक मुझे यह समझ ही नहीं आया कि आखिर मेरे माता-पिता अलग क्यों हो गए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता के अलग होने के बाद शायद 5-6 साल की उम्र में मुझमें आत्मविश्वास की कमी आ गई। मैंने लंबे समय तक यही सोचा कि मेरे माता-पिता का रिश्ता मेरी वजह से नहीं चल रहा और इनके अलग होने की असली वजह मैं हूं। छह साल की बच्ची के लिए इतना बोझ उठाना बहुत बड़ी बात है। लेकिन मेरी मां ही थीं जिन्होंने मुझे यह समझने में मदद की कि रिश्ते दो लोगों के बीच होते हैं। वे उन दो लोगों के बीच होने वाली घटनाओं से शुरू और खत्म होते हैं। एक बच्चे के रूप में आपका उन पर कोई असर नहीं होता।

कैसे समाज करता था व्यवहार

अंशुला ने आगे बताया कि तलाक ने न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया, बल्कि उनके आसपास के लोगों के व्यवहार को भी बदल दिया। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी जिंदगी का एक भी पल याद नहीं है बचपन में भी नहीं जब मुझे खुद को संभालना न पड़ा हो। माता-पिता के अलगाव से गुजरना, जब किसी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। इसके अलावा वो सारी आंटियां जो आपको घूरती थीं। जब आप किसी ग्रुप में जाते थे तो लोग अचानक चुप हो जाते थे और दूसरे लोग आपसे बात ही नहीं करना चाहते थे। हालांकि, ये आपको लचीला बनाता है। ये आपको थोड़ा रूखा बनाता है। लेकिन ये आपको और भी ज्यादा अकेला भी बनाता है।

मां थीं मेरी सबसे बड़ी ताकत

अपनी मां मोना शौरी को अपनी ताकत बताते हुए अंशुला ने कहा कि मेरी मां मेरी सबसे बड़ी ताकत थीं। मां ने ही मुझे आत्मविश्वास पाने में मदद की और आगे बढ़ने की हिम्मत दी। मैं हमेशा कहती हूं कि वो मेरे पंखों के नीचे की हवा थीं। वो सचमुच मेरी रीढ़ की हड्डी थीं।

टाइगर श्रॉफ-संजय दत्त की एक्शन थ्रिलर पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, 23 कट्स से 6 मिनट छोटी हुई बागी 4

बॉलीवुड की सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'बागी' की चौथी फिल्म इस हफ्ते पर्दे पर उतरने को तैयार है। टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त की 'बागी 4' शुक्रवार यानी 5 सितंबर को रिलीज हो रही है लेकिन रिलीज से पहले ही सेंसर बोर्ड की ओर से कई कट्स लगाए गए हैं।

'बागी 4' पर पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

एक रिपोर्ट के मुताबिक, साजिद नाडियाडवाला के बैनर तले बनी इस फिल्म को भले ही 'ए' सर्टिफिकेट दिया गया हो, लेकिन हिंसा से जुड़े कई सीन्स बोर्ड की नजरों से बच नहीं पाए। जिसका नतीजा ये हुआ कि फिल्म में 23 कट्स लगाए गए हैं। इसमें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले सीन, आपत्तिजनक डायलॉग और खून-खराबे वाले कई विजुअल शामिल हैं। इन कट्स के चलते फिल्म की लंबाई 2 घंटे 43 मिनट से घटकर 2 घंटे 37 मिनट रह गई है।

विवादित सीन पर चली कैंची

फिल्म में ऐसे कई सीन थे जिन्हें पूरी तरह हटाना पड़ा। उदाहरण के तौर पर, टाइगर श्रॉफ का ताबूत पर खड़ा होना, ईसा मसीह की मूर्ति पर हमला और इंसान की खोपड़ी में तलवार घुसाने जैसे सीन शामिल हैं। इसके अलावा इंसानों का गला रेते जाने और हाथ काटे जाने वाले खून से लथपथ सीन्स भी सेंसर बोर्ड को

मंजूर नहीं हुए। इतना ही नहीं, एक न्यूड सीन और अश्लील इशारे वाले शॉट को भी हटाना पड़ा। डायलॉग्स पर भी सेंसर बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाया। कई गालियां और आपत्तिजनक शब्द भी अब सेंसर बोर्ड के कहने पर बदल दिए गए।

मेकर्स ने खुद भी लगाए कट्स

दिलचस्प बात यह है कि निर्माता खुद भी फिल्म को और बेहतर बनाने के लिए आगे आए। प्रमाणन के बाद उन्होंने अपनी इच्छा से कुछ और सीन हटाए। यह वही ट्रेंड है जो हाल ही में रिलीज हुई 'वॉर 2' और विवेक अग्निहोत्री की 'द बंगाल फाइल्स' में भी देखा गया था। यानी अब बड़े बैनर खुद फिल्म की कटिंग-छंटाई में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

फिल्म की स्टारकास्ट

'बागी 4' में टाइगर श्रॉफ एक बार फिर 'रॉनी' के किरदार में नजर आएंगे, जबकि संजय दत्त नेगेटिव रोल निभा रहे हैं।

इनके अलावा हरनाज संधू, श्रेयस तलपड़े, सौरभ सचदेवा, उपेंद्र लिमये और सोनम बाजवा भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म का ट्रेलर सामने आते ही इसकी तुलना रणबीर कपूर की ब्लॉकबस्टर 'एनिमल' से की जा रही थी और अब सेंसर बोर्ड की कैंची के बाद चर्चा और भी तेज हो गई है।

फसल मुआवजे को लेकर सदन में जोरदार हंगामा

नारेबाजी के बीच 15 मिनट में 3 बिल पास

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र गुरुवार को भी जोरदार हंगामे की भेंट चढ़ गया। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायक ट्रैक्टर पर बैठकर विधानसभा पहुंचे और प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों तथा आमजनको मुआवजा देने की मांग की। विधानसभा के बाहर करीब आधा घंटे तक का हाई वोल्टेज ड्रामा चला। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अगुवाई में कांग्रेस विधायक ट्रैक्टर पर बैठकर विधानसभा में घुसने की कोशिश करने लगे। लेकिन विधानसभा सुरक्षा गार्ड व पुलिस जाब्ते ने उन्हें रोकने के लिए बाहर बेरिकेडिंग कर दी। इसके बाद कांग्रेस विधायक पैदल ही हाथ में बैनर लेकर विधानसभा में प्रवेश कर गए। विधानसभा गेट के बाहर करीब 15 मिनट तक जमकर नारेबाजी की गई। इसके बाद प्रश्नकाल में भी जमकर बवाल हुआ।

पहले प्रश्नकाल में बवाल हुआ। टीकाराम जूली ने सरिस्का अभ्यारण को लेकर सरकार से सवाल पूछा था लेकिन विधानसभा ने उसे अग्राह्य कर

दिया। इस पर सदन में जमकर हंगामा हुआ। जूली ने कहा कि सरिस्का में जमकर अवैध खनन हो रहा है और यहां मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया जा रहा। इस मुद्दे पर सदन में एक बार फिर से उनकी वन मंत्री संजय शर्मा के साथ तनानती हो गई। शून्यकाल में कांग्रेस विधायकों ने अतिवृष्टि से आई आपदा पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव लगाए। लेकिन स्पीकर ने स्थगन प्रस्ताव मंजूर नहीं किए। फिर भी कांग्रेस के कुछ विधायकों को 2-2 मिनट बोलने की अनुमति दी गई।

कांग्रेस का आरोप - 'हेलिकॉप्टर से हालात नहीं सुधरते':

कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुडानिया ने कहा कि सरकार सिर्फ हेलिकॉप्टर में घूम रही है, किसानों की सुध लेने कोई नहीं गया। अमित चाचाण ने कहा कि लाखों एकड़ फसल तबाह हो चुकी है, लेकिन सरकार गंभीर नहीं दिख रही। " कांग्रेस विधायक अमित चाचाण और नरेंद्र बुडानिया ने कहा- अतिवृष्टि से हालात खाराब हैं। किसानों की पकी फसल खराब हो चुकी है। लाखों एकड़ जमीन में नुकसान हुआ है। सरकार ने इनकी सुध नहीं ली।

किरोड़ी मीणा ने दी स्थिति की जानकारी:

आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने सदन में बताया कि भारी बारिश से अब तक 193 लोगों की मौत हुई है, जबकि हजारों मकान और पशु बर्बाद हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ के नियमों के अनुसार राहत कार्य जारी हैं और गिरदावरी शुरू हो चुकी है।

जूली का हमला - 'बहरी सरकार के कानों के पर्दे खोल रहा हूं':

नेता प्रतिपक्ष जूली ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि किसानों की दो बार फसल खराब हुई लेकिन गिरदावरी तक के आदेश नहीं हुए। "मुख्यमंत्री कुछ कहने आए थे लेकिन चुपचाप चले गए। इसलिए मैं जोर से बोल रहा हूं ताकि बहरी सरकार के कानों के पर्दे खुल जाएं।" किरोड़ी के जवाब के बीच ही हंगामा शुरू हो गया। इसी बीच कांग्रेस विधायक अशोक चांदना बिना स्पीकर की अनुमति के बोलने लगे। टोकने पर स्पीकर से बहस करने लगे। इस पर सत्तापक्ष के विधायकों ने कड़ी आपत्ति जताई। कांग्रेस बीजेपी विधायकों के बीच नोकझोंक होने लगी। काफी देर तक हंगामा होता रहा।

सदन में तनातनी बढ़ी तो बाद कांग्रेस विधायक वेल में आ गए और जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने शांत रहने की अपील की, लेकिन हंगामा नहीं रुका। स्पीकर ने करीब 12 बजकर 34 मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। विधानसभा की कार्यवाही 2 बजे फिर शुरू होने के बाद भी कांग्रेस विधायकों का हंगामा जारी रहा। कांग्रेस विधायक वेल में आकर नारेबाजी कर रहे हैं। हंगामा कर रहे कांग्रेसी विधायकों से स्पीकर ने शांत रहने को कहा, लेकिन नहीं माने।

हंगामें के बीच 15 मिनट में 3 बिल पास

हंगामे के बीच ही 3 बिल पारित करवाए गए। दूसरी बार केवल 33 मिनट सदन की कार्यवाही चली। तीन बिल पारित करवाने के बाद विधानसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा में आज राजस्थान माल और सेवा कर (GST) द्वितीय संशोधन विधेयक-2025 और कारखाना राजस्थान संशोधन विधेयक-2025 पारित करवाने की तैयारी है. कारखाना (राजस्थान संशोधन) विधेयक 2025 विधेयक चर्चा के लिए रखे गए थे। लेकन हंगामें के चलते यह बिल बिना चर्चा के ही महज 15 मिनट में पास कर दिए गए।

नरेश मीणा को राजस्थान हाईकोर्ट से मिली जमानत

राजकार्य में बाधा डालने का था आरोप

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट की जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने झालावाड़ जिले के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में विरोध प्रदर्शन के मामले में युवा नेता नरेश मीणा को जमानत दे दी है। नरेश मीणा की ओर से एडवोकेट फतेह राम मीणा और रजनीश गुप्ता ने पैरवी की। इस मामले में नरेश मीणा पर राजकार्य में बाधा डालने और आपातकालीन सेवाओं को बाधित करने का आरोप लगाया गया था।

हाईकोर्ट के इस फैसले से नरेश मीणा को बड़ी राहत मिली है, हालांकि वह पहले से ही एक अन्य मामले में जमानत पर हैं।

क्या है पूरी घटना?

दरअसल, यह घटना 25 जुलाई 2025 की है। झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में एक स्कूल हादसे के बाद नरेश मीणा अपने समर्थकों के साथ झालावाड़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे थे। इस हादसे में 7 बच्चों की मौत हुई थी और नरेश मीणा ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल के इमरजेंसी भवन के बाहर धरना और प्रदर्शन किया था।

इस दौरान उनके समर्थकों ने नारेबाजी की और अस्पताल के कामकाज में व्यवधान उत्पन्न किया। पुलिस ने इसे राजकार्य में बाधा और आपातकालीन सेवाओं को बाधित करने का मामला मानते हुए नरेश मीणा को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने नरेश मीणा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया, जिसमें राजकार्य में बाधा डालना और सार्वजनिक शांति भंग करना शामिल था।

इस मामले में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद जस्टिस अशोक कुमार जैन ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। नरेश मीणा के वकीलों ने दलील दी कि उनके मुवक्किल ने केवल जनहित में आवाज उठाई थी और उनका इरादा आपातकालीन सेवाओं को बाधित करना नहीं था। हाईकोर्ट ने इन दलीलों को स्वीकार करते हुए जमानत मंजूर की।

नरेश मीणा का विवादित इतिहास

बताते चलें कि नरेश मीणा का नाम विवादों से पुराना नाता रहा है। इससे पहले, देवली-उनियारा विधानसभा सीट के उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ते समय उन्होंने एक मतदान केंद्र पर एसडीएम को थप्पड़ मार दिया था। इस मामले में भी नरेश मीणा पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और अशांति भड़काने के आरोप लगे थे। इस केस में भी वह वर्तमान में जमानत पर हैं।

राजस्थान की पहली सोने की खदान में नहीं होगी खुदाई

कहां फंस रहा पेंच ? नीलामी हुई कैंसिल

बांसवाड़ा, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा। जिले की भूकिया-जगपुरा स्थित राजस्थान की पहली सोने की खदान की नीलामी पर अचानक ब्रेक लग गया है। खान विभाग ने विजेता कंपनी के दस्तावेजों में गड़बड़ी सामने आने के बाद यह नीलामी रद्द कर दी है। मई 2024 में हुई इस नीलामी का खुलासा अब जाकर हुआ है।

राजस्थान जून 2024 में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और झारखंड के बाद चौथा राज्य बना था जिसे सोने की खदान का लाइसेंस मिला। इस नीलामी में चार कंपनियों ने बोली लगाई थी, जिसमें हिराकुंड नैचुरल रिसोर्सेज, हिंदुस्तान जिंक, रामगढ़ मिनरल्स एंड माइनिंग और रतलाम की ओवैस मेटल एंड मिनरल प्रोसेसिंग लिमिटेड शामिल हैं।

कागजों में मिली ये खामियां

विजेता घोषित हुई ओवैस मेटल एंड मिनरल प्रोसेसिंग लिमिटेड के दस्तावेजों की जांच में गड़बड़ियां सामने आईं। कंपनी की नेटवर्थ और आयकर रिटर्न में अंतर पाया गया, वहीं 200 करोड़ रुपये की अनिवार्य शर्त भी पूरी नहीं की गई थी। साथ ही शेयरहोल्डिंग से जुड़े आंकड़े भी गड़बड़ निकले। इसके आधार पर विभाग ने बोली रद्द करने का आदेश जारी किया।

बाड़मेर में करोड़ों की डकैती: व्यापारी को बंधक बनाया

रोते बच्चे को गोली मारने की धमकी, प्रदर्शन कर बाजार बंद

बाड़मेर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। गडरारोड कस्बे में हथियारबंद बदमाशों ने एक व्यापारी परिवार को बंधक बनाकर करोड़ों की डकैती की वारदात को अंजाम दिया। नकाबपोश बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे और परिवार को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया।

बदमाशों ने करीब एक घंटे तक परिवार को आतंकित कर 35 तोला सोना, 40 किलो चांदी और पांच लाख रुपए नकद सहित गहने-नकदी लूटकर फरार हो गए। इस सनसनीखेज वारदात से कस्बे में दहशत फैल गई है। घटना गडरारोड कस्बे के मुख्य बाजार में रहने वाले व्यापारी उत्तमचंद हाथीराम भूतड़ा के घर की है।

बदमाश रात करीब साढ़े एक बजे छत से घर में घुसे। आवाज सुनकर परिवार के लोग जाग गए। तभी बदमाशों ने उन्हें दबोच लिया। व्यापारी उत्तमचंद ने बताया कि बदमाशों ने पहले उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और हाथ-पांव बांध दिए।

इसके बाद पत्नी और बेटी को भी बंधक बना लिया गया। व्यापारी की बेटी माया अपने 10 महीने के बेटे के साथ मायके आई हुई थी। बदमाशों ने बच्चे को जान से मारने की धमकी देते हुए महिला से घर में रखे जेवर और नकदी की जानकारी ली।

पिस्तौल और लोहे की सरिया से लैस थे बदमाश

माया ने बताया कि एक बदमाश के हाथ में पिस्तौल थी, जबकि अन्य लोहे की सरियों से लैस थे। जब उसका बेटा रोने लगा तो बदमाशों ने धमकाया कि अगर आवाज निकली तो उसे मार देंगे। दहशत में उसने उनसे कहा कि हमें नुकसान मत पहुंचाओ, जो भी सामान है ले जाओ। इसके बाद बदमाश अलमारी और तिजोरी में रखे सोने-चांदी के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए।

परिजनों का कहना है कि इस दौरान बदमाशों ने व्यापारी उत्तमचंद से मारपीट भी की और उनके हाथ में पहने कंगन और पत्नी कमला देवी के गले का हार तक उतरवा लिया। करीब एक घंटे तक परिवार को बंधक बनाकर रखा गया। बदमाशों के जाने के बाद बेटी माया ने तकिए के नीचे छिपाए मोबाइल से रिश्तेदार को फोन कर घटना की जानकारी दी।

पुलिस, डीएसटी और एफएसएल टीम कर रही जांच

सूचना पर पुलिस देर रात मौके पर पहुंची। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि वारदात में चार बदमाश शामिल थे। जिला पुलिस, डीएसटी और एफएसएल की टीमें जांच में जुटी हैं। कस्बे वासियों ने गुरुवार सुबह बाजार बंद रखकर घटना का विरोध जताया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

परिवार लगा रहा यह आरोप

पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि थानाधिकारी ने समय पर उच्चाधिकारियों को घटना की सूचना नहीं दी, अन्यथा बदमाश पकड़ में आ सकते थे। रिश्तेदार प्रकाश भूतड़ा ने कहा, इस इलाके में इस तरह की पहली बड़ी वारदात है, जिससे परिवार सहमा हुआ है। वहीं, व्यापारी वर्ग ने सामूहिक बैठक कर अपराधियों की गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है।

वहीं, बैठक में सर्वसमाज के लोगों ने वारदात की निंदा और प्रशासन से अपराधियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग किया।

बदमाशों की पहचान को लेकर भी बड़ा खुलासा हुआ है। माया ने बताया कि एक बदमाश का नकाब खिसक गया था और उसने खुद को मनु विश्नोई नाम से पुकारा। पुलिस इस सुराग के आधार पर भी जांच कर रही है।

वारदात के बाद घर का सारा सामान बिखरा पड़ा मिला। चोरी गए गहनों और नकदी की कुल कीमत करोड़ों रुपए आंकी जा रही है। फिलहाल, पुलिस ने टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। कस्बे में दहशत का माहौल है और लोग लगातार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

9वीं के स्टूडेंट नहीं बता पाए सीएम का नाम

भड़के मदन दिलावर; शिक्षक को मोबाइल चलाते देख लगाई फटकार

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार सुबह राजधानी जयपुर के कई सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कहीं टीचर मोबाइल चलाते मिले तो कहीं गंदगी का आलम देख शिक्षा मंत्री ने नाराजगी जताई।

शिक्षा मंत्री मदल दिलावर सुबह सबसे पहले जयपुर के पानीपेच में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पहुंचे। जहां व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद मुरलीपुरा बीड़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद शिक्षा मंत्री द्वारिकापुरी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंचे।

द्वारिकापुरी के स्कूल में निरीक्षण के दौरान एक शिक्षक मोबाइल चलाते मिला। जिस पर शिक्षा मंत्री ने शिक्षक को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही पूछा कि शिक्षक स्कूल में क्या करने के लिए आते हैं? मंत्री ने शिक्षक को स्कूल समय में मोबाइल पर गेम नहीं खेलने की नसीहत देते हुए कहा कि दोबारा ऐसा नहीं होना चाहिए।

इसके बाद शिक्षा मंत्री ने स्कूली बच्चों से सवाल पूछे। जिनका जवाब सुनकर मंत्री हैरान हो गए। 9वीं कक्षा के बच्चे राजस्थान के मुख्यमंत्री का नाम तक नहीं बता पाए। जिस पर शिक्षा मंत्री ने नाराजगी जताई।

निरीक्षण के दौरान सरकारी स्कूल में गुटका और चिप्स के पाउच बिखरे मिले। शिक्षा मंत्री ने खुद चिप्स की थैली उठाकर शिक्षक को दिखाई और सवाल किया कि यह सफाई है? साथ ही मंत्री ने नाराजगी जताते हुए तत्काल सुधार और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

उपजिला अस्पताल को लेकर भिड़े मंत्री और विधायक

पिछले कांग्रेस एमएलए पर लगे आरोप; जूली बोले- वो अब बीजेपी में

जयपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को जयपुर के शाहपुरा में उपजिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर के निर्माण को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक देखने को मिली। इस मुद्दे पर कांग्रेस विधायक मनीष यादव और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को उनके जवाबों में विरोधाभास का आरोप लगाते हुए घेरा।

स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने सदन में इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि शाहपुरा में उपजिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर के निर्माण के लिए पहले जारी किया गया टेंडर इसलिए रद्द किया गया क्योंकि पुरानी जगह पर पर्याप्त जमीन उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने बताया कि उपयुक्त जमीन के आवंटन के बाद नया टेंडर जारी किया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि ट्रॉमा सेंटर के लिए उपयुक्त जमीन की कमी के कारण परियोजना में देरी हुई है।

हालांकि, कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने स्वास्थ्य मंत्री के इस जवाब पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 5 जुलाई को दिए गए एक जवाब में मंत्री ने शाहपुरा की पुरानी जमीन को उपयुक्त बताया था, लेकिन अब उसी जमीन को अपर्याप्त बता रहे हैं। मनीष यादव ने सवाल किया कि मंत्री जी, चार महीने पहले आपने उसी जमीन की तारीफ की थी। अब वही जमीन अचानक खराब कैसे हो गई? इस मामले में स्थानीय विधायक की राय क्यों नहीं ली गई?

इस नोकझोंक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि यह जो बवंडर मचा है, पिछले एमएलए कांग्रेस के थे, उनका और उनकी पार्टी का किया हुआ काम है। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी स्वास्थ्य मंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि मंत्री जी यह जो बवंडर मचा है, इसके लिए आप पिछले कांग्रेस विधायक को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। लेकिन अब तो वह विधायक आपकी पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो चुके हैं। यह तो पुरानी परिपाटी बन गई है।

जूली ने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री अपने जवाबों में लगातार विरोधाभास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार महीने पहले आपने सदन में कहा था कि पुरानी जमीन अच्छी है और उस पर निर्माण हो सकता है। अब आप उसी जमीन को अनुपयुक्त बता रहे हैं। यह कैसे संभव है?

इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने जवाब दिया कि 2021 में कांग्रेस सरकार ने इस परियोजना को मंजूरी दी थी। अब हम इसे आगे बढ़ा रहे हैं। इसके लिए आपको खुश होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जमीन की कमी के कारण टेंडर रद्द करना पड़ा और नई जगह पर निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

इस पर मनीष यादव ने कहा कि शाहपुरा की जनता इस अस्पताल का लंबे समय से इंतजार कर रही है, लेकिन बार-बार टेंडर रद्द होने से लोगों में निराशा बढ़ रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार जल्द से जल्द नई जगह का चयन कर निर्माण कार्य शुरू करे।

मंदिर के दरवाजे पर भालू की दस्तक

आबादी वाले इलाके में घुसा पैंथर, दहशत में ग्रामीण

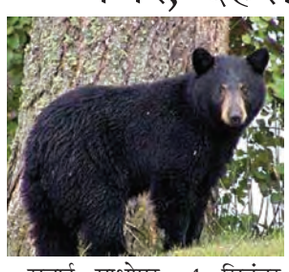

सवाई माधोपुर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। रणथंभौर के जंगली जानवर अब लगातार आबादी वाले इलाकों में घुसपैठ कर रहे हैं। बीती रात हालात और भी खतरनाक हो गए जब रैगर मोहल्ले में एक तरफ पैंथर ने कुत्ते को अपना शिकार बनाया और वहीं दूसरी ओर एक भालू मंदिर के दरवाजे पर दस्तक देता दिखाई दिया। इन घटनाओं ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी।

स्थानीय लोगों के मुताबिक भालू कभी मंदिर की सीढ़ियों पर चढ़कर दरवाजा खटखटाता दिखाई दिया तो कभी गलियों में घूमता रहा। काफी देर तक मोहल्ले में चहलकदमी करने के बाद वो वापस जंगल की ओर लौट गया। गांव वालों का कहना है कि आए दिन ऐसे हादसे होते हैं लेकिन वन विभाग ने सुरक्षा के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं।

एक तरफ पैंथर और दूसरी तरफ भालू, ग्रामीण इलाके में इन दोनों जंगली जानवरों की मौजूदगी ने लोगों की नींद उड़ा दी है। अब बड़ा सवाल यह है कि वन विभाग की इस तरफ से नींद कब खुलेगी और विभाग कब इन्हें रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगा?

हिरण का शिकार रोकने पर बदमाशों ने सोते किसान की ली जान

जैसलमेर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ उपखंड क्षेत्र के सांगड थाना इलाके में मंगलवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। डांगरी गांव के किसान खेत सिंह की उस समय बेरहमी से हत्या कर दी गई, जब वह अपने खेत में सो रहे थे। प्रारंभिक जांच और परिजनों के बयानों से सामने आया है कि यह हत्या हिरण के अवैध शिकार का विरोध करने के चलते की गई।

खेत में सोते समय बदमाशों का हमला

ग्रामीणों के अनुसार, किसान खेत सिंह रोज की तरह अपने खेत में रात बिताने गए थे। आधी रात को गांव के ही कुछ बदमाश वहां पहुंचे और धारदार हथियार से उनके सिर पर वार कर दिया। हमले की गंभीरता इतनी थी कि खेत सिंह उठ भी नहीं पाए और वहीं खून से लथपथ हालत में तड़पते रहे। सुबह जब किसान खेतों में काम करने पहुंचे तो उन्हें गंभीर रूप से घायल देखा और तुरंत पुलिस व परिजनों को सूचना दी। पहले उन्हें फतेहगढ़ अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत नाजुक होने पर बाड़मेर रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक के भाई स्वरूप सिंह ने पुलिस को बताया कि यह वारदात लगभग दस दिन पहले हुए विवाद का नतीजा है। गांव के ही आलम खान और लाडू खान उस समय बंदूक लेकर हिरण का शिकार करने आए थे। खेत सिंह ने इसका विरोध किया था और रोकने की कोशिश की थी।

अवैध धर्मांतरण का पर्दाफाश चेन्नई की संस्था कर रही थी फंडिंग

अलवर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर थाना उद्योग नगर पुलिस ने अवैध धर्मांतरण के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि इस संस्था का मैनेजमेंट और फंडिंग चेन्नई की एफ.एम.पी.बी. संस्था की ओर से किया जाता है। थाना उद्योग नगर पुलिस को सूचना मिली कि सैय्यत कॉलोनी गोलेटा स्थित फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड हॉस्टल में विद्यार्थियों को अवैध धर्मांतरण कराया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां बच्चों से बातचीत की गई और हॉस्टल में मौजूद रिकॉर्ड की जांच की गई। जांच में सामने आया कि संस्था गरीब बच्चों को शिक्षा के साथ क्रिश्चियन धर्म की शिक्षा भी देती है और हिंदू व सिख धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक बातें सिखाती है। इस पर मौके पर मौजूद विजेंद्र सिंह खंडेलवाल ने धार्मिक भावनाएं आहत करने संबंधी रिपोर्ट दर्ज कराई।

लोहे की रॉड से युवक की हत्या कर 10 फीट गहरे गड्ढे में दफनाया शव

नागौर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के खींवसर उपखंड क्षेत्र से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पत्नी से प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक ने अपने ही चचेरे भाई की हत्या कर शव को खदान में दफना दिया। भावंडा थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। खींवसर उपखंड के भावंडा थाना क्षेत्र के भटनोखा गांव निवासी मुकेश गालवा पुत्र स्व. भंवरुदिन 27 अगस्त की रात गणपति स्थापना कार्यक्रम में जाने की बात कहकर घर से निकला था लेकिन दो दिन तक घर नहीं लौटने पर उसके भाई महेंद्र ने थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। जांच के दौरान परिजनों ने मुकेश के चचेरे भाई सोहनराम पर शक जताया। पुलिस ने उसे डिटेन किया तो पूछताछ में उसने हत्या का राज खोल दिया।

आरोपी ने कबूल किया कि उसका मुकेश की पत्नी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। मुकेश उनके बीच रोड़ा बन रहा था। इसी कारण उसने 27 अगस्त की रात कार्यक्रम से लौटते वक्त लोहे की रॉड से मुकेश पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपनी ही खदान में जेसीबी मशीन से 10 फीट गहरा गड्ढा खोदकर शव दफना दिया।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस जेसीबी लेकर खदान पहुंची और खुदाई करवाई। यहां से मुकेश का शव बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

मंत्रियों ने वित्त मंत्री से बाढ़ मुआवजा देने का आग्रह किया

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बाढ़ मुआवजा देने के मुद्दे पर मुलाकात की और उनसे मुआवज़ा देने का आग्रह किया। राज्य मंत्री तुम्मला ने वित्त मंत्री से पाम ऑयल पर आयात शुल्क को 44 प्रतिशत पर बहाल करने का अनुरोध किया।

उन्होंने कृषि उपकरणों और ड्रिप सिंचाई उपकरणों पर 12 प्रतिशत जीएसटी छूट देने का भी अनुरोध किया। उन्होंने वित्त मंत्री से हथकरघा कपड़ों पर 5 प्रतिशत जीएसटी छूट देने का अनुरोध किया। इस बैठक में राज्य के वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, कृषि विभाग के सचिव रघुनंदन राव, केंद्र सरकार की परियोजनाओं और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के समन्वय सचिव गौरव उप्पल ने भाग लिया।

इसी क्रम में तेलंगाना के कृषि, विपणन, सहकारिता, हथकरघा और वस्त्र मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और राज्य के किसानों और बुनकरों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए तीन ज्ञापन प्रस्तुत किए। अपनी पहली अपील में, मंत्री ने कृषि मशीनरी, उपकरणों और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों पर 12 प्रतिशत जीएसटी से पूरी तरह छूट की मांग की, और इस बात पर ज़ोर दिया कि यह कर छोटे और सीमांत किसानों पर भारी वित्तीय बोझ बन गया है।

उन्होंने कहा, मशीनीकरण और आधुनिक सिंचाई तकनीक को अपनाने की गति धीमी हो रही है क्योंकि किसान इनका खर्च वहन नहीं कर सकते। उन्होंने केंद्र से उत्पादकता में सुधार और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जीएसटी हटाने का आग्रह किया। तेलंगाना के हथकरघा बुनकरों की दुर्दशा पर केंद्रित अपने दूसरे पत्र का जिक्र करते हुए, तुम्माला ने कहा कि हथकरघा उत्पादों पर 5 प्रतिशत जीएसटी के कारण बुनकर संघर्ष कर रहे हैं। राज्य में 23,000 से ज्यादा बुनकर और 34,000 से ज़्यादा सबद्ध कर्मचारी हैं, और पोचमपल्ली इक्कत, गडवाला सिल्क, नारायणपेट सिल्क, गोलाभामा साड़ी, वारंगल दरी और करीमनगर बेडशीट जैसे उत्पाद देश की विरासत का मूल्य रखते हैं।

उन्होंने बताया कि ऊंची लागत और जीएसटी ने हथकरघा उत्पादों को अप्रतिस्पर्धी बना दिया है, जिससे कई बुनकर अपने पारंपरिक शिल्प को छोड़ने पर मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने खादी क्षेत्र की तरह हथकरघा उत्पादों पर भी पूरी छूट देने की मांग की। अपने तीसरे ज्ञापन में, मंत्री ने कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर आयात शुल्क में कमी के प्रभाव पर चिंता जताई।

वीओ की नियुक्ति के साथ राजस्व सेवाएं बहाल : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, तेलंगाना सरकार ने ग्राम प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति के साथ जमीनी स्तर पर राजस्व सेवाओं को बहाल करने के अपने चुनावी वादे को पूरा किया है, राज्य के राजस्व, आवास, सूचना और नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आज घोषणा की। राज्य सचिवालय में राजस्व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद इस निर्णय की घोषणा करते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री 5 सितंबर को हाइटेक्स में 5,106 नवचयनित जीपीओ को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। पूर्व वीआरओ और वीआरए उम्मीदवारों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से चुने गए ये अधिकारी राजस्व सेवाओं को सीधे गांवों तक पहुंचाएंगे, जिससे विशेष रूप से भूमि संबंधी मुद्दों पर किसानों को लाभ होगा।

सीएम ने अधिकारियों को केंद्र से बाढ़ राहत प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को केंद्र सरकार से बाढ़ राहत निधि प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। कामारेड्डी स्थित एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए, मुख्यमंत्री ने हाल ही में हुई भारी बारिश के दौरान अधिकारियों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की, जिससे नुकसान को कम करने में मदद मिली।

उन्होंने अधिकारियों को केंद्र सरकार से समय पर वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय मानदंडों के अनुरूप विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों को दिए गए राहत उपायों की जानकारी ली और अधिकारियों को बार-बार होने वाली बाढ़ की समस्याओं के स्थायी समाधान की योजना बनाने के निर्देश दिए। संकट के दौरान अंतर-विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला कलेक्टरों को नियमित समन्वय बैठकें आयोजित करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, संकट के समय में सभी को राजनीति से परे मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह 15 दिनों के भीतर लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की समीक्षा करेंगे। राज्य पंचायत राज मंत्री सीतक्का पुराने निजामाबाद ज़िले में बाढ़ संबंधी मुद्दों की विशेष समीक्षा करेंगी और मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से उस बैठक के दौरान स्थानीय चिंताओं को उजागर करने का आग्रह किया।

पूर्व विधायक पद्मा देवेंद्र रेड्डी ने एमएलसी कविता के बीआरएस पार्टी से निलंबन का स्वागत किया

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक पद्मा देवेंद्र रेड्डी ने कहा है कि वह एमएलसी कविता के मुद्दे पर पार्टी प्रमुख केसीआर द्वारा लिए गए फैसले का स्वागत करती हैं। उन्होंने कहा कि कविता ने बीआरएस पार्टी की आलोचना करके अपने लिए गड्ढा खोद लिया है। हम पिछले दो-तीन दिनों से कविता की बातों पर नजर रख रहे हैं। हम पार्टी प्रमुख केसीआर द्वारा लिए गए फैसले का स्वागत करते हैं। कविता ने अपने व्यवहार से पार्टी को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हरीश राव एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो बीआरएस पार्टी के लिए धन के समान हैं। अगर वह ऐसी टिप्पणियां करती हैं जो उन्हें कमजोर करती हैं, तो क्या यह तेलंगाना के लिए नुकसानदेह नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हरीश राव एक ऐसे व्यक्ति थे, जो सभी के लिए उपलब्ध थे और एक कार्यकर्ता, नेता, मंत्री और विधायक के रूप में उन्होंने काम किया। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने उस समय हरीश राव के प्रदर्शन की तारीफ की थी, वही आज आरोप लगा रहे हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि उन्हें कैसे यकीन दिलाया जा सकता है। इटेला राजेंद्र के पार्टी छोड़ने में हरीश राव की कोई भूमिका नहीं थी। हरीश राव ने विधानसभा में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी की कमजोरी उजागर की थी। पद्मा देवेंद्र रेड्डी ने कहा कि कविता का हरीश राव पर निशाना साधकर बोलना अजीब है। उन्होंने कहा कि केसीआर ने साबित कर दिया है कि करोड़ों लोग, जो उन पर और पार्टी के पदाधिकारियों पर भरोसा करते हैं, उनके लिए उनके परिवार के बंधन से ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं। केसीआर ने यह संदेश दिया है कि कोई भी पार्टी के पीछे पड़ा है। पार्टी से निलंबित होने पर भी कविता के शब्द निरर्थक हैं। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम कविता की टिप्पणियों को उनके विवेक पर छोड़ते हैं।

एशिया कप में भारतीय हॉकी टीम का दमदार प्रदर्शन

मलेशिया को सुपर-4 मुकाबले में हराया

राजगीर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के राजगीर में खेले जा रहे एशिया कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है।

अब भारतीय टीम ने 4 सितंबर (गुरुवार) को सुपर-चार के अपने दूसरे मुकाबले में मलेशिया को 4-1 पराजित किया। भारत की ओर से मनप्रीत सिंह (17वें मिनट), सुखजीत सिंह (19वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (24वें मिनट) और विवेकसागर प्रसाद (38वें मिनट) ने गोल दागे। वहीं मलेशिया की ओर से इकलौता गोल शफीक हसन ने किया। टीम इंडिया अब फाइनल में पहुंचने के करीब है। अब भारतीय टीम सुपर-चार के अपने आखिरी मुकाबले में 6 सितंबर (शनिवार) को चीन का सामना करेगी।

हास्य कलाकार शंकर नारायण का नाम वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज

27 साल में 550 हास्य अवधानम प्रस्तुत, 25 घंटे का अनूठा रिकॉर्ड भी शामिल

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध हास्य कलाकार और हास्य अवधानी शंकर नारायण को उनकी अद्वितीय कला के लिए वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स इंटरनेशनल में जगह मिली है। बुधवार को त्यागराय गण सभा के कला सुब्बाराव कलावेदिका में आयोजित कार्यक्रम में, सभा के अध्यक्ष कला जनार्दन मूर्ति और वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स इंटरनेशनल इंडिया के मुख्य समन्वयक बिंगी नरेंद्र गौड़ ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

शंकर नारायण ने अब तक भारत और विदेशों में हजारों हास्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं और पिछले 27 वर्षों में 550 हास्य अवधानम किए हैं। खास बात यह है कि उन्होंने त्यागराय गण सभा में लगातार 25 घंटे तक सार्वजनिक हास्य अवधानम कर अनोखा कीर्तिमान भी बनाया था। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह सम्मान उनकी निरंतर मेहनत और अनूठी कला का परिणाम है। जनार्दन मूर्ति ने उम्मीद जताई कि नारायण आगे भी दुनिया भर में हास्य अवधानम प्रस्तुत कर और कई पुरस्कार एवं प्रशंसा अर्जित करेंगे।

वीजा अवधि समाप्त होने पर नाइजीरियाई युवक देश से निर्वासित

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी शहर में अवैध रूप से रह रहे एक नाइजीरियाई नागरिक को गुरुवार को निर्वासित कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, नाइजीरिया के एनुगु निवासी अली एनुके फोर्टुनैटस अकुदिननवा उर्फ फॉर्च्यून (30) शहर के पबों में डीजे का काम करता था। वह पहले भी नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में लिप्त रह चुका है। नियमित जांच के दौरान पता चला कि फॉर्च्यून का वीजा समाप्त हो चुका है और वह अवैध रूप से देश में रह रहा है। इसके बाद पुलिस ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) की मदद से उसे नाइजीरिया भेज दिया।

श्री रामदेवरा दरबार में 56 भोग चढ़ाए गए

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री रामदेवरा दरबार मन्दिर शिवरामपल्ली में श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में भादवा सुदी बाबा की बड़ी दशमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में मंदिर कमेटी के चेयरमैन श्यामसुन्दर गिलडा ने बताया कि बाबा की बड़ी दशमी के उपलक्ष्य में मंदिर को विशेष रूप से सजाया-संवारा गया। बाबा रामदेवजी को छप्पन भोग चढ़ाए गए। भक्तों के दर्शनार्थ मंदिर अर्ध रात्रि तक खुला रहा।

सैकड़ों भक्तों ने दर्शन, भजन एवं प्रसाद का लाभ लिया। मुख्य यजमान हीरालाल चौधरी परिवार था। सभी कार्यक्रम धर्मस्व विभाग के कार्यकारी अधिकारी ए. रमा देवी के सान्निध्य में सम्पन्न हुए। विशेष अतिथियों का स्वागत मंदिर कमेटी के चेयरमैन श्यामसुन्दर गिलडा एवं साथियों द्वारा किया गया। मंदिर में प्रात: 5 बजे पुरोहितों के नेतृत्व में मंत्रोच्चारण के साथ बाबा का अभिषेक कर श्रृंगार आरती की गई। रात्रि बेला में नगरद्वय के गायक वैभव तिवारी, संदीप अग्रवाल एवं स्वाति दाहिमा ने भजनों की प्रस्तुति दी। भादवा सुदी दूज के अवसर से जारी लंगर प्रसाद की व्यवस्था प्रात: से अर्धरात्रि तक निरंतर जारी रही। मंदिर में लंगर प्रसाद की व्यवस्था 6 सितंबर तक प्रातः 8 से दोपहर 12 तथा सायं 5 से रात 9 बजे तक जारी रहेगी। लंगर व्यवस्था में बाबा रामदेव भक्त मण्डल, काटेदान एवं राकेश जालान काटेदान का सहयोग रहा। चूरमा सहयोग श्री बाबा रामदेव भक्त मण्डल, भाग्यनगर, हैदराबाद द्वारा किया गया। मंदिर प्रबंधन द्वारा धर्मस्व विभाग की एक्सीक्यूटिव अधिकारी ए. रमा देवी सहित कमेटी चेयरमैन श्यामसुन्दर गिलडा, कमेटी सदस्य धर्मचन्द भंसाली, कमलकिशोर जाजू, दिनेश सिंगनोदिया, जगदीश अग्रवाल, श्यामसुन्दर परताणी, कमलेश बाफणा, राजकुमार अग्रवाल, अभिमन्यु यादव के साथ-साथ मंदिर पुजारीगण पं. सुरेश महाराज, पं. बनवारी महाराज, पं. राकेश महाराज, पं. निरंजन महाराज, पं. कौशलेन्दर महाराज, पं. अनिल महाराज, पं. जनार्दन महाराज, जगन्नाथ, चिरंजीलाल शर्मा, अरविन्द शर्मा, पंकज शर्मा की देखरेख में उत्सव की तैयारियां की गईं। बड़ी दशमी उत्सव में सुरेश ताजपुरिया, राजकुमार लड्डा, चन्द्रशेखर गड्डी एवं नीलेश शर्मा का विशेष रहा।

यूनियन बैंक ने आयोजित की हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अंचल कार्यालय हैदराबाद द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक व बीमा) के तत्वावधान में हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) सहित हैदराबाद स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं बीमा कंपनियों के स्टाफ सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन वी.एस.वी. नागेश, उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने भाषा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी मानवीय व्यवहार में भाषा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। बैंकिंग जैसे क्षेत्र में भाषा व संवाद कला ग्राहक सेवा और ग्राहक संतुष्टि में अहम भूमिका निभाती है। इस अवसर पर बोलते हुए श्रीमती सी एस जननी, उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं कर्मचारियों में आत्मविश्वास और संवाद कला को बढ़ावा देती हैं जिससे उनके व्यक्तित्व में सुधार होता है। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में हैदराबाद के हिंदी सेवी श्रुतिकांत भारती, रवि श्रीवास्तव, सहायक महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त), भारतीय स्टेट बैंक एवं डॉ. मुमताज सुल्ताना, बहुभाषा कवियत्री ने भाग लिया। नवनीत राज, प्रबंधक (राजभाषा), इंडियन बैंक प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक से शामिल श्रीमती बी सुशीला, प्रबंधक (राजभाषा) ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को बधाई दी।

बोडला श्रीनिवास, मुख्य प्रबंधक, सुश्री नवनीत कौर, मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र से पधारे राम कुमार दास, प्रबंधक (राजभाषा), उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन देवकांत पवार वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया और सुश्री तपस्वीनी मोहंती, प्रबंधक (राजभाषा) ने सहयोग प्रदान किया।

अरिंदम सिन्हा बने क्षेत्रीय निदेशक

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अरिंदम सिन्हा, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (ईआर-II), एनटीपीसी लिमिटेड ने आज सिकंदराबाद के कवाडीगुडा स्थित दक्षिणी क्षेत्रीय मुख्यालय (एसआरएचक्यू) में क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (दक्षिण) का अतिरिक्त कार्यभार संभाला। श्री सिन्हा अपने साथ तीन दशकों से अधिक का एक शानदार करियर लेकर आए हैं, जो निरंतर समर्पण, असाधारण नेतृत्व और एनटीपीसी के यांत्रिक और परिचालन उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण योगदान से चिह्नित है। एनटीपीसी के साथ श्री सिन्हा की यात्रा 1989 में फरक्का थर्मल पावर स्टेशन में एक मैकेनिकल मेंटेनेंस इंजीनियर के रूप में शुरू हुई। बीईसी सिरपुर से बीई (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) के पूर्व छात्र, श्री सिन्हा ने 2007 में एमडीआई गुड़गांव से वित्त में पीजी डिप्लोमा पूरा किया।

अपने पूरे कार्यकाल के दौरान, उन्होंने परिचालन उत्कृष्टता और रणनीतिक दूरदर्शिता का उदाहरण पेश किया है। आरईडी (दक्षिण) के रूप में इस नई भूमिका के साथ, श्री सिन्हा दक्षिणी क्षेत्र में एनटीपीसी की उपस्थिति और प्रदर्शन को और मजबूत करने के लिए तैयार हैं, जिससे सतत विकास और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

केवीआर पार्क में गणेशजी की आरती व पूजा के बाद गरम जलेबी और आलूबोंडा का प्रसाद भक्तों ने वितरित किया। भक्तों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, अनिता विजया संध्या रानी अग्रवाल, संगीता टोलवाला, विट्ठलदास अग्रवाल, बड़ेगांव वाले किशन दास एवं मुख्य यजमान ने भाग लिया।

भगवान परशुराम मंदिर निर्माण का शुभारंभ

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान परशुराम मंदिर, बेगमबाजार में आज भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर मंदिर निर्माण का शुभारंभ किया गया। गणेश विसर्जन के बाद मंदिर के पूर्ण निर्माण कार्य को आरंभ किया जाएगा। समाज के गणमान्य लोगों ने मंदिर निर्माण में सहयोग का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों में वेद प्रकाश जोशी, पंडित पुरुषोत्तम लाला, रामदेव नागला, पवन मिश्रा, विशाल शर्मा, लड्डू ओझा, संदीप जयलवाल, नितेश अग्रवाल, सुरेंद्र, श्रीनिवास, भगवान ओझा, वैभव शर्मा, विजय ओझा, नितेश व्यास, कमल शर्मा सहित कई अन्य श्रद्धालु सम्मिलित हुए। सभी ने इसे तेलंगाना में भगवान परशुराम जी के पहले प्राचीन मंदिर के पुनर्निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

मिथिला सामाजिक मंच की विशेष बैठक आयोजित

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिथिला सामाजिक मंच की विशेष बैठक जगतगिरी गुट्टा स्थित परशुराम मंदिर में की गई जिसमें 14 दिसंबर को आयोजित होने वाले विद्यापति स्मृति पर्व के साथ-साथ अनेक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। मंच के संरक्षक खगेश झा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन कार्यकारी अध्यक्ष शम्भुनाथ झा ने किया। इस बैठक में सर्वप्रथम खगेश झा द्वारा मंच के नये सदस्य के रूप में हैदराबाद निवासी दो वरिष्ठ मैथिल आनंद कुमार झा एवं धीरेंद्र कुमार झा 'धीरू' के नामों की घोषणा की गयी। अवसर पर मंच के अध्यक्ष राम विनोद झा ने कहा कि वरिष्ठ सदस्यों के सहयोग से मंच के क्रिया कलाप हेतु वर्तमान शासी निकाय एवम कार्यकारिणी को और अधिक उर्जा मिलेगी। वरिष्ठ सदस्य तृप्ति नारायण झा ने सलाहकार समिति के गठन का सुझाव देते हुए कहा कि अन्य वरिष्ठ मैथिली सेवियों से भी सम्पर्क किया जाए। सचिव अनिल कुमार झा द्वारा धन्यवाद दिया गया।

पिता ने तीन मासूम बच्चों की हत्या कर खुद की भी ली जान

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकर्नूल जिले के उप्पनुथला मंडल में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आंध्र प्रदेश के पेद्दाबोयापल्ली निवासी गुट्टा वेंकटेश्वरलु (पति- दीपिका) ने पारिवारिक विवाद के बाद अपने तीन मासूम बच्चों की हत्या कर दी और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
सार्वजनिक ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/कार्य/बीजेडए/20/2025 दि. 02-09-2025
पीयूबी/1071
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रत्येक के आगे उल्लेखित तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।
क्र.सं. : 01 निविदा सं. : ई-29-उत्तर-बीजेडए-2025 कार्य का विवरण : कार्य का नाम : बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन : बय्यावरम-अनकापल्ली स्टेशनों के बीच सत्यनारायणपुरम गाँव पर किमी. 743/26-28 अतिक्रमण स्थान पर लिमिटेड हाइट सब-वे (1x6.00 एम x 3.00 एम) का प्रस्तावित निर्माण आईआरपीएसएम आईडी : 11.06.30.23.1.55.002 (विजयवाड़ा डिवीजन - बीजेडए- वीएसकेपी सेक्शन : टीएचवाईडीवीडी स्टेशनों के बीच लंकेलापालेम पर किमी. 755/5-7 अतिक्रमण स्थान पर लिमिटेड हाइट सब-वे (1x6.0एमx2.5एम) का प्रस्तावित निर्माण आईआरपीएसएम आईडी : 11.06.30.23.1.55 पूरा करने की अवधि : 09 (नौ महीने), निविदा मूल्य : रु. 8,23,40,259/-, पूर्व धरोहर राशि : रु. 5,61,700/-, बंद होने की तिथि : 26-09-2025
क्र.सं. : 02 निविदा सं. : ई-28-उत्तर-बीजेडए-2025 कार्य का विवरण : कार्य का नाम : विजयवाड़ा डिवीजन - बीजेडए- वीएसकेपी सेक्शन : एडीईएन/आरजेवाई के अंतर्गत एसएसई/ डब्ल्यू/एनडीडी सेक्शन में बड़े ब्रिजों के लिए पिचिंग, टो वाल एवं स्टेप्स एवं छोटे ब्रिजों के लिए बैलेस्ट रिटेनिंग वाल्स उपलब्ध कराना (162 अप एवं डाउन, 815 अप एवं डाउन, 174 अप एवं डाउन, 177 अप एवं डाउन, 182 अप एवं डाउन, 191 अप एवं डाउन, 220 अप एवं डाउन) (सेक्शन आईडी सं. : 11.06.32.24.3.55.020) पूरा करने की अवधि : 09 (नौ महीने), निविदा मूल्य : रु. 2,85,08,273/-, पूर्व धरोहर राशि : रु. 2,92,800/-, बंद होने की तिथि : 26-09-2025
1) सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि किसी निविदा में किसी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान देने के लिए निविदा बन्द होने की तिथि से पूर्व वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।
डिवीज़नल रेलवे मैनेजर (कार्य), विजयवाड़ा
निविदा सं. जीटीएल-ईएम-36-2025-26, दिनांक : 02-09-2025
पीयूबी/1072
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/रखरखाव/ गुंटकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।
निविदा सं. : जीटीएल-ईएम-36-2025-26.
कार्य का नाम : गुंटकल डिवीजन : डिवीजन पर पम्पों के आटोमेशन, प्लेटफार्मों पर 30% एवं 70% लाइटिंग, स्ट्रीट लाइटिंग, सर्किट्स, लिफ्ट्स इत्यादि सहित पंपों के कंट्रोल के लिए वेब आधारित मानिटरिंग (एलओटी) (फेज-II)
अनुमानित मूल्य : रु. 4,93,75,803.98 पैसे
बंद होने की तिथि एवं समय : 24-09-2025 को 15.00 बजे।
निविदा की बोली लगाने और अन्य विवरणों के लिए http://www.ireps.gov.in को लॉगइन करें। यदि निविदा के लिए कोई शुद्धिपत्र हो तो उसे केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा। निविदा दस्तावेज़ निविदादाता द्वारा http://www.ireps.gov.in से निःशुल्क डाउनलोड किए जा सकते हैं।
नोट : इस ई-निविदा में भाग लेने/बोली लगाने के लिए निविदादाता के पास वैध डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) होना चाहिए।
सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, रखरखाव, गुंटकल
निविदा सं. जीटीएल-ईएम-34-2025-26, दिनांक : 2-09-2025
पीयूबी/1073
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/रखरखाव/ गुंटकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।
निविदा सं. : जीटीएल-ईएम-34-2025-26.
कार्य का नाम : गुंटकल डिवीजन - 3 वर्ष के लिए गुंटकल डिवीजन पर पंपों के लिए वार्षिक मरम्मत ठेका।
अनुमानित मूल्य : रु. 39,94,756.89/-
बंद होने की तिथि एवं समय : 24-09-2025 को 15:00 बजे।
निविदा की बोली लगाने और अन्य विवरणों के लिए http://www.ireps.gov.in को लॉगइन करें। यदि निविदा के लिए कोई शुद्धिपत्र हो तो उसे केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा। निविदा दस्तावेज़ निविदादाता द्वारा http://www.ireps.gov.in से निःशुल्क डाउनलोड किए जा सकते हैं।
नोट : इस ई-निविदा में भाग लेने/बोली लगाने के लिए निविदादाता के पास वैध डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) होना चाहिए।
सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, रखरखाव, गुंटकल
निविदा सं. 21_2025_26_सीनि. डीईई_टीआर_एचवाईबी दि. 02-09-2025
पीयूबी/1074
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ट्रैक्शन/हैदराबाद द्वारा निविदा सं. 25_2025_26 सीनि. डीईई_टीआर_एचवाईबी दि. : 02-09-2025 के प्रति ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं। बंद होने की तिथि 24-09-2025 को 15-00 बजे। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियों को केवल बंद होने की तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के प्रति मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और अगर कोई ऐसा मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे नजरअंदाज किया जाएगा।
क्रम सं. 1. कार्य का विवरण : हैदराबाद डिवीज़न : हैदराबाद डिवीजन पर केसीजी-एफएम सेक्शन में ओएचई सुधार के साथ कटेनरी वायर (65 वर्ग एमएम) का प्रतिस्थापन। अनुमानित मूल्य : रु. 70,66,423.80/-, पूर्व धरोहर राशि : रु. 1,41,300.00/-, पूरा करने की अवधि : 04 महीने, बंद होने की तिथि : 24-09-2025.
वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in
सूचना पट्ट का स्थान जहाँ निविदा के पूरे विवरणों को देखा जा सकता है : सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ट्रैक्शन कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकन्दराबाद-500025.
सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ट्रैक्शन, हैदराबाद
सार्वजनिक निविदा सूचना सं. बी-ई. 22-टीआरडी- टीएनडीआर- 22-2025-26 दिनांक : 01-09-2025
पीयूबी/1075
अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए आईआरईपीएस में निविदाएँ आमंत्रित हैं।
निविदा सं. : बी-ई.29-टीआरडी-टीएनडीआर-22-2025-26, कार्य का नाम : विजयवाड़ा डिवीज़न दुव्वाड़ा-विजयवाड़ा सेक्शन में अत्याधिक पुराने इंसुलेटर्स एवं जंग लगे कंटीलीवर्स का प्रतिस्थापन। अनुमानित मूल्य : रु. 3,23,11,949.26, पूरा करने की अवधि : 12 महीने, बोली सुरक्षा (पूधरा) : रु. 3,11,600/-, बन्द होने की तिथि : 23-09-2025 को 15.00 बजे।
क्र.सं. 1. निविदा प्रपत्र का मूल्य : रु. नगण्य
सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, टीआरडी, विजयवाड़ा
A1340
अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट https:// www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

एशिया कप 2025 से पहले बीसीसीआई ने अचानक लिया बड़ा फैसला

400 करोड़ से ज्यादा कमाई होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में टीम इंडिया बिना टाइटल स्पॉन्सर के मैदान में उतरेगी, क्योंकि ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 के लागू से होने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और ड्रीम 11 के रास्ते अलग हो चुके हैं. बोर्ड अब नया टाइटल स्पॉन्सर तलाश रहा है. इससे के लिए पिछले दिनों टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं. अब बोर्ड ने एक और बड़ा फैसला लिया है. क्रिकबज ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया की स्पॉन्सरशिप के लिए बेस प्राइस बढ़ा दिया है.

बीसीसीआई ने नया बेस प्राइस बाइलेट्रल (द्विपक्षीय) मैचों के लिए 3.5 करोड़ रुपये और मल्टीलेटरल (आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट) मैचों के लिए 1.5 करोड़ रुपये तय किया है. यह दरें मौजूदा रेट से थोड़ी ज्यादा हैं.

अब तक कितने पैसे मिल रहे थे?

फिलहाल बीसीसीआई को बाइलेट्रल मैचों के लिए 3.17 करोड़ और मल्टीलेटरल मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपये मिल रहे थे, जो ड्रीम 11 दे रहा था, लेकिन अब बीसीसीआई को बाइलेट्रल मैचों में 10% से ज्यादा और मल्टीलेटरल टूर्नामेंटों में लगभग 3% का फायदा होने की उम्मीद है.

बाइलेट्रल मैचों के लिए ज्यादा कीमत क्यों रखी गई?

बाइलेट्रल मैचों में स्पॉन्सर की ब्रांडिंग खिलाड़ियों की जर्सी के सामने (चेस्ट) पर होती है, जिससे ज्यादा पहचान मिलती है. वहीं आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में ब्रांड का नाम सिर्फ स्लीव्स (आस्तीन) पर दिखता है, इसलिए उसकी वैल्यू थोड़ी कम रहती है. इसलिए द्विपक्षीय सीरीज के लिए बेस प्राइस ज्यादा रखा गया है.

400 करोड़ की कमाई होने की उम्मीद

बीसीसीआई अगले 3 सालों के लिए स्पॉन्सरशिप राइट्स बेचने की योजना बना रहा है. इस दौरान लगभग 130 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 2026 का टी20 वर्ल्ड कप और 2027 का वनडे वर्ल्ड कप भी शामिल है. नए बेस प्राइस के आधार पर बोर्ड को 400 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई हो सकती है. ये आंकड़ा और ज्यादा भी हो सकता है.

16 सितंबर को मिल सकता है नया टाइटल स्पॉन्सर

टीम इंडिया के नए स्पॉन्सरशिप राइट्स के लिए बोली 16 सितंबर को होगी. इसका मतलब है कि 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले नया स्पॉन्सर जुड़ना लगभग नामुमकिन है. बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने साफ किया है कि किसी तरह की अस्थायी (इंटरिम) व्यवस्था की संभावना बहुत कम है.

ये कंपनियां नहीं करे पाएंगी आवेदन

बीते 2 सितंबर को बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लीड स्पॉन्सर राइट्स के लिए हित का सूत्र जारी किया था, जिसमें कहा गया है कि गेमिंग, बेटिंग, क्रिप्टो और तंबाकू कंपनियां बोली नहीं लगा सकेंगी. इसके अलावा, स्पोर्ट्सवियर ब्रांड, बैंकिंग और फाइनेंस कंपनियां, सॉफ्ट ड्रिंक, पंखे, मिक्सर ग्राइंडर, सेफ्टी लॉक और इंश्योरेंस कंपनियां भी पात्र नहीं होंगी, क्योंकि ये बीसीसीआई के मौजूदा स्पॉन्सर से टकरा सकती हैं.

शिखर धवन की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी ने किया तलब

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज को प्रवर्तन निदेशालय ने तलब किया है. एक सट्टेबाजी एप के प्रचार से जुड़े मामले में उनसे पूछताछ के लिए बुलाया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक ये जांच ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफ़ॉर्म से संबंधित है, जिसका धवन सोशल मीडिया पर प्रचार कर रहे हैं. अब ईडी ने शिखर धवन से इस मामले अपनी भूमिका स्पष्ट करने जांच में शामिल होने के लिए कहा है. हाल ही में टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और हरभजन सिंह से भी ईडी ने पूछताछ की थी.

ये लोग हैं जांच के घेरे में

पिछले साल से कई बॉलीवुड और साउथ फिल्म के एक्टर और क्रिकेटर अवैध सट्टेबाजी एप्स का प्रचार करने के आरोप में जांच के घेरे में हैं. इस सूची में विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, हरभजन सिंह, उर्वशी रौतेला और सुरेश रैना शामिल हैं. अब इसमें शिखर धवन का नाम भी जुड़ गया है.

हाल ही में ईडी के सामने पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और हरभजन सिंह ने अपने बयान दर्ज कराए थे. अब इस मामले में शिखर धवन को भी ईडी ने तलब किया है. इस दौरान ईडी ने आरोप लगाया है कि अगस्त में गिरफ्तार किए गए कर्नाटक के कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र द्वारा संचालित ऑनलाइन सट्टेबाजी साइटों ने बहुत कम समय में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की.

ईडी ने किया बड़ा दावा

इसमें ये भी दावा किया गया है कि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए लोगों को ठगने के एक मामले में मुख्य आरोपी वीरेंद्र और दुबई में उसके सहयोगी धन जुटाने और अपनी अवैध गतिविधियों को असली ई-कॉमर्स व्यवसायों के रूप में छिपाने के लिए कई प्रकार के गेटवे और फिनटेक सर्विस प्रोवाइडर का उपयोग करके कई गेमिंग वेबसाइट चला रहे थे.

ईडी ने चित्रदुर्ग के विधायक केसी वीरेंद्र को अगस्त में सिक्किम से गिरफ्तार किया था, जहां वो एक कैसिनो को किराए पर लेने के लिए गए थे. वो फिलहाल ईडी की हिरासत में हैं. केंद्र सरकार ने हाल ही में नए कानून के जरिए असली पैसे वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाना दिया है. ईडी अवैध सट्टेबाजी के मामले में लगातार कार्रवाई कर रही है.

लेग स्पिनर अमित मिश्रा क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायर

2017 में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मैच, आईपीएल में तीन हैट्रिक लेने वाले इकलौते गेंदबाज

मुंबई, 4 सितंबर (एजेंसियां)। लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने गुरुवार को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। 42 साल के मिश्रा ने 2003 में बांग्लादेश में वनडे ट्राई सीरीज के दौरान इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

मिश्रा ने 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वे आीपील में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज है।

क्रिकेट में मेरे जीवन के ये 25 साल यादगार रहे

उन्होंने ने कहा, क्रिकेट में मेरे

जीवन के ये 25 साल यादगार रहे हैं। मैं बीसीसीआई , प्रशासन, हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन, सहयोगी स्टाफ, अपने सहयोगियों और अपने परिवार के सदस्यों का तहे दिल से आभारी हूं, जो इस दौरान मेरे साथ रहे।

उन्होंने आगे कहा, मैं उन फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनके प्यार और समर्थन ने जब भी और जहां भी मैंने खेला, इस सफर को यादगार बना दिया। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें और अमूल्य सीख दी हैं, और मैदान पर बिताया हर पल एक ऐसी याद बन गया है जिसे मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा।

अमित मिश्रा का इंटरनेशनल करियर

टेस्ट	वनडे	टी-20
मैच-22	मैच- 36	मैच-10
विकेट-76	विकेट-64	विकेट-16
इकोनॉमी रेट- 3.19	इकोनॉमी रेट-4.72	इकोनॉमी रेट-6.31
बेस्ट-5/71	बेस्ट-6/48	बेस्ट-3/24

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले 7वें बॉलर

उन्होंने आखिरी आईपीएल मैच 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ था। वे 162 मैचों में 174 विकेट लेकर सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। मिश्रा लीग के इतिहास में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं।

उन्होंने आईपीएल में अलग-अलग टीमों के लिए खेलते हुए तीन हैट्रिक लिए। जिसमें 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स, 2011 में किंग्स इलेवन पंजाब और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद शामिल है।

फिडे ग्रैंड शतरंज में प्रज्ञानंद का सामना जैफ्री शियोंग से, बाकरोट से खेलेंगे गुकेश

समरकंद (उजबेकिस्तान), 4 सितंबर (एजेंसियां)। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के नंबर एक खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज के पहले दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर जैफ्री शियोंग से खेलेंगे, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश की टक्कर फ्रांस के एटियेने बाकरोट से होगी। ओपन वर्ग में 116 और महिला वर्ग में 56 खिलाड़ी 855000 डॉलर इनामी राशि के लिये मुकाबला करेंगे जिसमें से 625000 डॉलर पुरस्कार ओपन वर्ग में होगा। यह टूर्नामेंट अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये क्वालिफायर है

शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन, फेबियानो कारुआना और हिकारू नकामूरा इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। कार्लसन को क्लासिकल शतरंज पसंद नहीं है और वह विश्व चैंपियनशिप नहीं खेलते हैं। कारुआना कैंडिडेट्स के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं और नकामूरा को यकीन है कि जनवरी 2026 तक की औसत रैंकिंग के आधार पर वह जगह बना लेंगे।

ओपन और महिला वर्ग से दो कोटा स्थान तय होंगे।

इन तीनों के नहीं खेलने से शीर्ष तीन वरीयता भारतीय खिलाड़ियों को मिली है। दुनिया के चौथे, पांचवें और छठे नंबर के खिलाड़ी प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगेसी और गुकेश खिताब के प्रबल दावेदार होंगे। महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख भी ओपन वर्ग में उतरेंगी जो महिला कैंडिडेट्स के लिये क्वालिफाई कर चुकी हैं। वह महिला वर्ग में भाग नहनीं ले रही हैं। पहले दौर में उनका सामना हमवतन अभिमन्यु पुराणिक से होगा।

जीएसटी स्लैब में बदलाव: खेल सेक्टर पर बड़ा असर

आईपीएल टिकटों पर 40% टैक्स

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरों का असर अब खेल जगत पर भी गहराई से पड़ने वाला है। हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने स्लैब में बदलाव करते हुए खेल और उससे जुड़े आयोजनों पर टैक्स को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

टिकट पर 40% जीएसटी

सबसे बड़ा बदलाव क्रिकेट के इंडियन प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों पर देखने को मिलेगा। अब आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश (टिकट) पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसका सीधा असर टिकट की कीमतों पर पड़ेगा और दर्शकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता

है। हालांकि, यह 40 प्रतिशत की दर सिर्फ आईपीएल जैसे आयोजनों पर लागू होगी।

दूसरी ओर, मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों पर यह भारी कर नहीं लगाया जाएगा। यदि किसी मान्यता प्राप्त खेल आयोजन का टिकट 500 रुपये तक है तो वह पहले की तरह जीएसटी से मुक्त रहेगा। वहीं 500 रुपये से अधिक कीमत वाले टिकटों पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी जारी रहेगा। यानी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मान्यता प्राप्त खेल टूर्नामेंटों के दर्शकों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा।

इन पर सरकार ने कसी नकेल

इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने सट्टेबाजी, जुए, लॉटरी, घुड़दौड़ और ऑनलाइन मनी गेमिंग जैसी गतिविधियों को भी 40 प्रतिशत कर दायरे में लाने का फैसला किया है। यह फैसला न केवल इन क्षेत्रों के कारोबार को प्रभावित करेगा बल्कि सरकार को अतिरिक्त राजस्व भी दिला सकता है।

कुल मिलाकर, जीएसटी स्लैब में बदलाव से खेल जगत में दोहरी तस्वीर उभर रही है। जहां एक तरफ आईपीएल जैसे फ्रेंचाइजी आधारित आयोजन महंगे होंगे, वहीं मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों में दर्शकों के लिए राहत बनी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला सरकार के राजस्व बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है, लेकिन लंबे समय में इसका असर दर्शकों की भागीदारी और खेल आयोजनों की लोकप्रियता पर भी दिख सकता है।

12 गेंद में अर्धशतक ठोकने वाला बना कप्तान

पाकिस्तान छोड़ते ही मुहम्मद वसीम की चमकी किस्मत

खेल डेस्क, 4 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के लिए यूएई की टीम ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. इस टीम में 17 खिलाड़ी चुने गए हैं जिसकी कप्तानी मुहम्मद वसीम को मिली है. मुहम्मद वसीम यूएई के धाकड़ बल्लेबाजों में से एक हैं, वो पिछले दो सालों से टी20 क्रिकेट में कमाल प्रदर्शन कर रहे हैं और 2023 में ही उन्हें टी20 टीम की कप्तानी मिली थी और एशिया कप जीतने के लिए अब यूएई ने उनपर ही भरोसा दिखाया है. यूएई की टीम की बात करें तो वो ग्रुप ए में भारत, ओमान और पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगी. यूएई का पहला मैच 10 सितंबर को भारत से है. ये मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा.

एशिया कप के लिए यूएई की टीम

मुहम्मद वसीम (कप्तान), आलीशान शराफू, आर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, इथा डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतिउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहेब, राहुल

चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह और सागिर खान.

मुहम्मद वसीम को मिली कप्तानी

मुहम्मद वसीम को यूएई का कप्तान मिली है जो कि यूएई ही नहीं पूरे गल्फ के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं. दाएं हाथ का ये ओपनर हाल ही में टी20 में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाला कप्तान बना है. मुहम्मद वसीम ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा था. मुहम्मद वसीम पाकिस्तान के बलूचिस्तान में पैदा हुए लेकिन साल 2017 में वो यूएई आ गए. यहां उन्होंने सेल्समैन की नौकरी करते हुए क्लब क्रिकेट खेलना शुरू किया और जल्द ही वो देश के टॉप खिलाड़ियों में शामिल हो गए.

31 साल के इस खिलाड़ी ने यूएई के लिए 80 टी20 मैचों में 38 से ज्यादा की औसत से 2859 रन बनाए हैं. टी20 इंटरनेशनल में वसीम 3 शतक ठोक चुके हैं. उनका स्ट्राइक रेट भी 150 से ज्यादा का है. ये खिलाड़ी टी10 टूर्नामेंट में सिर्फ 12 गेंदों में अर्धशतक लगाने का कमाल कर चुका है. गजब की बात ये है कि मुहम्मद वसीम ने गली में टेप बॉल क्रिकेट खेला है और उसी तकनीक से वो इंटरनेशनल क्रिकेट में भी छक्कों की बारिश करते हैं. अब देखना ये है कि ये खिलाड़ी एशिया कप में क्या करता है. वैसे उनकी फॉर्म इस वक्त कमाल है. वो ट्राई सीरीज में पाकिस्तान के खिलाफ 33 और अफगानिस्तान के खिलाफ 67 रनों की धुआंधार पारी खेल चुके हैं.

2 छक्कों के दम पर ठोके 367 रन

जॉर्डन कॉक्स को अचानक टीम में मिली जगह

लंदन, 4 सितंबर (एजेंसियां)। द हंड्रेड लीग 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी की एक साल के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी हुई है. अब ये खिलाड़ी आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टी20आई सीरीज में अपने बल्ले का दम दिखाने को बेताब है. द हंड्रेड 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट जीतने वाले इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 22 छक्कों के दम पर इस लीग में सबसे ज्यादा 367 रन बनाए थे. अब उसको अचानक इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का मौका मिल गया है. इंग्लैंड का ये खिलाड़ी ओवल इनविंसिबल्स की ओर से खेलता है. इस टीम ने लगातार तीसरी बार इस खिताब पर कब्जा किया. जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स का अहम योगदान रहा है.

जॉर्डन कॉक्स को मिला बड़ा इनाम

द हंड्रेड 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले विकेटकीपर

बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को ऑयरलैंड के खिलाफ होने वाली 3 टी20आई मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल किया गया है. उन्होंने एक साल के बाद इंग्लैंड की टीम में वापसी की है. उन्होंने आखिरी बार 13 सितंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई मैच खेला था.

इसके बाद से उन्हें टीम में जगह नहीं मिली, लेकिन द हंड्रेड लीग में कॉक्स ने नीता अंबानी की टीम ओवल इनविंसिबल्स की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया और सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा. उन्होंने इस लीग में 9 मैच खेले. इसमें उन्होंने 61.61 की औसत से 367 रन बनाए. इसमें 3 अर्धशतक शामिल थे. इस दौरान उन्होंने 22 छक्के और 30 चौके ठोके. वो इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं. उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया. हालांकि उनका इंटरनेशनल क्रिकेट में रिकॉर्ड उतना अच्छा नहीं हैं.

कॉक्स का इंटरनेशनल क्रिकेट में प्रदर्शन

आयरलैंड दौरे पर इंग्लैंड की टीम अपने अभियान की शुरुआत 17 सितंबर से करेगी, जबकि तीसरा और आखिरी मुकाबला 21 सितंबर को खेला जाएगा. इस दौरे के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल जॉर्डन कॉक्स का इंटरनेशनल क्रिकेट में प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं हैं.

एनिसिमोवा ने लिया स्वियातेक से बदला

सिनर भी सेमीफाइनल में; भांबरी का करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

न्यूयॉर्क, 4 सितंबर (एजेंसियां)। आठवीं वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा ने इगा स्वियातेक को 6-4, 6-3 से हराकर अमेरिकी ओपन महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दो महीने पहले ही छह बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन स्वियातेक ने विंबलडन फाइनल में एनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ एनिसिमोवा ने स्वियातेक से बदला भी ले लिया। अमेरिका की एनिसिमोवा का यह तीसरा ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल है, लेकिन फ्लशिंग मीडोस पर वह पहली बार अंतिम चार में पहुंची हैं। अब उनका सामना चार बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने कोको गॉफ को हराया था। उन्होंने सेमीफाइनल में 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा को मात दी। गत चैंपियन यानिक सिनर ने इटली के ही दसवीं रैंकिंग वाले लोरेंजो मुसेत्ती को 6-1, 6-4, 6-2 से हराकर अमेरिकी ओपन पुरूष एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना 25वीं वरीयता वाले फेलिक्स आगर एलियास्सिमे से होगा जिन्होंने आठवीं रैंकिंग वाले एलेक्स डि मिनौर को 4-6, 7-6, 7-5, 7-6 से हराया। सिनर का यह लगातार पांचवां ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल है। अगर वह शुक्रवार को जीतते हैं तो इस साल चारों ग्रैंडस्लैम फाइनल पहुंचने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। भारत के युकी भांबरी अपने जोड़ीदार न्यूजीलैंड के माइकल वीनस के साथ पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम पुरूष युगल के सेमीफाइनल में पहुंच गए। भांबरी और वीनस ने 11वीं वरीयता प्राप्त निकोला मेकटिच और राजीव राम को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। इससे पहले उन्होंने चौथी वरीयता प्राप्त जर्मनी के केविच क्रावीत्ज और टिम पुएत्ज को मात दी थी। 33 वर्ष के भांबरी चोटों से परेशान रहने के बाद एकल छोड़कर युगल पर फोकस कर रहे हैं। दुनिया के पूर्व जूनियर नंबर एक खिलाड़ी भांबरी का सीनियर ग्रैंडस्लैम में यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने जियो हॉटस्टार से कहा, 'यह बहुत ही रोमांचक अनुभव था। मैं काफी भावुक हो रहा हूं। मुझे खुशी है कि इतना कठिन मैच हम जीत सके। हमारी प्रतिद्वंद्वी जोड़ी काफी अनुभवी थी और उनके खिलाफ जीतना बहुत बड़ी बात है।' उन्होंने कहा, 'अभी तक का सफर अच्छा रहा है।

'जादुई गेंद' नहीं झेल पाए आंद्रे रसेल, आउट होने के बाद रह गए हैरान

खेल डेस्क, 4 सितंबर (एजेंसियां)। टी20 को बल्लेबाजों के दबदबे वाला फॉर्मेट माना जाता है. यहां बटैर आते ही चौके-छक्कों की बारिश करते हैं. 20 ओवरों के खेल में गेंदबाजों की खूब पिटाई होती है, लेकिन कुछ बॉलर ऐसे हैं, जो इस फॉर्मेट में भी अपना जलवा कम नहीं होने देते. इन्हीं में एक नाम साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर तबरेज शम्सी का है. उन्होंने एक बार फिर से साबित किया है कि सही लाइन लेंथ और बॉलिंग में वैरिएशन के दम पर किसी भी बल्लेबाजी क्रम को तहस नहस किया जा सकता है.

ये खिलाड़ी इस वक्त वेस्टइंडीज में चल रही कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में सैंट लुसिया टीम का हिस्सा है. 3 सितंबर को हुए सीजन के 20वें मुकाबले में उन्होंने त्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 ओवरों में सिर्फ 12 रन दिए और 3 विकेट निकाले. इस कसी हुई बॉलिंग के दम पर ना सिर्फ शम्सी की टीम को जीत मिली बल्कि फैंस को एक जादुई गेंद भी देखने को मिली, जिस पर आंद्रे रसेल क्लीन बोल्ड हो गए.

बाएं हाथ से लेग स्पिन कराने की क्षमता रखने वाले तबरेज शम्सी भारत के कुलदीप यादव की तरह ही चाइनामैन बॉलर हैं, जिन्हें पढ़ पाना आसान नहीं होता. वो एक टप्पे से गेंद को दोनों तरफ घुमा सकते हैं. बल्लेबाजों को यही समझने में मुश्किल होती है और वो गलती कर बैठते हैं. आंद्रे रसेल से भी यह गलती हुई.

सीपीएल 2025 के तहत खेले गए इस मुकाबले में वो अपनी टीम के लिए पारी का 13वां ओवर लाए थे. इस वक्त विपक्षी टीम का स्कोर 72 रनों पर 5 विकेट था. आंद्रे रसेल और पोलार्ड क्रीज पर थे. शम्सी ने 13वें ओवर की तीसरी गेंद ऑफ स्टंप पर डाली, रसेल को लगा कि वो सीधी रहेगी, लेकिन शम्सी की बॉलर टप्प खाते ही आंदर आई और सीधा स्टंप में जा घुसी. रसेल ने बल्ला घुमाया, लेकिन कोई कनेक्शन नहीं हुआ. जब गिल्लियां बिखरीं तो रसेल हैरान थे कि आखिर गेंद कैसे स्टंप में घुस गई. अब इस जादुई बॉल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस मुकाबले में शम्मी को पढ़ने में बैटर नाकाम रहे. उन्होंने 3 विकेट निकाले और तीनों ही बल्लेबाज क्लीन बोल्ड हुए. इनमें अकील हुसैन, कायरन पोलार्ड और आंद्रे रसेल जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल थे.

नतीजा ये रहा कि सीजन की सबसे मजबूत टीम त्रिनबागो नाइट राइडर्स 18.1 ओवरों में सिर्फ 109 रन बना सकी और मैच हार गई. 110 रनों का टारटेग को तरबेज की टीम ने 3 विकेट खोकर 11.1 ओवर में हासिल कर लिया. जीत के हीरो शम्सी ही रहे, जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

कामारेड्डी के बाढ़ पीड़ितों को सरकारी आवास मिलेगा

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की हर समस्या का समाधान किया जाएगा : रेवंत रेड्डी

कामारेड्डी, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने वादा किया कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण कामारेड्डी में जिनके घर नष्ट हो गए हैं, उन्हें आवास प्रदान किया जाएगा।

रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कामारेड्डी जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का व्यक्तिगत मूल्यांकन किया। उन्होंने बुदिगिडा गांव में बारिश से प्रभावित खेतों और लिंगमपेट गांव के पास बाढ़ के पानी में बह गए पुल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पुल के पुनर्निर्माण के लिए व्यापक योजनाएं बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कामारेड्डी नगरपालिका के जीआर कॉलोनी और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में क्षतिग्रस्त सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे का भी जायजा लिया। उनके साथ मंत्री सीतक्का और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, विधायक मदन मोहन राव और सरकारी सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर सहित अन्य लोग मौजूद थे। अपने निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री ने कामारेड्डी की जीआर कॉलोनी और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बाढ़ के गंभीर प्रभाव का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों को आश्वस्त किया और जोर देकर कहा कि वे सिर्फ़ मूकदर्शक नहीं हैं, बल्कि उन्हें सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आने वाली हर समस्या का पूरी तरह से समाधान किया जाएगा। अगर निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे प्रभावित हुए हैं, तो सरकार उनकी सहायता करेगी। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत सरकार को आवंटित कोई भी धनराशि जरूरतमंदों तक पहुंचाई जाएगी। कामारेड्डी मेरे अपने निर्वाचन क्षेत्र जैसा है।

मुख्यमंत्री ने वादा किया कि पिछली सदी में यह बाढ़ अभूतपूर्व थी और उन्होंने सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। बाढ़ पीड़ितों से बात करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि नेताओं को मुश्किल समय में उनके साथ खड़ा होना चाहिए, और कहा कि पोच्चारम परियोजना ने लोगों को भीषण बाढ़ से बचाने में काफ़ी मदद की है। रेवंत रेड्डी ने किसानों को आश्वासन दिया कि फसल क्षति की रिपोर्ट मिलने के तुरंत बाद उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

अत्तापुर में 23 वर्षीय युवक पर चाकू से हमला

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर क्षेत्र के अत्तापुर में बुधवार रात एक 23 वर्षीय युवक पर कुछ लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित युवक की पहचान सैफ उर्फ रॉयल सैफ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उसका कुछ लोगों से विवाद हो गया था, जिसके बाद एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से उस पर कई बार वार कर दिए।

घायल सैफ को तुरंत उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही अत्तापुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

तेलंगाना के शैक्षणिक संस्थानों को तीन दिन की छुट्टी

> हाईकोर्ट में 6 सितंबर को अवकाश, चारमीनार भी बंद रहेगा

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए एक अच्छी खबर है। छुट्टियों का सिलसिला शुरू होने वाला है। 5 सितंबर (शुक्रवार) से 7 सितंबर (रविवार) तक, इस सप्ताह लगातार तीन दिन की छुट्टी रहेगी। तेलंगाना सरकार ने 5 सितंबर को मिलाद-उन-नबी (जिसे ईद-ए-मिलाद भी कहा जाता है) के उपलक्ष्य में छुट्टी की घोषणा की है, जो पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इसके अलावा, 6 सितंबर (शनिवार) को हैदराबाद में गणेश विसर्जन के उपलक्ष्य में छुट्टी रहेगी, जबकि 7 सितंबर रविवार होने के कारण सामान्य अवकाश रहेगा। परिणामस्वरूप, स्कूल और कॉलेज लगातार तीन दिन की छुट्टियों का आनंद लेंगे।

इसी क्रम में तेलंगाना उच्च न्यायालय ने गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के अवसर पर 6 सितंबर (शनिवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। एक अधिसूचना के अनुसार, यह अवकाश उच्च न्यायालय, हैदराबाद, सिकंदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरी और रंगारेड्डी जिलों की सभी अधीनस्थ अदालतों, साथ ही तेलंगाना राज्य न्यायिक अकादमी, तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति और हैदराबाद स्थित मध्यस्थता एवं पंचाट केंद्र के कार्यालयों पर लागू होगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने घोषणा की है कि चारमीनार, एक विरासत स्मारक, 6 सितंबर, को गणेश विसर्जन के कारण आगंतुकों के लिए बंद रहेगा। हैदराबाद पुलिस (चारमीनार डिवीजन) के अनुरोध के बाद, केंद्रीय संरक्षित स्मारक जनता के लिए उपलब्ध नहीं रहेगा और ऑनलाइन टिकट बिक्री भी दिन भर के लिए निलंबित रहेगी।

रोबोटिक तकनीक से वर्षा जल निकासी की सफाई

> जीएचएमसी ने सर्कल-12 में पायलट परियोजना शुरू की

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून आते ही, शहर में कभी-कभी नालों के उफान पर होने, ट्रैफ़िक जाम और निचले इलाकों में पानी भर जाने जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

इसके कारण बहुत ही जाने-पहचाने हैं-नालियों में कचरा और मलबा जमा होना, क्षतिग्रस्त चैनल और भारी बारिश से व्यवस्था चरमरा जाना। ऐसी बार-बार होने वाली समस्याओं का प्रभावी ढंग से समाधान सुनिश्चित करने के लिए, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने एक स्मार्ट समाधान के लिए तकनीक का सहारा लिया है। पहली बार, जीएचएमसी ने सर्कल-12 में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर रोबोटिक तकनीक का उपयोग करके वर्षा जल निकासी

नालियों की सफाई शुरू की है। रुकावटों की पहचान करने और सटीक सफाई करने के लिए प्रमुख सड़क चौराहों पर उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले सीसीटीवी कैमरों से सुसज्जित उन्नत रोबोटिक मशीनें तैनात की गई हैं। मुख्य अभियंता (अनुरक्षण) सहदेव रत्नाकर ने बुधवार रात एनएमडीसी जंक्शन, मेहंदीपटनम में सफाई अभियान का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया, जहां रोबोटिक मशीनें तैनात की गई थीं। रुकावटों की पहचान करने और गाद को कुशलतापूर्वक हटाने के लिए सीसीटीवी कैमरों वाली रोबोटिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। सभी कार्य क्षेत्रीय कर्मचारियों और जनता, दोनों की सुरक्षा के लिए कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत किए जा रहे हैं। सफल होने पर, इस पायलट परियोजना को सभी जीएचएमसी मंडलों में लागू किया जाएगा, जिससे शहरी बुनियादी ढांचे के रखरखाव में एक बड़े बदलाव की शुरूआत होगी। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने कहा, हमने हैदराबाद में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रोबोटिक तकनीक से वर्षा जल निकासी नालियों की सफाई शुरू की है।

तेलंगाना मुक्ति समिति के सदस्यों ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से तेलंगाना मुक्ति समिति के सदस्यों ने मुलाकात की, जिनका नेतृत्व तेलंगाना मुक्ति समिति के अध्यक्ष सी. अंजी रेड्डी, एमएलसी ने किया। उनके साथ समिति के संयोजक नेल्ली श्रीवर्धन रेड्डी, गुडुर नारायण रेड्डी, गोली मधुसूदन रेड्डी, पी. विक्रम रेड्डी, नंदकम दिवाकर और पथुरी करुणा भी उपस्थित थे। सदस्यों ने राज्यपाल को बताया कि 17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस के अवसर पर, निज़ाम की तानाशाही के विरुद्ध संघर्ष के इतिहास पर आधारित फिल्म 'राजाकर' 11 सितंबर को एक थिएटर में विशेष स्क्रीनिंग के रूप में दिखाई जाएगी। मुक्ति समिति के अध्यक्ष अंजी रेड्डी ने कहा कि इस कार्यक्रम में तेलंगाना की प्रमुख हस्तियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर के अंगदान से तीन लोगों की जान बची

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एक 28 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर, जिन्हें एक सड़क दुर्घटना के बाद ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। उनके परिवार द्वारा एक हॉस्पिटल में अंगदान की सहमति देने के बाद तीन मरीजों को नया जीवन दिया है। मृतक युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर नेल्लोर के मूल निवासी थे और हैदराबाद में जावा डेवलपर के रूप में कार्यरत थे। 30 अगस्त को उनकी दोपहिया वाहन के सड़क के डिवाइडर से टकराने पर उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें पहले उस्मानिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में उन्नत उपचार के लिए स्टार हॉस्पिटल्स में स्थानांतरित कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि कुमार को कई फ्रैक्चर, सिर में गंभीर चोट, फेफड़ों में चोट, गुर्दे में घाव और कार्डियक टैम्पोनेड हुआ था। पेरीकार्डियोसेंटेसिस सहित उनकी आपातकालीन प्रक्रियाएं की गईं, लेकिन गहन मल्टी-स्पेशलिटी देखभाल के बावजूद उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई। 2 सितंबर को किए गए न्यूरोलॉजिकल मूल्यांकन, ईईजी परिणामों और एपनिया परीक्षणों ने ब्रेनस्टेम डेथ की पुष्टि की। उसी दिन रात 9:29 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। परिवार के निर्णय के बाद, उनका लिवर और एक किडनी एक हॉस्पिटल के दो मरीजों में प्रत्यारोपित की गईं, जबकि दूसरी किडनी एक निजी अस्पताल के साथ साझा की गई ताकि किसी अन्य मरीज को दी जा सके। हॉस्पिटल ने एक बयान में परिवार के इस निर्णय की सराहना की और इसे एक ऐसा कदम बताया जिसने व्यक्तिगत त्रासदी को दूसरों के लिए आशा में बदल दिया।

यूरिया के लिए लंबी कतार में महिला किसान बेहोश

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणपेट जिले के तिलेरू स्थित प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पैक्स) में गुरुवार को यूरिया के लिए लगी लंबी कतार में एक महिला किसान बेहोश हो गई। सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, खाद लेने पहुंचे थे। इन्हीं में से एक मनेम्मा कतार में खड़ी थीं। अचानक उन्हें चक्कर आ गया और वे जमीन पर गिर पड़ीं। मौजूद किसानों और पैक्स अधिकारियों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने बताया कि मनेम्मा की हालत अब ठीक है और चिंता की कोई बात नहीं है।

इस बीच, किसानों में हैरानी की स्थिति है क्योंकि पैक्स अधिकारी अब टोकन के साथ-साथ किसानों के अंगूठे पर अमिट स्याही भी लगा रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ किसान बार-बार कतार में लगकर टोकन ले रहे थे। इसे रोकने के लिए ही यह कदम उठाया गया है। अब यूरिया उन्हीं किसानों को मिल रहा है जिनके पास टोकन है और जिनके अंगूठे पर अमिट स्याही लगी है। किसानों ने इसे चुनाव में मतदाताओं की तरह व्यवस्था बताते हुए आश्चर्य जताया और कहा कि इस तरह की स्थिति से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

महिला सशक्तिकरण समावेशी विकास की कुंजी : उत्तम

सेंटऐन्स इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि महिला सशक्तिकरण राज्य के समावेशी और सतत विकास के दृष्टिकोण का केंद्रबिंदु बना रहेगा। उन्होंने गुरुवार को शहर के मेहंदीपटनम स्थित सेंटऐन्स कॉलेज फॉर विमेन में सेंट ऐन्स इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया।

इस उद्घाटन के साथ, सेंटऐन्स तेलंगाना का पहला डिग्री कॉलेज बन गया जिसने सरकारी तौर पर पंजीकृत इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किया। इस कार्यक्रम में सेंटऐन्स स्कूल्स एंड कॉलेजेस की अध्यक्ष और सुपीरियर जनरल मदर एंथोनम्मा, हैदराबाद प्रांत की प्रिंसिपल और स्कूलों की शिक्षा सलाहकार डॉ. सीनियर ए. विजया रानी, एनआई-एमएसएमई निदेशक डॉ. विजया एरंडी, टी-हब की सीईओ सीता पल्लाचोला और उस्मानिया विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. गड्डम नारायण रेड्डी उपस्थित थे। इनक्यूबेशन केंद्रों को "नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़" बताते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि इस तरह की पहल शिक्षा को उद्योग से जोड़ती है और छात्रों को वास्तविक दुनिया के अवसर प्रदान करती है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि महिलाओं को इस प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, महिलाएं आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। अगर वे विकास का हिस्सा नहीं हैं, तो हम अपनी आधी क्षमता खो रहे हैं। सेंटऐन्स इनक्यूबेशन फाउंडेशन महिला उद्यमियों के लिए बाधाओं को दूर करेगा और उन्हें मार्गदर्शन, नेटवर्क और वित्तपोषण तक पहुंच प्रदान करेगा। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह केंद्र सिर्फ एक व्यावसायिक मंच से कहीं बढ़कर होगा। उन्होंने कहा, यह न केवल स्टार्टअप्स के लिए, बल्कि सामाजिक प्रभाव समाधानों- जैसे स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, ग्रामीण विकास और डिजिटल समावेशन - के लिए भी एक लॉन्चपैड बन सकता है।

ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां महिला नवप्रवर्तक जीवन बदल सकती हैं। मंत्री ने कॉलेज से आग्रह किया कि वे इनक्यूबेशन सेंटर को अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक उद्यमिता का केंद्र बनाने में पूर्व छात्रों, उद्योग जगत के दिग्गजों और निवेशकों को शामिल करें। उन्होंने आश्वासन दिया, सरकार आपकी उद्यमशीलता की यात्रा के हर कदम पर आपके साथ रहेगी।

सिंगरेणी खदानों को राष्ट्रीय पांच सितारा रेटिंग पुरस्कार

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर अपनी उत्कृष्टता साबित की है, इसकी चार खदानों को कोयला मंत्रालय से प्रतिष्ठित 'पांच सितारा रेटिंग पुरस्कार' प्राप्त हुए हैं। एससीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने गुरुवार को मुंबई में आयोजित एक समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से ये पुरस्कार प्राप्त किए। पुरस्कार विजेता खदानों में "आरजी ओसी-1 एक्सटेंशन (रामागुंडम-3 क्षेत्र), जेके-5 ओसी (येलंदु क्षेत्र), आरके-6 भूमिगत खदान और आरके-न्यूटेक भूमिगत खदान (श्रीरामपुर क्षेत्र)" शामिल हैं। कोयला मंत्रालय द्वारा स्थापित स्टार रेटिंग प्रणाली, खदानों का मूल्यांकन 84 मानकों पर करती है, जिनमें उनका प्रदर्शन, सुरक्षा, पर्यावरणीय व्यवहार, कल्याणकारी उपाय और बुनियादी ढांचा मानक शामिल हैं। 100 में से 91 से अधिक अंक प्राप्त करने वाली खदानें पांच सितारा श्रेणी के लिए योग्य होती हैं। इस उपलब्धि की सराहना करते हुए, सीएमडी बलराम ने कहा, एक ही वर्ष में चार खदानों के लिए पांच सितारा रेटिंग प्राप्त करना अभूतपूर्व है और सिंगरेनी के लिए गर्व की बात है। यह सफलता परिचालन उत्कृष्टता, पर्यावरण संरक्षण और श्रमिकों के कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। चार शीर्ष-रेटेड खदानों के अलावा, एससीसीएल की 14 खदानों को चार सितारा रेटिंग मिली, जबकि 20 खदानों को तीन सितारा रेटिंग मिली। उल्लेखनीय रूप से, सभी खदानों ने पिछले वर्षों की तुलना में अपने प्रदर्शन में सुधार किया है, यहां तक कि जिन खदानों को पहले दो सितारा रेटिंग मिली थी, वे भी अब तीन सितारा श्रेणी में पहुंच गई हैं।

बीड़ी पर जीएसटी घटाने के फैसले पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जताई नाराजगी

अन्य तंबाकू उत्पादों पर कर बढ़ा, बीड़ी पर घटाकर किया 18 प्रतिशत

हैदराबाद, 4 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों और तंबाकू विरोधी कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को जीएसटी परिषद के उस फैसले पर हैरानी जताई, जिसमें बीड़ी पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया। वहीं, सिगार, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर कर बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ रिजो एम. जॉन ने इस निर्णय पर निराशा व्यक्त की और कहा कि बीड़ी पर कर घटाना जन स्वास्थ्य के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बीड़ी भारत में सबसे ज़्यादा प्रचलित तंबाकू उत्पाद है और यह सिगरेट की तुलना में स्वास्थ्य के लिए कहीं अधिक हानिकारक है।

वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण (2016-17) के अनुसार, भारत में लगभग 7.1 करोड़ वयस्क बीड़ी पीते हैं, जो कुल आबादी का 7.7 प्रतिशत है, जबकि सिगरेट पीने वालों की हिस्सेदारी 4.5 प्रतिशत है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीड़ी से सिगरेट की तुलना में तीन गुना अधिक कार्बन मोनोऑक्साइड, तीन गुना अधिक निकोटीन और पांच गुना अधिक टार निकलता है। तंबाकू उत्पादों पर बीते कई वर्षों से कर लगातार बढ़ाए जा रहे थे, लेकिन बीड़ी पर कर घटाने के इस कदम ने स्वास्थ्य जगत और उद्योग जगत दोनों को चौंका दिया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.